8 सितंबर 2025
सोमवार

डिजिटल संस्करण
केशव टाइम्स

कहीं, बेंच-डेस्क घोटाले की जांच पर मंडरा तो नहीं रहा दबंगों का साया
3

भारत ने आठ साल बाद जीता खिताब, दक्षिण कोरिया को दी करारी शिकस्त

- विश्व कप के लिए किया क्वालिफाई

एजेंसी। राजगीर

हरमनप्रीत सिंह की कप्तानी में भारतीय टीम ने मौजूदा चैंपियन कोरिया को पराजित कर न सिर्फ ट्रॉफी जीती, बल्कि अगले साल बेल्जियम और नीदरलैंड की संयुक्त मेजबानी में होने वाले विश्व कप के लिए भी क्वालिफाई कर लिया। इससे पहले भारत ने 2003, 2007 और 2017 में भी खिताब जीता था। खास बात यह है कि 2007 और अब 2025 दोनों बार भारत ने कोरिया को हराकर खिताब जीता है।बिहार के राजगीर में आयोजित हॉकी एशिया कप 2025 के खिताबी मुकाबले में रविवार को भारत ने पांच बार की विजेता दक्षिण कोरिया को 4-1 से हराकर खिताब अपने नाम कर लिया। भारतीय हॉकी टीम आठ साल बाद एशिया कप की चैंपियन बनी है। यह उसकी टूर्नामेंट में चौथी खिताबी जीत है। हरमनप्रीत सिंह की कप्तानी में भारतीय टीम ने मौजूदा चैंपियन कोरिया को पराजित कर न सिर्फ ट्रॉफी जीती, बल्कि अगले साल बेल्जियम और नीदरलैंड की संयुक्त मेजबानी में होने वाले विश्व कप के लिए भी क्वालिफाई कर लिया। इससे पहले भारत ने 2003, 2007 और 2017 में भी खिताब जीता था। खास बात यह है कि 2007 और अब 2025 दोनों बार भारत ने कोरिया को हराकर खिताब जीता है। भारत 1982, 1985, 1989, 1994 और 2013 में उपविजेता (रनर-अप) रहा। मैच की शुरूआत से ही भारतीय खिलाड़ियों ने आक्रामक खेल दिखाया और बढ़त हासिल की। पहले ही मिनट में सुखजीत सिंह ने गोल दागकर भारत को बढ़त दिला दी। हालांकि आठवें मिनट में जुगराज सिंह पेनाल्टी स्ट्रोक का फायदा उठाने से चूक गए। पहला क्वार्टर भारत के नाम 1-0 से रहा।दूसरे क्वार्टर में भी भारत ने अपना दबदबा बनाए रखा। दिलप्रीत सिंह ने 27वें मिनट में गोल करते हुए बढ़त को 2-0 कर दिया। हाफ-टाइम तक भारत 2-0 से आगे था। तीसरे क्वार्टर में कोरिया ने वापसी की कोशिश की और लगातार पेनल्टी कॉर्नर भी हासिल किए, लेकिन भारतीय डिफेंस के आगे उनकी एक न चली। वहीं 44वें मिनट में दिलप्रीत सिंह ने अपना दूसरा और भारत का तीसरा गोल दागकर स्कोर 3-0 कर दिया।अंतिम क्वार्टर में भारत की ओर से अमित रोहिदास ने 49वें मिनट में शानदार फील्ड गोल किया। हालांकि एक मिनट बाद ही कोरिया के डैन सन ने गोल दागकर अंतर 4-1 कर दिया, लेकिन इसके बाद भारतीय टीम ने मैच पर पूरी तरह नियंत्रण बनाए रखा। चारों क्वार्टर में दबदबा बनाने वाले भारतीय खिलाड़ियों ने यह खिताबी जीत अपने नाम की और एक बार फिर साबित किया कि हॉकी में भारत एशिया की सबसे मजबूत टीम है।

भारत ने चौथी बार जीता एशिया कप

मैच के शुरूआती क्षणों में ही सुखजीत सिंह ने गोल दागते हुए टीम इंडिया को फ्रंटफुट पर ला दिया था. पहले ही क्वार्टर में भारत को पेनल्टी स्ट्रोक भी मिला, लेकिन गोल नहीं हो पाया. दूसरा क्वार्टर शुरू ही हुआ था, तभी जुगराज सिंह को 2 मिनट के लिए सस्पेंड कर दिया गया. टीम इंडिया के 10 खिलाड़ी मैदान पर थे, इसके बावजूद कोरियाई टीम गोल नहीं दाग पाई. दूसरे क्वार्टर में दिलप्रीत सिंह ने गोल करते हुए टीम इंडिया को 2-0 की बढ़त दिलाई. हाफ-टाइम तक भारत 2-0 से आगे था. तीसरे क्वार्टर में दक्षिण कोरिया ने बढ़िया शुरूआत की थी, लेकिन गोल दागने में टीम इंडिया सफल रही।

टीम इंडिया ने बदला पूरा किया

ये वही दक्षिण कोरिया है, जिसने 2013 एशिया कप फाइनल में भारत को 4-3 से हराकर उसे खिताब से वंचित रखा था. अब 12 साल के लंबे इंतजार के ाद भारतीय टीम ने अपना बदला पूरा करने में सफलता पाई है. इसे भी गजब का संयोग ही कहा जा सकता है कि पिछले 31 सालों में हॉकी एशिया कप का खिताब भारत और दक्षिण कोरिया के अलावा किसी तीसरी टीम ने नहीं जीता है. पिछले 9 एशिया कप टूनार्मेंट्स में दक्षिण कोरिया ने पांच बार और भारत ने 4 बार ट्रॉफी जीती है।

केजरीवाल ने मोदी सरकार से की अपील, कहा

ट्रंप कायर, बुजदिल और डरपोक है, अमेरिका 50 फीसदी टैरिफ लगा रहा तो भारत 75% लगाए

एजेंसी। नई दिल्ली

आम आदमी पार्टी (आप) प्रमुख अरविंद केजरीवाल ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर तीखा हमला बोला और मोदी सरकार के सामने 4 मांगें भी रखी हैं। केजरीवाल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर किसानों की कपास का मुद्दा उठाते हुए मोदी सरकार को भी घेरने की कोशिश की। केजरीवाल ने केंद्र सरकार से अपील की, "अगर अमेरिका, भारत पर 50 फीसदी टैरिफ लगा रहा है तो आप अमेरिका पर 75% टैरिफ लगाएं।" केजरीवाल ने ये भी कहा, "ट्रंप कायर, बुजदिल और डरपोक है, जिस-जिस देश ने उसे आंखें दिखाईं, उसे (ट्रंप) झुकना पड़ा। दुनिया झुकती है, झुकाने वाला चाहिए। केजरीवाल ने कहा कि भारत में 4 अमेरिका की कंपनी बंद कर दो, इन्हें (अमेरिका) नानी याद आ जाएगी। केजरीवाल ने कहा, "हमारे कपास के किसानों ने कर्ज लेकर कपास की खेती की, किसानों को उम्मीद थी कि जब वह अपनी फसल को बाजार में लेकर जाएंगे तो उसका अच्छा दाम मिलेगा। लेकिन केंद्र में बैठी नरेंद्र मोदी की सरकार ने 19 अगस्त को अमेरिकी कपास पर लगने वाली 11% इंपोर्ट ड्यूटी हटा दी और अब अमेरिकी कपास सस्ती बिकेगी। अब जब भारतीय किसान अपनी कपास बाजार में बेचने जायेंगे तो खरीदार भी नहीं मिलेंगे। केजरीवाल ने कहा, "आज चर्चा चल रही है कि अमेरिका के अंदर गौतम अडानी के ऊपर एक केस चल रहा है, जिसमें उन्हें जेल भी भेजा जा सकता है। अब लोग कह रहे हैं कि अडानी को बचाने के लिए पीएम मोदी ट्रंप की गुंडागर्दी के आगे झुक रहे हैं और कपास के किसानों को आत्महत्या करने को मजबूर कर रहे हैं।

मोदी सरकार कर रही अमेरिकी किसानों को मालामाल: केजरीवाल

केजरीवाल ने कहा, "पहले सरकार ने अमेरिकी कपास से सितंबर तक इंपोर्ट ड्यूटी हटाई थी और अब इसे बढ़ाकर दिसंबर तक कर दिया गया है। टेक्सटाइल इंडस्ट्री ने अमेरिकी कपास का ऑर्डर दे दिया है। हमारे देश के किसानों की कपास को कोई खरीदने वाला नहीं मिलेगा। अब किसान आत्महत्या के लिए मजबूर हो जाएगा। नरेंद्र मोदी जब उट थे तब किसानों को 1500-1700 प्रति बीस किलो के दाम मिला करते थे। आज जब मोदी प्रधानमंत्री हैं तब किसानों को प्रति बीस किलो 1200 भी नहीं मिल पा रहे हैं। अब भारतीय किसानों को 900 से भी कम दाम मिलेंगे।"

राजस्थान में भू-माफिया के खिलाफ ईडी का बड़ा एक्शन, जमीन धोखाधड़ी मामले में कई ठिकानों पर छापा, करोड़ों की नकदी जब्त

एजेंसी। नई दिल्ली

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने रविवार (7 सितंबर, 2025) को जमीनों के नाम पर लोगों से धोखाधड़ी से जुड़े बड़े मामलों में कथित भू-माफिया ज्ञान चंद अग्रवाल और उसके सहयोगियों के जयपुर स्थित कई परिसरों की छापेमारी की. अग्रवाल के खिलाफ जयपुर में 300 से ज्यादा प्राथमिकियां दर्ज हैं. प्रवर्तन निदेशालय ने एक बयान में कहा कि ये छापेमारी अभियान बुधवार और गुरुवार (3-4 सितंबर, 2025) को धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के प्रावधानों के तहत चलाया गया. ईडी ने जयपुर निवासी भू-माफिया ज्ञान चंद अग्रवाल के खिलाफ राजस्थान पुलिस की ओर से दर्ज की गई कई प्राथमिकी के आधार पर अपनी जांच शुरू की. अग्रवाल कथित तौर पर करोड़ों रुपये की जमीन हड़पने और धोखाधड़ी के अनेक मामलों में संलिप्त हैं. एजेंसी ने बताया कि अकेले जयपुर में ही उनके खिलाफ 300 से ज्यादा मामले दर्ज हैं. राज्य भर में उसके खिलाफ कई अन्य मामले दर्ज हैं. पुलिस मामलों के अनुसार, अग्रवाल ने अपने सहयोगियों के साथ मिलकर जाली दस्तावेज तैयार कर और झूठे आश्वासन देकर निवेशकों को ठगा. अधिकारियों ने कहा कि उन पर विभिन्न निवेशकों से 150 करोड़ रुपये से अधिक की ठगी करने का आरोप है. उनके खिलाफ कई गिरफ्तारी वारंट जारी किए जा चुके हैं. एजेंसी ने आरोप लगाया कि अग्रवाल ने भूखंड बेचने के नाम पर संभावित निवेशकों और कंपनियों से पैसे इकट्ठा किए, लेकिन या तो जमीन हस्तांतरित नहीं की या जाली दस्तावेजों के जरिए एक ही भूखंड को कई लोगों को बेचा गया।

उपराष्ट्रपति चुनाव के पहले संविधान सदन में विपक्षी सांसद कल दिन में करेंगे मॉक वोटिंग

एजेंसी। नई दिल्ली

विपक्षी सांसदों को मंगलवार (9 सितंबर, 2025) को होने वाले उपराष्ट्रपति चुनाव की मतदान प्रक्रिया के बारे में सोमवार (8 सितंबर, 2025) को जानकारी दी जाएगी. इंडिया गठबंधन के सूत्रों ने कहा कि उपराष्ट्रपति चुनाव की मतदान प्रक्रिया के बारे में जानकारी दिए जाने के बाद सोमवार (8 सितंबर) को दोपहर करीब 2:30 बजे संविधान सदन (पुराना संसद भवन) के सेंट्रल हॉल में मॉक मतदान कराया जाएगा. मंगलवार (9 सितंबर) को होने वाले उपराष्ट्रपति चुनाव में सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के उम्मीदवार सी. पी. राधाकृष्णन और विपक्ष के संयुक्त उम्मीदवार बी. सुदर्शन रेड्डी के बीच सीधा मुकाबला है. इस बार दोनों उम्मीदवार दक्षिण भारत से हैं. राधाकृष्णन तमिलनाडु से जबकि रेड्डी तेलंगाना से हैं. उपराष्ट्रपति चुनाव को विपक्ष ने वैचारिक लड़ाई बताया है, जबकि संख्याबल सत्तारूढ़ एनडीए के पक्ष में है. उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए निर्वाचन अधिकारी राज्यसभा महासचिव पी. सी. मोदी ने कहा है कि मतदान मंगलवार (9 सितंबर) को संसद भवन के कमरा संख्या एफ-101, वसुधा में होगा।

एयर इंडिया का बड़ा ऐलान

सेवा में खामी होने पर यात्रियों को मिलेगा 'ई-वाउचर'

एजेंसी। नई दिल्ली

हाल ही में हुई एयर इंडिया के कुछ विमानों से जुड़ी घटनाओं के बीच एयरलाइन के प्रमुख कैंपबेल विल्सन ने कहा है कि एयर इंडिया समूह के बड़े आकार को देखते हुए ऐसी घटनाओं का होना पूरी तरह से सामान्य है. विमानन कंपनी अपनी केबिन क्रू को उड़ानों के दौरान सेवा में कमी की भरपाई के लिए यात्रियों को 'ई-वाउचर' देने की योजना बना रही है. यह योजना यात्रियों की ओर से सेवा संबंधी समस्याओं और कुछ विमानों में तकनीकी खराबी के कारण उड़ानों के रद्द होने और देरी की शिकायत की पृष्ठभूमि में बनाई गई है. विल्सन ने कहा कि सभी एयरलाइन कंपनियों की तरह, इसे भी विभिन्न प्रकार की परिचालन स्थितियों का सामना करना पड़ता है, जिनमें से कुछ इसके नियंत्रण में हैं और कुछ नहीं है. उन्होंने पांच सितंबर को कर्मचारियों को एक संदेश में कहा, जब हम पर ध्यान केंद्रित होता है तो समय पर स्पष्ट और सटीक जानकारी और सही संदर्भ प्रदान करना महत्वपूर्ण है. इसलिए, हाल के हफ्तों में हम घटनाओं और घटनाओं की रिपोर्ट करने में सामान्य से भी अधिक पारदर्शी रहे हैं, चाहे वे कितनी भी छोटी क्यों न हों. उनके अनुसार, यह पारदर्शिता समय के साथ, विश्वास बनाने में मदद करेगी. उन्होंने कहा, शुरूआत में जब हम हर छोटी-बड़ी घटना की जानकारी खुले तौर पर देते हैं तो जाहिर है कि खबरों में हमारा जिक्र बढ़ जाता है. एयर इंडिया समूह हर दिन 1,200 से ज्यादा उड़ानें संचालित करता है, लगभग हर मिनट एक उड़ान. ऐसे में यह सब कुछ ज्यादा लग सकता है, लेकिन हमारे काम के पैमाने और आकार को देखते हुए ये घटनाएं सामान्य हैं।

शिक्षक दिवस पर हुआ आयोजन, बच्चों के चेहरे खिले

गरीब बच्चों के बीच बंटी कॉपी-कलम, दिव्यांग विष्णु ने दिया समाज को बड़ा संदेश

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव नगर परिषद क्षेत्र के वार्ड नंबर 16 के महरौरा गांव में रविवार का दिन बच्चों के लिए खास बन गया। यहां बच्चों को शिक्षा सामग्री के रूप में कॉपी और कलम बांटी गई। यह आयोजन एपीडब्ल्यूडी संघ के प्रखंड अध्यक्ष एवं समाजसेवी विष्णु कुमार, आईबीएस कंप्यूटर क्लासेस (सफाखाना रोड) के डायरेक्टर विनीत कुमार तथा उनके बड़े भाई रिंकू के सौजन्य से किया गया।

कार्यक्रम दरअसल हर साल शिक्षक दिवस के अवसर पर होता है, लेकिन इस बार विशेष कारणों से रविवार को आयोजित किया गया। जब छोटे-छोटे बच्चों ने नई कॉपी और कलम अपने हाथों में ली तो उनके चेहरे खिल उठे। बच्चों के उत्साह को देखकर वहां मौजूद लोग भी गदगद हो उठे। सबसे खास पहलू यह रहा कि इस कार्यक्रम की अगुवाई दिव्यांग विष्णु कुमार ने की। वे खुद शारीरिक चुनौती से जूझ रहे हैं, फिर भी समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने से पीछे नहीं हटते। गरीब परिवारों के बच्चों के बीच शिक्षा सामग्री वितरित कर उन्होंने न केवल अपनी संवेदनशीलता का परिचय दिया, बल्कि यह संदेश भी दिया कि दिव्यांगता अभिशाप नहीं, बल्कि संकल्प को मजबूत करने का माध्यम है।विष्णु कुमार ने इस मौके पर कहा कि ‘शिक्षा ही बच्चों का असली हथियार है। आज यदि उन्हें संसाधन नहीं मिले तो उनका भविष्य प्रभावित होगा। हमारा छोटा सा प्रयास उनके सपनों को पंख दे सकता है।’

लोगों का कहना था कि विष्णु कुमार का यह प्रयास समाज के लिए प्रेरणा है। दिव्यांग होते हुए भी उन्होंने जिस तरह गरीब बच्चों के चेहरे पर मुस्कान बिखेरी, वह मिसाल है। कार्यक्रम में मौजूद बच्चों और अभिभावकों ने भी आयोजकों के इस योगदान को सराहा और आभार व्यक्त किया। शिक्षा सामग्री पाकर बच्चों ने वादा किया कि वे मन लगाकर पढ़ाई करेंगे और अपने सपनों को पूरा करेंगे। वहीं, समाजसेवियों का मानना है कि इस तरह के छोटे-छोटे प्रयास ही समाज को बेहतर दिशा दे सकते हैं। इस कार्यक्रम ने यह साबित कर दिया कि शिक्षक दिवस केवल गुरुओं का सम्मान भर नहीं है, बल्कि यह बच्चों के भविष्य को संवारने का भी अवसर है। महरौरा गांव के इस आयोजन ने एक बार फिर यह संदेश दिया कि जब समाज के लोग आगे बढ़कर जिम्मेदारी उठाते हैं, तो बदलाव अपने आप दिखने लगता है।

12 साल से अधूरी पड़ी मांग, सरकारी मशीनरी की बेरुखी से ग्रामीणों में गहरा आक्रोश

सड़क से वंचित हरनाथपुर के लोग बोले, अबकी बार वोट नहीं...

केटी न्यूज/ब्रह्मपुर

बक्सर जिले के ब्रह्मपुर अंचल के ग्राम हरनाथपुर, वार्ड संख्या 03 (अनुसूचित जाति टोला) के ग्रामीण आज भी मूलभूत सुविधा से वंचित हैं। ‘अधूरा करनामेपुर लिंक पथ’ से गांव को जोड़ने की मांग वर्ष 2012 से लगातार की जा रही है, मगर बिहार सरकार और जिले के आला अफसरों की बेरुखी ने इसे अब तक ठंडे बस्ते में डाल रखा है। नतीजा यह है कि ग्रामीणों का सब्र अब जवाब देने लगा है और वे आगामी चुनाव में वोट बहिष्कार करने की तैयारी में जुट गए हैं।

गांव को जोड़ने के लिए रैयती भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया बिहार सरकार की ‘लिज नीति 2014’ के तहत पूरी होनी थी। इसको लेकर जिला भू-अर्जन पदाधिकारी, बक्सर ने ज्ञापांक 94 दिनांक 27 जनवरी 2024 से लेकर ज्ञापांक 206 दिनांक 01 फरवरी 2025 तक अलग-अलग पत्राचार किया। मगर नतीजा हर बार शून्य ही रहा। न तो भूमि अधिग्रहण की ठोस कार्यवाही हुई और न ही ग्रामीणों को यह भरोसा दिलाया गया कि जल्द सड़क बनेगी।

ग्रामीण बताते हैं कि एक वर्ष से अधिक समय बीत जाने पर भी अधिकारी सिर्फ कागजी खानापूर्ति में लगे हैं। तत्कालीन अपर समाहर्ता, बक्सर ने भी 19 अप्रैल 2024 को अपने पत्र (ज्ञापांक 03-0934) में मामले को संज्ञान में लिया था, लेकिन स्थानीय अंचलाधिकारी, ब्रह्मपुर के ‘अलग मन्तव्य’ के चलते अब तक प्रक्रिया अटक कर रह गई है।

समाज के सबसे पिछड़े तबके के साथ भेदभाव

गांव का वार्ड नंबर 03 अनुसूचित जाति टोला है। ग्रामीणों का आरोप है कि शायद इसी कारण उनकी मांगों को नजरअंदाज किया जा रहा है। उनका कहना है कि सरकार जब-तब विकास और सबको न्याय की बातें करती है, लेकिन यहां के लोगों को तो ऐसा लगता है मानो वे इस राज्य के नागरिक ही नहीं हैं। ग्रामीण रामलाल पासवान ने नाराजगी जताते हुए कहा कि 12 साल से हम लोग सिर्फ कागजों पर घुमाए जा रहे हैं। बच्चे बारिश में कीचड़ से होकर स्कूल जाते हैं, बीमार को अस्पताल ले जाना किसी जंग से कम नहीं। सरकार हमारी पीड़ा क्यों नहीं सुन रही।

ग्रामीणों ने बजाया वोट बहिष्कार का बिगुल

लगातार उपेक्षा से आहत ग्रामीण अब संगठित होकर बैठकों का दौर चला रहे हैं। तय किया गया है कि अगर सड़क निर्माण की प्रक्रिया जल्द शुरू नहीं हुई तो पूरा टोला आगामी चुनाव में मतदान से दूरी बना लेगा। यह कदम केवल असंतोष का नहीं, बल्कि प्रशासन की संवेदनहीनता के खिलाफ खुली चुनौती माना जा रहा है।

आखिर किसकी है जिम्मेदारी

ग्रामीणों का कहना है कि सड़क निर्माण में हो रही देरी की पूरी जिम्मेदारी राज्य सरकार और संबंधित विभागों की है। यदि समय रहते ठोस कदम नहीं उठाए गए तो स्थिति और विस्फोटक हो सकती है। गांव के लोग अब आंदोलन की राह पर हैं। उनका कहना है कि वे सड़क की मांग को लेकर बार-बार लिखित आवेदन, ज्ञापन और धरना तक कर चुके हैं। मगर जब समाधान नहीं निकला तो वोट बहिष्कार ही उनका अंतिम हथियार बन गया है। सरकारी तंत्र की संवेदनहीनता के चलते यह मुद्दा अब केवल सड़क निर्माण का नहीं, बल्कि सम्मान और अधिकार की लड़ाई बन चुका है। सवाल यह है कि क्या सरकार अंतिम पायदान पर खड़े इन नागरिकों की आवाज सुनेगी, या फिर चुनावी बहिष्कार की चेतावनी को हल्के में लेगी।

बाली गांव से चोरी की तीन बाइक बरामद, जांच में जुटी पुलिस

- तीन नाबालिग चोर पकड़ाए, अन्य की तलाश में हो रही है छापेमारी

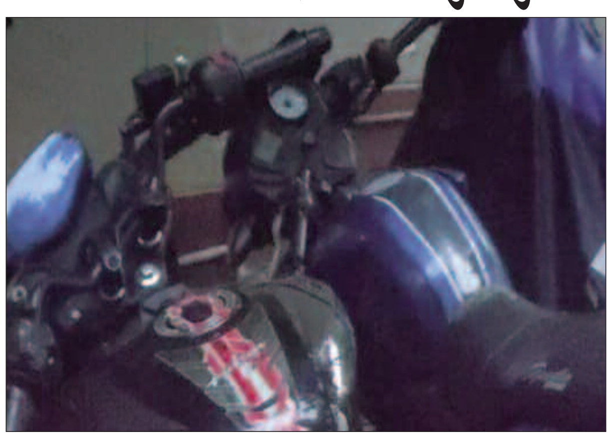

केटी न्यूज/नावानगर

सोनवर्षा थाना पुलिस ने शनिवार को बड़ी सफलता हासिल करते हुए बाली गांव से चोरी की तीन बाइक बरामद की है। पुलिस ने इस दौरान तीन चोरों को भी पकड़ा है। संभवतः तीनों चोर नाबालिग है। थानाध्यक्ष नवीन कुमार ने बताया कि पकड़े गए चोरों की निशानदेही पर अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि बाली गांव में चोरी की बाइक छुपाकर रखी गई है। इसके आधार पर की गई कार्रवाई में पुलिस ने तीनों बाइक को बरामद कर लिया। जांच के बाद यह स्पष्ट हुआ कि दो बाइक भोजपुर जिले के उदवंतनगर थाना क्षेत्र के बेहरा गांव से चोरी की गई थी, जबकि एक बाइक की दावथ थाना के मलियाबाग से चोरी हुई है। इधर बाइक बरामदगी की सूचना मिलने पर पीड़ित बाइक मालिक सोनवर्षा थाना पहुंचे और अपनी-अपनी बाइक की पहचान की। बेहरा गांव निवासी टुनटुन कुमार ने बताया कि करीब एक सप्ताह पूर्व शाम के समय अपनी बाइक दरवाजे पर खड़ी कर घर के अंदर आराम करने चले गए थे। सुबह उठने पर देखा कि दरवाजे पर खड़ी दोनों बाइक गायब हैं। घटना के बाद उन्होंने अपने स्तर से खोजबीन की और नजदीकी थाना को इसकी सूचना भी दी थी।

उत्कृष्ट शिक्षा सेवा के लिए बक्सर के मिथिलेश पांडेय सम्मानित

केटी न्यूज/बक्सर

शिक्षक दिवस पर अरुणाचल प्रदेश सरकार ने जिले के इटाढ़ी प्रखंड के मुरारपुर गांव निवासी मिथिलेश कुमार पांडेय (सुमन जी) को ‘स्टेट टीचर अवॉर्ड’ से सम्मानित किया। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल के.टी. परनायक ने उन्हें यह सम्मान प्रदान कर शिक्षा के क्षेत्र में उनके लंबे और सराहनीय योगदान को रेखांकित किया। मिथिलेश पांडे, लेफ्टिनेंट तेज नारायण पांडे के पुत्र हैं। वर्ष 1992 से वे अरुणाचल प्रदेश के शिक्षा विभाग में पीजीटी पद पर कार्यरत हैं। वर्तमान में वे नामसाई जिले के सरकारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय महादेवपुर में 2017 से अपनी सेवाएं दे रहे हैं। तीन दशक से अधिक के शिक्षण जीवन में उन्होंने कई विद्यार्थियों को नई दिशा दी और शिक्षा के प्रति समर्पण का उदाहरण प्रस्तुत किया। राज्यपाल ने कहा कि मिथिलेश पांडे जैसे शिक्षक ही समाज में शिक्षा की वास्तविक ज्योति फैलाते हैं और आने वाली पीढ़ी को मजबूत नींव प्रदान करते हैं। सम्मान मिलने पर पांडे ने इसे पूरे बिहार, खासकर बक्सर जिले का सम्मान बताया। इस उपलब्धि से बक्सर का गौरव और भी बढ़ गया है। स्थानीय लोग व शिक्षा से जुड़े लोग इसे जिले के लिए प्रेरणादायी क्षण मान रहे हैं।

बक्सर में नहर से अज्ञात युवक का शव बरामद, इलाके में दहशत

केटी न्यूज/बक्सर

बक्सर शहर के शांति नगर स्थित चीनी मिल पुल के नीचे रविवार की सुबह उस समय सनसनी फैल गई, जब स्थानीय लोगों ने नहर में एक युवक का शव तैरते हुए देखा। सुबह टहलने निकले कुछ लोगों ने शव की झलक पाते ही हड़कंप मचा दिया और तुरंत इसकी सूचना नगर थाना पुलिस को दी।

खबर मिलते ही आसपास के लोग बड़ी संख्या में घटनास्थल पर जुट गए। शव को देखते ही लोगों ने उसकी पहचान करने का प्रयास किया, लेकिन कोई सफलता नहीं मिल सकी। कुछ देर बाद नगर थानाध्यक्ष मनोज सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और शव को पानी से बाहर निकलवाया। पुलिस ने घटनास्थल की बारीकी से जांच की, लेकिन मृतक के पास से ऐसी कोई वस्तु नहीं मिली जिससे पहचान संभव हो सके।

थानाध्यक्ष मनोज सिंह ने बताया कि युवक की शिनाख्त अभी तक नहीं हो पाई है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों का सही-सही पता चल सकेगा। उन्होंने कहा कि यह मामला दुर्घटना है या फिर किसी तरह की साजिश, इसका खुलासा जांच के बाद ही होगा।

पुलिस ने आसपास के थानों को भी सूचना भेज दी है, ताकि लापता लोगों की गुमशुदगी की तहरीरों से मिलान कर मृतक की पहचान की जा सके। इसके अलावा नगर थाना ने स्थानीय लोगों से अपील की है कि किसी भी तरह की अफवाह फैलाने से बचें और यदि युवक की पहचान से जुड़ी कोई जानकारी हो तो तुरंत पुलिस को दें।

शव मिलने की घटना से पूरे इलाके में दहशत का माहौल है। सुबह का शांत वातावरण अचानक गहमागहमी में बदल गया। घटना के बाद लोगों में तरह-तरह की चर्चाएं शुरू हो गई हैं। कोई इसे हत्या से जोड़ रहा है, तो कोई हादसा बता रहा है। हालांकि पुलिस अधिकारियों का कहना है कि बिना साक्ष्य और रिपोर्ट के किसी भी निष्कर्ष पर पहुंचना जल्दबाजी होगी। नगर थाना पुलिस फिलहाल इस घटना को गंभीरता से लेकर जांच में जुटी है। मृतक की पहचान सुनिश्चित करने और मौत के कारणों का पता लगाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। पुलिस का कहना है कि बहुत जल्द इस मामले का खुलासा किया जाएगा।

एक नजर

उचक्के ने आठ वर्षीय मासूम का लाकेट नोच ज्वेलर्स को बेचा, पुलिस ने चंद घंटो में दोनों को पकड़ा

डुमरांव। डुमरांव पुलिस की तत्परता से एक मासूम से सोने का लाकेट छिनने वाले उचक्का तथा चोरी का माल खपाने वाला ज्वलेर्स पकड़े गए है। पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार करने के साथ ही मासूम से छिना गया सोने का लाकेट भी बरामद कर लिया है। मिली जानकारी के अनुसार शनिवार को लंगटू महादेव मंदिर के पास की गली में संजय प्रसाद का आठ वर्षीय पुत्र गली में खेल रहा था, उसके गले में सोने का एक लाकेट भी था। इसी दौरान राज हाई स्कूल के समीप के दलित बस्ती का रहने वाला उचक्का अर्जुन डोम उक्त मासूम के गले से सोने का लाकेट छिन भाग निकला। इधर मासूम रोते-विलखते अपने घर गया तथा स्वजनों को बताया कि एक आदमी उसका लाकेट छिन भाग गया है। जिसके बाद उनलोगों ने आस पास के सीसीटीवी कैमरे को खंगाला, जिसमें उसकी हरकते कैद हो गई थी, जिसके बाद घरवालों ने इसकी जानकारी डुमरांव थाने को दी। डुमरांव पुलिस सीसीटीवी फुटेज देखते ही उचक्के को पहचान गई तथा उसे पकड़ जब पूछताछ की गई तो उसने बताया कि उक्त लाकेट एक ज्वेलर्स रमेशव वर्मा को बेच दिया है। जिसके बाद पुलिस टीम उचक्के के साथ ज्वेलर्स के दुकान पर गई तथा छापेमारी की, इस दौरान उसके दुकान से लाकेट बरामद हो गया। जिसके बाद पुलिस ने उसे भी गिरफ्तार कर लिया। डुमरांव पुलिस की तत्परता से न सिर्फ एक उचक्का बल्कि चोरी का माल खरीद चोर-उचक्कों को बढ़ावा देने वाले ज्वेलर्स को भी जेल की हवा खानी पड़ रही है। गौरतलब हो कि कुछ महीने पूर्व भी चोरी का माल खपाने के आरोप में बक्सर व डुमरांव के कुल तीन ज्वेलर्स पकड़े गए थे। डुमरांव थानाध्यक्ष संजय कुमार सिन्हा ने इसकी पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि आवश्यक पूछताछ के बाद दोनों को जेल भेज दिया गया है।

भारी मात्रा में हेरोईन के साथ डुमरांव पुलिस के हाथ लगा कुख्यात तस्कर, निशानदेही पर हो रही छापेमारी

डुमरांव। डुमरांव पुलिस के हाथ एक बड़ी सफलता लगी है। पुलिस ने लाखों रूपए मूल्य की हेरोइन के साथ एक कुख्यात तस्कर को पकड़ लिया है। पुलिस को यह सफलता गुप्त सूचना के आधार पर लगी है। पुलिस सूत्रों का कहना है कि उसके निशानदेही पर तस्करी के एक बड़े रैकेट का खुलासा हो सकता है तथा कई अन्य तस्कर व सफेदपोश जद में आ सकते है। सूत्रों का कहना है कि तस्कर से पूछताछ के आधार पर पुलिस जिले के विभिन्न जगहों पर छापेमारी कर रही है। शुरूआती छापेमारी ही पुलिस को कामयाबी भी मिली है। सूत्रों का कहना है कि पुलिस जल्दी ही पूरे नेटवर्क को पकड़ने के साथ ही प्रेस वार्ता में इसका खुलास करेगी। हालांकि, पुलिस अभी इस मामले में कुछ भी बताने से परहेज कर रही है। सूत्रों का कहना है कि पुलिस का प्रयास है कि कम समय ही सभी तस्करों को मादक पदार्थ के साथ पकड़ लिया जाए। यही कारण है कि पुलिस इस मामले में कुछ भी बताने से परहेज कर रही है। वहीं, सूत्रों का कहना है कि पुलिस ने जिस तस्कर को दबोचा है वह लंबे समय से हेरोईन की तस्करी से जुड़ा है तथा मादक पदार्थों की तस्करी से अकूत संपति अर्जित किया है। वह पहले भी तस्करी मामले में जेल जा चुका है। जानकारों का कहना है कि कुछ महीना पहले उसे रेल पुलिस ने भी हेरोईन के साथ पकड़ा था। वह हाल ही में इस मामले में बेल पर बाहर आया था और बाहर आते ही फिर से अपने नेटवर्क को सक्रिय कर लिया था, लेकिन इसी दौरान पुलिस को इसकी भनक लग गई तथा पुलिस ने छापेमारी कर उसे रंगेहाथ पकड़ लिया।

कुमार अर्थोपेडिक क्लिनिक
Mob : 9122226720
डॉ0 वीरेन्द्र कुमार
अर्थोपेडिक सर्जन
M.B.B.S., D. Ortho PMCH
एफ. आई. एम. एस. (युके)
हड्डी, नस, गठिया रोग विशेषज्ञ
डॉ0 अरूण कुमार
M.B.B.S., D.N.B. (New Delhi)
FMAS (New Delhi), DMAS (Germany)
पेट रोग विशेषज्ञ
जेनरल एवं लेप्रोस्कोपिक सर्जन
डॉ. एस. के. अम्बष्ठा
M.B.B.S., M.D. (Gold Medalist)
Dermatologist & Cosmetologist
चर्म रोग, कुष्ट रोग, सौंदर्य एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
(Skin, VD, Laprosy & Cosmetics)
SKIN SPECIALIST
पताः– सुमित्राा महिला कॉलेज से पूरब, ढ़ेलवानी मोड़, डुमरॉव

मधुबन मैरिज हॉल
आपके सपनों का विवाह स्थल
अब आपके शहर बक्सर में विवाह, रिसेप्शन, मैरेज एनिवर्सरी, जन्मदिन और सभी शुभ अवसरों के लिए एक भव्य और सुविधाजनक उपलब्ध है स्थल
विशेषताएंः
- विशाल और सुसज्जित हॉल
- आकर्षक स्टेज डेकोरेशन
- ठहरने की उत्तम व्यवस्था (एसी/नॉन-एसी कमरे)
- बड़ा पार्किंग एरिया
- 24x7 बिजली और पानी की सुविधा
- साफ-सुथरा और हाइजीनिक किचन एरिया
- बजट के अनुसार पैकेज उपलब्ध
- हर आयोजन को बनाएं यादगार, सिर्फ मधुबन मैरिज हॉल के साथ
अखिलेश्वर पाठक
प्रोपराइटर

सारीमपुर, बक्सर
बुकिंग के लिए संपर्क करें: +91 7061608901

महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में बड़ा कदम, नगर परिषद की पहल

मुख्यमंत्री महिला स्वरोजगार कार्यक्रम का आगाज, डुमरांव से प्रचार वाहन रवाना

केटी न्यूज/डुमरांव

नगर परिषद डुमरांव में रविवार को मुख्यमंत्री महिला स्वरोजगार कार्यक्रम को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से एक विशेष प्रचार वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। नगर प्रबंधक, नगर मिशन प्रबंधक, दुर्गेश कुमार, सामुदायिक संगठक राजा व मंजर, सीआरपी और स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) की अनेक महिलाएं इस मौके पर मौजूद रहीं।

इस कार्यक्रम का मकसद महिलाओं को स्वरोजगार से जोड़ना और उन्हें आत्मनिर्भर बनाना है। प्रचार वाहन शहर और आस-पास के ग्रामीण इलाकों में जाकर इस योजना की जानकारी देगा। वाहन के जरिए न केवल योजना के लाभों को बताया जाएगा बल्कि आवेदन और प्रक्रिया की बारीकियों को भी सरल भाषा में समझाया जाएगा, ताकि अधिक से अधिक महिलाएं इस योजना का लाभ उठा सकें। कार्यक्रम के दौरान नगर मिशन प्रबंधक दुर्गेश कुमार ने कहा कि मुख्यमंत्री महिला स्वरोजगार कार्यक्रम राज्य सरकार की एक महत्वाकांक्षी योजना है। इसका लक्ष्य महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाना है, ताकि वे स्वयं का रोजगार स्थापित कर सकें और परिवार की आर्थिक स्थिति को मजबूत बना सकें। उन्होंने यह भी कहा कि प्रचार वाहन इस दिशा में एक अहम भूमिका निभाएगा। मौके पर मौजूद सामुदायिक संगठक राजा और मंजर ने महिलाओं को संबोधित करते हुए कहा कि यह योजना महिलाओं के लिए एक सुनहरा अवसर है। यदि महिलाएं संगठित होकर योजनाओं का लाभ उठाती हैं तो न केवल वे स्वयं सशक्त होंगी बल्कि समाज में भी सकारात्मक बदलाव लाएंगी।एसएचजी की महिलाओं ने भी उत्साहपूर्वक कार्यक्रम में भाग लिया और योजना की जानकारी को आगे फैलाने का संकल्प लिया। उन्होंने कहा कि इस तरह की योजनाएं महिलाओं के जीवन में नई ऊर्जा और आत्मविश्वास भरती हैं।

नगर परिषद का मानना है कि प्रचार वाहन की शुरूआत से डुमरांव ही नहीं बल्कि आसपास के गांवों की महिलाएं भी लाभान्वित होंगी। उम्मीद जताई जा रही है कि अधिक से अधिक महिलाएं इस योजना से जुड़कर स्वरोजगार की दिशा में कदम बढ़ाएंगी। कार्यक्रम का समापन नारों और तालियों की गड़गड़ाहट के बीच हुआ, जिसने वहां उपस्थित हर व्यक्ति को यह संदेश दिया कि महिलाओं के बिना विकास की परिकल्पना अधूरी है।

मानकों को ताक पर रख किया गया है घटिया बेंच-डेस्क की आपूर्ति, जांच अधूरी, विभाग मौन

कहीं, बेंच-डेस्क घोटाले की जांच पर मंडरा तो नहीं रहा दबंगों का साया

केटी न्यूज/बक्सर

जिले के सरकारी विद्यालयों में बच्चों के लिए खरीदे गए बेंच-डेस्क की कहानी किसी घोटाले से कम नहीं। करोड़ों के इस काम में न सिर्फ मानकों को दरकिनार कर घटिया सामान थमाया गया, बल्कि जांच शुरू होते ही बेंच-डेस्क टूटने लगे। विभागीय अधिकारी सबकुछ जानते हुए भी खामोश हैं और स्कूल प्रबंधन बेबस बना हुआ है। सवाल उठता है कि आखिर क्यों शिक्षा विभाग के जिम्मेदार अधिकारी मौन साधे बैठे हैं।

बता दें कि वित्तीय वर्ष 2023-24 व 24-25 में आउटसोर्सिंग से जिले के विद्यालयों में बेंच-डेस्क की आपूर्ति की गई थी। तय मानक के अनुसार शीशम या लोहे का फ्रेम और आम की लकड़ी का सीट लगाया जाना था, लेकिन संवेदकों ने इसे ताक पर रख दिया। नतीजा यह हुआ कि आम की लकड़ी की जगह प्लाई लगाकर बेंच-डेस्क सप्लाई कर दिए गए। फ्रेम में भी लोहा या शीशम की जगह घटिया लकड़ी या दोयम दर्जे के लोहे का इस्तेमाल हुआ, जिससे महीनों में ही बेंच-डेस्क टूटने लगे।

बेबस है स्कूल प्रबंधन

विद्यालयों में बैठे बच्चे हर दिन इन बेंच-डेस्क की खराब क्वालिटी का खामियाजा भुगत रहे हैं। स्कूल प्रबंधन की स्थिति यह है कि वह विभागीय अधिकारियों से कोई गुहार भी नहीं लगा पा रहा। अधिकारियों के मौन से यह साफ है कि किसी दबाव या मैनेजमेंट के खेल ने पूरे मामले को दबा रखा है।

ईटाढ़ी प्रखंड में गड़बड़ी की हो चुकी है पुष्टि

इटाढ़ी प्रखंड के विद्यालयों में आलम ब्रदर्स और ब्राइट इंडिया नामक कार्य एजेंसियों ने घटिया बेंच-डेस्क सप्लाई किए। इस अनियमितता का पदार्फाश जिले के चर्चित आरटीआई कार्यकर्ता शिव प्रकाश राय ने किया। उन्होंने जिला लोक शिकायत में परिवाद दायर कर दोनों एजेंसियों पर मानकों के विपरीत आपूर्ति का आरोप लगाया। मामला अब राज्य लोक शिकायत के पास है, लेकिन गुणवत्ता की जांच अब तक नहीं हुई। दूसरी तरफ शिक्षा विभाग ने भी इसकी जांच करवाई थी, जिसमें घटिया बेंच-डेस्क आपूर्ति की पुष्टि हुई थी। जिसके बाद तत्कालीन प्रभारी जिला शिक्षा पदाधिकारी मो. शारिक अशरफ के निर्देश पर इटाढ़ी थाने में दोनों कार्य एजेंसियों के खिलाफ तत्कालीन इटाढ़ी बीईओ ने एफआईआर दर्ज कराया। जो इस बात के प्रमाण है कि बेंच-डेस्क की आपूर्ति में मानकों को दरकिनार कर बड़े पैमाने पर लूट-खसोट किया गया है। यहां सवाल उठता है कि जब दोष तय हो चुका है तो फिर विभागीय कार्रवाई क्यों नहीं की जा रही है, अधिकारी किस दबंग या रसूखदार के दबाव में बैठे हैं, यह अब भी रहस्य बना हुआ है।

कार्य एजेंसी चयन में भी हुआ भेदभाव

सूत्र बताते हैं कि एजेंसियों के चयन में भी भारी अनियमितता की गई। चहेती एजेंसियों को ही आपूर्ति का जिम्मा दिया गया। सदर प्रखंड के 27 विद्यालयों में साई इंटरप्राइजेज ने बेंच-डेस्क सप्लाई किए। यही एजेंसी कई प्रखंडों में बोरिंग लगाने का काम भी कर रही है। एक ही एजेंसी को कई बड़े काम सौंपे जाने पर विभाग की नीयत पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

सवालों के घेरे में शिक्षा विभाग

पूरा मामला राज्य लोक शिकायत में पहुंच चुका है, मगर उच्चाधिकारी अब तक गुणवत्ता जांच कराने से बच रहे हैं। विभागीय सूत्रों का कहना है कि कथित दबंगों के दबाव में ही जांच को ठंडे बस्ते में डाला जा रहा है। यह स्थिति न सिर्फ शिक्षा व्यवस्था पर कलंक है बल्कि बच्चों के भविष्य के साथ भी खिलवाड़ है।

आरटीआई कार्यकर्ता की चुनौती

शिव प्रकाश राय का कहना है कि मामला सिर्फ इटाढ़ी के दो विद्यालयों तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरे जिले में बेंच-डेस्क और बोरिंग लगाने की योजनाओं में भारी अनियमितता हुई है। उनका दावा है कि वे इस लड़ाई को अंजाम तक ले जाएंगे, चाहे कितनी भी ताकतें आड़े क्यों न आएं।

आखिर क्यों मौन साधे हैं अधिकारी

सवाल यह है कि जब बेंच-डेस्क टूट रहे हैं, मानक तोड़े गए हैं, दोषी एजेंसियों पर केस दर्ज है तो शिक्षा विभाग के अधिकारी अब तक चुप क्यों हैं। क्या विभाग दबंगों के दबाव में है या फिर खुद इस खेल का हिस्सा। बच्चों की शिक्षा और भविष्य के नाम पर हुआ यह खेल जिले की साख पर काला धब्बा है।बेंच-डेस्क घोटाले की जांच में आ रही आंच को दबंगों के दबाव और विभागीय अधिकारियों की चुप्पी ने ठंडा कर दिया है, लेकिन सवाल अब भी वहीं खड़ा है, आखिर कब होगी निष्पक्ष जांच और कौन दिलाएगा बच्चों को उनका हक।

एक नजर

रोड बनाने को लेकर विवाद हुआ खड़ा, लोगों ने काम को रोका

डुमरांव। नया थाना मोड़ से बने पुराना थाना रोड जो भगवती मंदिर, लाला टोली रोट, चारमोटियां ईनार से होकर शक्तिद्वार तक जाता है, तीस वर्ष पहले बनाया गया था। यह रोड इतना मजबूत बना था कि आज की तारीख में भी बहुत जगहों पर सही सलामत है। बनाने के लिये जब संवेदक द्वारा पहले के बने रोड को उखाड़कर बनाने का काम रविवार को शुरू किया गया तो मोहल्लेवासियों ने उसे रोक दिया। लाख समझाने के बाद भी उन्होंने काम शुरू नहीं करने दिया, इनका कहना है कि पहले का बना रोड काफी मजबूत है, लिहाजा जहां खराब है, वहां पर तोड़कर बनाया जाए और जहां सही है, वहां पर उपर से ढलाई कर दिया जाए, जिससे मजबूती बनी रहे। नगरवासियों का यह भी कहना है कि काम गुणवत्तापूर्ण होनी चाहिए नहीं तो रोक दिया जाएगा। मालूम हो कि इस रोड को बनाने के लिये पहले 55 लाख की राशि स्वीकृत की गई थी, जो बाद में बढ़ाकर एक करोड़ इक्कतीस लाख कर दिया गया है, जिसक शहरी विकास मंत्री ने प्रेसवार्ता के दौरान इसका खुलासा किया था। मालूम हो कि शहर में तीन रोड ऐसे हैं, जिसका शहर के विकास में काफी महत्व रखता है। पहला है स्टेशन रोड और दूसरा है, चौक रोड जो गोला रोड होते हुए निकलता है और तीसरा है, नया थाना मोड़ से निकल पुराना थाना रोड होते हुए भगवती मंदिर रोड, लाला टोली रोड, चारमोटिया इनार होते हुए शक्तिद्वार तक जाता है। इसी शक्तिद्वार को बनाने का काम उखाड़ कर रविवार से शुरू किया गया। जैसे ही काम शुरू हुआ लोगों ने काम को रोक दिया। लोगों का कहना है कि यह रोड बहुत अच्छा बना हुआ है, जो तीस साल तक सही है। नप के द्वारा नाली निर्माण और पेयजल का पाइप बिछाने और घरेलू कनेक्शन लेने के दौरान कई जगहों पर तोड़ दिया गया है। लोगों की मांग है कि सड़क को उखाड़ा नहीं जाए, उसी के उपर ढलाई कर दिया जाए, जिससे मजबूती और बढ़ जाए। लोगों को यह डर बना हुआ है कि तोड़कर बनाए जाने में गुणत्ता का ख्याल नहीं रखा गया तो कभी भी यह जर्जर हो सकता है। बने सड़क के उपर ही यदि ढलाई कर दिया जाता है तो मजबूती बरकरार रहेगी। इधर संवेदक का कहना है कि मोहल्लेवासी यदि लिखकर देंगे तभी रोड को उखाड़ा नहीं जाएगा, नहीं तो उखाड़कर ही बनाया जाएगा। आगे क्या होता है, सबकी नजर इस पर लगी हुई है।

विष्णू मंदिर से पेट्रोल पंप तक जलजमाव होने से लोगों के पैदल चलने का रास्ता नहीं

डुमरांव। नगर की मुख्य एंव संपर्क सड़कों स्थिति काफी दयनीय हो चुकी है। स्टेशन रोड एनएच-120 का सड़क होने के कारण इसको बनाने का काम शुरू कर दिया गया है। वहीं इसी सड़क से जुड़ा रेलवे स्टेशन जाने वाली रोड विष्णू मंदिर से पेट्रोल पंप तक काफी खराब हो चुकी है। इस सड़क पर गड्ढे तो उभर आए ही हैं, जलजमाव से उसका पता ही नहीं चल रहा है। ऐसे में प्रतिदिन कोई न कोई वाहन पलट जाता है, उस पर बैठे लोग घर जाने के बजाय अस्पताल पहुंच जाते हैं। विष्णू मंदिर से पानी निकलने का कोई नाला नहीं है, जिससे जलजमाव से परेशानी काफी बढ़ जाती है। पैदल चलने वाले जूता-चप्पल खोलकर सड़क को पार करने में मजबूर हो जाते हैं। इस संबंध में नगर परिषद भी अपना हाथ खड़ा कर देता है। अब नगरवासियों के समक्ष समस्या यह खड़ी हो जाती है कि इस जर्जर सड़क को कौन बनाएगा की जलजमाव से लोगों को छूटकारा मिल सके। इतना ही नहीं सिलकूटवा बस्ती के में रह हरे लोगों के घरों में पानी प्रवेश कर जाता है, जिससे रात उन्हें जगकर गुजारनी पड़ती है। स्टेशन जाने का मुख्य सड़क होने के कारण अधिकारियों से लेकर जन प्रतनिधियों तक को इस रोड को बनाने में दिलचस्पी रखनी होगी, जिससे सभी परेशानियों से बच जाए।

धूमधाम से संपन्न हुई अंजान ब्रह्म बाबा की वार्षिक पूजा

केटी न्यूज/डुमरांव

स्थानीय शहर के मुख्य सड़क स्टेशन रोड स्थित श्री अंजान ब्रह्म बाबा का वार्षिक पूजनोत्सव रविवार को धूमधाम से संपन्न हुआ। मंत्रोच्चार तथा ब्रह्म बाबा के जयकारे के साथ वार्षिक पूजनोत्सव सह मेला का भव्य रूप से आयोजन किया गया। भाद्रपद माह के पूर्णिमा के दिन बाबा का वार्षिक पूजन दशकों से किया जाता है। बाबा का मंदिर लोक आस्था एवं धार्मिक केंद्र के रूप में अपना एक विशेष महत्व रखता हैं। पूजनोत्सव के दिन सुबह से ही भक्तों का बाबा के दरबार में आने का सिलसिला प्रारंभ हुआ, जो देर रात तक चलते रहा। वार्षिक पूजनोत्सव के साथ ही आयोजक मंडल द्वारा

प्रसाद का भी वितरण किया गया। जिसमें हजारों श्रद्धालुओं ने शामिल हो प्रसाद ग्रहण किया। वार्षिक मेले का बच्चों व महिलाओं ने जमकर लुफ्त उठाया। मंदिर समिति के पुजारी सुदर्शन पाठक व आयोजन समिति के अमरीश पाठक, गोकुल पाठक, सुनील शर्मा, हर्षित पाठक, विनोद शर्मा आदि ने इस आशय की जानकारी देते हुए कहा कि बाबा के धाम पर वर्षों पूर्व स्थानीय लोगों के द्वारा मंदिर का निर्माण कराया गया था। अंजान ब्रम्ह बाबा में सिर्फ डुमरांव में ही नही बल्कि यूपी-बिहार कई गावों में पूरे क्षेत्र की जनता का श्रद्धा एवं विश्वास है। यहां जो भी आते हैं उनकी मनोकामना बाबा के महिमा से पूर्ण होता है। आयोजकों ने बताया कि किसी भी परेशानी से पीड़ित व्यक्ति एक बार श्री अंजान ब्रह्म बाबा के मंदिर में उनकी शरण में आ जाता है और उनके दर पर श्रद्धा एवं विश्वास के साथ अपना माथा टेकता है तो उसका कष्ट धीरे-धीरे समाप्त हो जाता है।

उत्कृष्ट शिक्षा सेवा के लिए बक्सर के मिथिलेश पांडेय सम्मानित

केटी न्यूज/बक्सर

शिक्षक दिवस पर अरुणाचल प्रदेश सरकार ने जिले के इटाढ़ी प्रखंड के मुरारपुर गांव निवासी मिथिलेश कुमार पांडेय (सुमन जी) को ह्लस्टेट टीचर अवॉर्डह्व से सम्मानित किया। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल के.टी. परनायक ने उन्हें यह सम्मान प्रदान कर शिक्षा के क्षेत्र में उनके लंबे और सराहनीय योगदान को रेखांकित किया। मिथिलेश पांडे, लेफ्टिनेंट तेज नारायण पांडे के पुत्र हैं। वर्ष 1992 से वे अरुणाचल प्रदेश के शिक्षा विभाग में पीजीटी पद पर कार्यरत हैं। वर्तमान में वे नामसाई जिले के सरकारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय महादेवपुर में 2017 से अपनी सेवाएं दे रहे हैं। तीन दशक से अधिक के शिक्षण जीवन में उन्होंने कई विद्यार्थियों को नई दिशा दी और शिक्षा के प्रति समर्पण का उदाहरण प्रस्तुत किया। राज्यपाल ने कहा कि मिथिलेश पांडे जैसे शिक्षक ही समाज में शिक्षा की वास्तविक ज्योति फैलाते हैं और आने वाली पीढ़ी को मजबूत नींव प्रदान करते हैं। सम्मान मिलने पर पांडे ने इसे पूरे बिहार, खासकर बक्सर जिले का सम्मान बताया। इस उपलब्धि से बक्सर का गौरव और भी बढ़ गया है। स्थानीय लोग व शिक्षा से जुड़े लोग इसे जिले के लिए प्रेरणादायी क्षण मान रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने किया महिला रोजगार योजना का शुभारंभ

■ 250 जागरूकता रथों को हरी झंडी, बक्सर जिले में भी चला विशेष कार्यक्रम

केटी न्यूज/बक्सर

बिहार सरकार ने महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने और उद्यमिता की दिशा में सशक्त कदम उठाया है। रविवार को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने राजधानी पटना से ह्लमुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना का शुभारंभ किया। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने राज्य भर के लिए तैयार किए गए 250 जागरूकता रथों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। योजना का मकसद हर परिवार की एक महिला को आर्थिक मजबूती और रोजगार के अवसर से जोड़ना है।

क्या है योजना की खासियत

योजना के तहत हर परिवार से एक महिला को अपनी पसंद के रोजगार की शुरूआत के लिए 10 हजार रुपये की पहली किस्त सीधे बैंक खाते में दी जाएगी। छह महीने बाद समीक्षा कर यह देखा जाएगा कि लाभार्थी महिला रोजगार चला रही है या नहीं। सफलतापूर्वक उद्यम चलाने वाली महिलाओं को आगे बढ़ाने के लिए 2 लाख रुपये तक की अतिरिक्त वित्तीय सहायता भी दी जाएगी। सरकार का मानना है कि इस योजना से न केवल महिलाओं की स्थिति बदलेगी, बल्कि ग्रामीण परिवारों को स्थायी आय का जरिया भी मिलेगा।

बक्सर में लाइव प्रसारण और दीदियों की मौजूदगी

इस ऐतिहासिक अवसर को बक्सर जिले में भी बड़े उत्साह के साथ देखा गया। जिला समाहरणालय सभागार कक्ष में विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें मुख्यमंत्री के शुभारंभ का लाइव प्रसारण दिखाया गया। कार्यक्रम में डेढ़

सौ से अधिक जीविका दीदियाँ मौजूद रहीं। कार्यक्रम के दौरान जिला पदाधिकारी डॉ. विद्यानंद सिंह, उप विकास आयुक्त आकाश चौधरी, राज्य परियोजना प्रबंधक (रढट-क्अइ) रुचि कुमारी, जिला परियोजना प्रबंधक दयानिधि चौबे समेत 200 से अधिक जीविका दीदियाँ और कर्मी शामिल हुए।

डीएम ने दिया संदेश

जिला पदाधिकारी डॉ. विद्यानंद सिंह ने महिलाओं को संबोधित करते हुए कहा कि यह योजना ग्रामीण महिलाओं के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाएगी। उन्होंने लाभार्थियों को राशि का सही उपयोग करने की नसीहत देते हुए कहा कि योजना पूरी पारदर्शिता से लागू होगी और राशि सीधे लाभार्थियों के खाते में जाएगी। उन्होंने विश्वास जताया कि महिलाएं आत्मनिर्भर बनेंगी और समाज में प्रेरणादायी उदाहरण स्थापित करेंगी।

जिले को मिले 4 महिला संवाद रथ

योजना को घर-घर पहुंचाने और महिलाओं को जागरूक करने के लिए राज्य कार्यालय से बक्सर जिले को 4 महिला संवाद जागरूकता रथ दिए गए हैं। जिला परियोजना प्रबंधक ने बताया कि महिला संवाद कार्यक्रम दो पालियों में चलेंगे। 7 सितम्बर से 26 सितम्बर तक यह कार्यक्रम जिले के 11 प्रखंडों के 160 स्थानों पर आयोजित होगा। ब्रह्मपुर, डुमरांव, सदर और राजपुर प्रखंड के 8 ग्राम संगठनों में प्रतिदिन विशेष कार्यक्रम होंगे। अलग-अलग जगहों पर आयोजित इन कार्यक्रमों में अब तक 3000 से अधिक महिलाओं की भागीदारी दर्ज की गई है।

आत्मनिर्भरता की ओर बड़ा कदम

सरकार को उम्मीद है कि यह योजना ग्रामीण महिलाओं के लिए आत्मनिर्भरता का मार्ग प्रशस्त करेगी। महिलाओं में उद्यमिता की भावना जागेगी और नए रोजगार के अवसर खुलेंगे। इसके साथ ही राज्य की अर्थव्यवस्था को भी नई मजबूती मिलेगी। वहीं जीविका दीदियों का कहना है कि यह योजना उनके जीवन में नए सपनों को पंख लगाने का काम करेगी। आर्थिक सहयोग मिलने से महिलाएं छोटे-छोटे कारोबार शुरू कर सकेंगी और अपने परिवार को संबल दे सकेंगी। मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना से न केवल महिलाओं की स्थिति बदलेगी, बल्कि समाज में भी सकारात्मक असर दिखेगा। ग्रामीण परिवारों में महिलाएं जब आत्मनिर्भर बनेंगी, तो उनका आत्मविश्वास भी बढ़ेगा। बक्सर जिले में जीविका दीदियों की बढ़ती भागीदारी इस योजना के सफल भविष्य की ओर इशारा कर रही है।

11 सूत्री मांगों को लेकर कार्यपालक सहायकों का पांचवें दिन समाहरणालय के पास धरना

केटी न्यूज/बक्सर

कार्यपालक सहायक हैं तो ही बिहार डिजिटल है, समाहरणालय के पास रविवार को गूंजते इस नारे ने सरकारी व्यवस्था की एक बड़ी सच्चाई सामने रख दी। पंचायत से लेकर सचिवालय तक योजनाओं के क्रियान्वयन में जिनकी भूमिका अनिवार्य है, वही कार्यपालक सहायक आज खुद अपनी पहचान और अधिकार के लिए सड़क पर संघर्ष कर रहे हैं। रविवार को बिहार राज्य कार्यपालक सेवा संघ के बैनर तले जिले के कार्यपालक सहायकों ने पांचवें दिन एक दिवसीय धरना-प्रदर्शन किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष दीनानाथ सिंह ने की, जबकि संचालन सचिव राजेश कुमार ने संभाला। धरना

स्थल पर सैकड़ों कार्यपालक सहायकों की मौजूदगी ने सरकार तक संदेश देने का काम किया कि अब उनकी अनदेखी बर्दाश्त नहीं होगी। धरना में उपाध्यक्ष कमलेश ठाकुर ने स्पष्ट कहा कि बिहार की डिजिटलीकरण व्यवस्था कार्यपालक सहायकों के बिना अधूरी है। वहीं रवि प्रजापति ने आंदोलन को ह्लसरकार की उपेक्षा और सहायकों की नाराजगी का प्रतीकह्व बताया। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने जल्द ठोस कदम नहीं उठाए तो आंदोलन और व्यापक होगा। मीडिया प्रभारी राकेश कुमार ने भी कड़ा स्वर अपनाते हुए कहा कि गांवों से लेकर सचिवालय तक सरकारी योजनाओं को लागू करने में कार्यपालक सहायकों का सीधा हाथ है, लेकिन इसके बावजूद उनकी मांगों को लगातार नजरअंदाज किया जा रहा है।

कार्यपालक सहायकों की मुख्य मांगें

धरना में बिहार राज्य अराजपत्रित कर्मचारी महासंघ के जिला सचिव महेंद्र पासवान विशेष अतिथि के रूप में पहुंचे। उन्होंने स्पष्ट कहा कि कार्यपालक सहायकों की लड़ाई सिर्फ सम्मान की नहीं, बल्कि सिस्टम की मजबूती की भी है। उन्होंने बताया कि सहायकों की मुख्य मांगों में सेवा संवर्ग का गठन, स्थायीकरण कर राज्यकर्मी का दर्जा देने, सातवें वेतन आयोग के तहत लेवल-4 से 6 तक वेतनमान देने तथा न्यूनतम योग्यता इंटरमीडिएट तय करना शामिल है। धरना स्थल पर महेंद्र पासवान का जोरदार स्वागत किया गया। जिलाध्यक्ष दीनानाथ सिंह, सचिव राजेश कुमार और कोषाध्यक्ष जितेंद्र पासवान ने उन्हें साल भेंट कर सम्मानित किया। फूल-मालाओं से अभिनंदन कर कार्यपालक सहायकों ने यह जताया कि उनकी लड़ाई अकेली नहीं है, बल्कि पूरे कर्मचारी संगठन का समर्थन उन्हें हासिल है।धरना स्थल पर अभय कुमार, घनश्याम, प्रेम प्रकाश, निर्मल, बबलू पासवान, रिशु लाल, आमिर हक अंसारी, बृजेश ओझा, प्रदीप कुमार, आशुतोष मिश्रा, जितेंद्र कुमार, कमलेश शर्मा, शुभम कुमार, वेद प्रकाश, नवनीत सिंह, मुरारी सिंह सहित सैकड़ों कार्यपालक सहायकों की उपस्थिति ने माहौल को जोश से भर दिया।

कार्यकर्ता संवाद में 325 करोड़ की योजनाओं का शिलान्यास

बिहार ने फिर किया कमाल, राष्ट्रीय कॉम्बैट कुश्ती चैंपियनशिप 2025 में जीता ओवरऑल खिताब

केटी न्युज /पटना

उत्तर प्रदेश के गोरखपुर के सहजनवा में आयोजित राष्ट्रीय कॉम्बैट कुश्ती चौंपियनशिप 2025 में बिहार के पहलवानों ने अपने दमदार प्रदर्शन से देशभर में धमक पैदा कर दी। चार दिनों तक चले इस रोमांचक मुकाबले में बिहार की टीम ने पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, पश्चिम बंगाल और मेजबान उत्तर प्रदेश जैसी मजबूत टीमों को पछाड़ते हुए ओवरऑल चैंपियनशिप की ट्रॉफी अपने नाम कर ली।

भारतीय डाक विभाग में कार्यरत और बिहार कॉम्बैट कुश्ती संघ के कोषाध्यक्ष मुंजी पासवान ने इस बार भी अपनी लाजवाब प्रतिभा का जलवा बिखेरा। उन्होंने स्वर्ण पदक जीतकर एक बार फिर इतिहास दोहरा दिया। इससे पहले वे उड़ीसा के पुरी में स्वर्ण पदक जीत चुके हैं और नेपाल के काठमांडू में आयोजित साउथ एशिया कॉम्बैट कुश्ती प्रतियोगिता में भी देश का मान बढ़ा चुके हैं। इस उपलब्धि पर बिहार कॉम्बैट कुश्ती संघ के अध्यक्ष डॉ. रमेश सिंह और महासचिव अरुण कुमार ने उन्हें बधाई दी।

बिहार की झोली में बरसे मेडल

चैंपियनशिप में बिहार के खिलाड़ियों का दबदबा साफ दिखा। कुल 66 बालक एवं बालिका पहलवानों ने हिस्सा लिया और 26 स्वर्ण, 17 रजत और 10 कांस्य पदक जीतकर 53 पदक अपने नाम किए। इस शानदार प्रदर्शन ने बिहार को अन्य 17 राज्यों से आगे पहुंचा दिया। खास बात यह रही कि बिहार ने उत्तर प्रदेश जैसी होस्ट टीम को मात देकर पहला स्थान हासिल किया।

कोचों की मेहनत आई काम

खिलाड़ियों की जीत के पीछे कोचों की मेहनत भी झलकती रही। धीरज सिंह चौहान ने मुख्य कोच के रूप में खिलाड़ियों का नेतृत्व किया और पिछले साल की उपलब्धि को बरकरार रखा। उनके साथ कोच मोहम्मद साजिद, अंबिका मंडल, अशोक कुमार और अनिकेत रमन ने भी खिलाड़ियों को लगातार प्रोत्साहित किया।

चैंपियनशिप का भव्य समापन

चार दिवसीय इस प्रतियोगिता के समापन समारोह में माहौल बेहद उत्साहजनक रहा। देशभर से आए 18 राज्यों के खिलाड़ियों ने अपनी दमदार उपस्थिति दर्ज कराई। मंच पर बिहार के खिलाड़ियों की सफलता की गूंज रही। संघ के अध्यक्ष डॉ. रमेश सिंह और महासचिव अरुण कुमार ने सभी विजेता खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह जीत आने वाले समय में बिहार की कॉम्बैट कुश्ती को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगी। बिहार के पहलवानों ने राष्ट्रीय पटल पर एक बार फिर यह साबित कर दिया कि कठिन मेहनत और लगन से कोई भी लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। गोरखपुर की इस चौंपियनशिप में मिली जीत सिर्फ मेडल नहीं, बल्कि बिहार के खेल इतिहास का सुनहरा अध्याय है, जो आने वाले खिलाड़ियों को प्रेरणा देगा।

किशनगंज में बोले प्रशांत किशोर-बिहार बदलेगा तो देश बदलेगा, मुसलमान हक के साथ खड़े हों

केटी न्युज /किशनगंज

किशनगंज जिले में जनसुराज अभियान के सूत्रधार प्रशांत किशोर ने रविवार को किशनगंज स्थित अंजुमन इस्लामिया मदरसा में ह्यबिहार बदलाव इजलासह्न को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने बिहार की राजनीतिक स्थिति, सामाजिक असमानता और मुस्लिम समुदाय की भूमिका पर खुलकर अपनी बातें रखीं। प्रशांत किशोर ने कहा कि हमने कई जगह उन नेताओं की मदद की जिन्होंने पीएम नरेंद्र मोदी की पार्टी को हराया है। लेकिन हम पार्टी नहीं विचारधारा की राजनीति करते हैं। कौन पार्टी कैसा है, इस विवाद में नहीं पड़ते। आज का हुक्मरान जालिम है, तो मानिए कि उसे चुनने में आपसे गलती हुई है। उन्होंने कहा कि बिहार में दलितों के बाद सबसे ज्यादा गरीब मुसलमान हैं, और आधे से ज्यादा मुस्लिम परिवार ऐसे हैं जो चाह कर भी अपने बच्चों को न्याय नहीं दिला सकते। उन्होंने कहा, "आपको बार-बार बताया गया कि आप अल्पसंख्यक हैं। नेताओं ने आपको मानसिक रूप से कमजोर कर दिया है। जबकि आबादी के अनुपात में आपके 40 विधायक होन चाहिए, लेकिन सिर्फ 19 हैं। प्रशांत किशोर ने मुसलमानों से अपील की कि वे तादाद की चिंता छोड़कर हक के साथ खड़े हों। उन्होंने कहा, "अगर आप रास्ता बनाएंगे, तभी रास्ता बनेगा। भाजपा की ताकत उसकी विचारधारा है। अगर उसे हटाना है तो गांधी की विचारधारा को अपनाना होगा उन्होंने असदुद्दीन ओवैसी पर निशाना साधते हुए कहा कि वे मुसलमानों को अकेले लड़ने की बात करते हैं, जबकि जनसुराज की सोच है कि सभी हिंदू और मुसलमान मिलकर बदलाव लाएं। उन्होंने कहा कि आज भी आधे से ज्यादा हिंदू भाजपा को वोट नहीं देते हैं। प्रशांत किशोर ने जोर देकर कहा कि अगर बिहार बदलेगा, तो देश बदलेगा। "अगर आप गलत को चुनेंगे, तो गलत ही पाएंगे। सही को चुनिए, ताकि आने वाली पीढ़ी को बेहतर भविष्य मिल सके।

गरीब मुसलमानों की समस्याओं पर जोर

प्रशांत किशोर ने कहा कि बिहार में दलितों के बाद सबसे ज्यादा गरीब मुसलमान हैं। आधे से ज्यादा मुस्लिम परिवार ऐसे हैं जो अपने बच्चों को न्याय दिलाने में असमर्थ हैं। उन्होंने बताया कि आबादी के अनुपात में मुसलमानों को 40 विधायक होने चाहिए थे, लेकिन केवल 19 हैं।हक के लिए मुसलमानों को खड़ा होने की अपील उन्होंने मुसलमानों से कहा कि तादाद की चिंता छोड़कर अपने हक के लिए खड़े हों। उन्होंने भाजपा की ताकत और विचारधारा की बात करते हुए कहा कि यदि इसे हटाना है, तो गांधी की विचारधारा अपनानी होगी।

असदुद्दीन ओवैसी पर निशाना

प्रशांत किशोर ने असदुद्दीन ओवैसी पर निशाना साधते हुए कहा कि वे मुसलमानों को अकेले लड़ने की बात करते हैं, जबकि जनसुराज की सोच है कि सभी हिंदू और मुसलमान मिलकर बदलाव लाएं। उन्होंने जोर देकर कहा कि आधे से ज्यादा हिंदू भी भाजपा को वोट नहीं देते।

सही चुनाव से बेहतर भविष्य सुनिश्चित करें

प्रशांत किशोर ने अंत में कहा कि यदि आप गलत को चुनेंगे, तो आपको केवल गलत ही मिलेगा। सही विकल्प चुनें, ताकि आने वाली पीढ़ी के लिए बेहतर भविष्य सुनिश्चित किया जा सके।

बच्चों ने केक काट कृष्ण कोचिंग में धूमधाम से मनाया शिक्षक दिवस

केटी न्युज /रोहतास

स्थानीय शहर बिक्रमगंज के रजिस्ट्री ऑफिस समीप चित्रगुप्त कॉलोनी के कृष्णा कोचिंग संस्थान में 5 सितंबर को धूमधाम ने बच्चों ने मनाया शिक्षक दिवस। कार्यक्रम अवसर पर शुक्रवार को देश के पूर्व राष्ट्रपति डॉ.सर्वपल्ली राधाकृष्णन के तैलचित्र पर कोचिंग संचालक शिक्षक कृष्णा प्रसाद और शिक्षक पवन कुमार ने कोचिंग के बच्चों के साथ उन्हें दीप प्रज्वलित कर पुष्प अर्पित कर नमन किया। उक्त मौके पर छात्रों ने केक काट अपने गुरु स्वरूप शिक्षकों को केक खिला उनसे आशीर्वाद लिया। मौके पर शिक्षक कृष्ण प्रसाद ने छात्र व छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि एक शिक्षक पूरी दुनिया को बदल सकता है। जिन्हें याद कर आज पूरा देश शिक्षाविद

डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के मार्गदर्शक पर चल शिक्षा के महत्व में अलख जगा रहे है। जिसे देश 1962 ई.से ही इस परंपरा को जारी रखे हुए शिक्षकों के समर्पण और सेवा के लिए उन्हें पूरे भारत में सम्मानित करता है। जबकि शिक्षक-पवन कुमार और रोहित कुमार समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षक हमारे जीवन के निर्माण में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। माता-पिता हमें जीवन देते हैं, परंतु जीवन को सही दिशा देने का कार्य गुरु के रूप में शिक्षक करते हैं। वह बच्चों में पुस्तकों का ज्ञान प्रदान के साथ अच्छे संस्कार, अनुशासन और चरित्र निर्माण की शिक्षा का अलख जगाते है। इस अवसर छात्र अर्जुन कुमार, करण कुमार, विक्की कुमार, अनन्या कुमारी, अब्बया कुमारी, सोनाक्षी, साक्षी, रंभा कुमारी, अंजू कुमारी, खुशी कुमारी, कोमल, बिनीत,सपना सहित छात्र-छात्रा व शिक्षक मौजूद थे।

पटना में पहली बार मेट्रो स्टेशन पर ट्रायल, देखने के लिए उमड़ी भारी भीड़

केटी न्युज /बिहार

पटना मेट्रो का पहली बार स्टेशन पर ट्रायल रविवार को सफलतापूर्वक किया गया। इस दौरान मेट्रो रेड लाइन पर न्यू पाटलिपुत्र बस टर्मिनल से भूतनाथ स्टेशन तक दौड़ी। इससे पहले 3 सितंबर को डिपो में ट्रायल हुआ था। जब मेट्रो जीरो माइल स्थित बस टर्मिनल से भूतनाथ की ओर दौड़ रही थी, तब लोगों का ध्यान इस ओर गया। मेट्रो को देखने के लिए लोगों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। लोगों के बीच इस बात की चर्चा होने लगी कि लगता है अब पटना में मेट्रो जल्द शुरू हो जाएगा। लोग यह भी बात करने लगे कि 15 सितंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बिहार दौरे पर पूर्णिया आ रहे हैं। उस दिन पूर्णिया एयरपोर्ट का उद्घाटन करने वाले हैं,

साथ में एक वंदे भारत और दो अमृत भारत ट्रेन का भी उद्घाटन करेंगे। संभावना यह भी जताई जा रही है कि शायद उसी दिन पीएम मोदी पटना मेट्रो का उद्घाटन करेंगे। इससे पहले आज रविवार को पहली बार पटना मेट्रो का स्टेशन पर ट्रायल हुआ। जब मेट्रो डिपो से निकलकर स्टेशन की पटरियों पर दौड़ी तो सड़क किनारे भारी भीड़ जमा हो गई। लोगों की उत्सुकता इतनी थी कि सड़क पर जाम जैसी स्थिति बन गई। ट्रायल के दौरान मेट्रो की स्पीड, सिग्नलिंग सिस्टम और ट्रैक की सुरक्षा की जांच की गई। पटना मेट्रो के संचालन से शहरवासियों को जाम से बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है। ट्रैफिक समस्या को दूर करने में यह काफी कारगर साबित होगी। मेट्रो रेड लाइन के सभी स्टेशनों पर व्यवस्थित पार्किंग की सुविधा रहेगी और अतिक्रमण भी जल्द हटाया जाएगा। बता दें कि मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत ने हाल ही में जीरो माइल स्टेशन सहित रेड लाइन का निरीक्षण किया था। उन्होंने पार्किंग और ट्रैफिक प्रबंधन के लिए कार्य योजना बनाने पर जोर दिया। शनिवार को डीएम ने भी जीरो माइल स्टेशन का निरीक्षण कर यात्री सुविधाओं और पार्किंग एरिया का जायजा लिया था।

डीएम ने जीविका दीदियों के बीच मुखमंत्री महिला रोजगार योजना का किया शुभारंभ

- **रोहतास जिला से 210 जीविका दीदियों ने कार्यक्रम में लिया भाग**

केटी न्युज /रोहतास

जिला अंतर्गत महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में रविवार को मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना के तहत जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन सासाराम डीआरडीए सभागार में किया गया। जीविका द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में जिले के 210 जीविका दीदियों ने उत्साहपूर्वक भागीदारी ली। कार्यक्रम का शुभारंभ जिला पदाधिकारी उदिता सिंह के द्वारा मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना के सम्बोधन के साथ किया

गया।

साथ ही उप विकास आयुक्त विजय कुमार पाण्डेय एवं जिला परियोजना प्रबंधक सुधीर बहादुर योजना के विस्तृत जानकारी उपस्थित तमाम दीदियों के साथ साझा किए। जबकि डीएम ने अपने संबोधन में जिला परियोजना प्रबंधक सुधीर बहादुर ने योजना की विस्तृत जानकारी देते हुए कहा कि सरकार का उद्देश्य महिलाओं को स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराकर उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाना और समाज में उनकी सक्रिय भूमिका सुनिश्चित करना है। उप विकास आयुक्त विजय कुमार पाण्डेय ने इसे महिलाओं के लिए एक ऐतिहासिक पहल बताया। उन्होंने कहा कि अब महिलाएं घरेलू कार्यों तक सीमित न रहकर व्यापार, उद्योग और सेवा क्षेत्र में भी अपनी पहचान बनाएंगी। योजना के अंतर्गत पात्र महिलाओं को सरकार की ओर से वित्तीय सहयोग दिया जाएगा, जिससे वे दुकान, सेवा केंद्र, सिलाई-कढ़ाई, ब्यूटी पार्लर या लघु उद्योग जैसी पहल शुरू कर सकें। उन्होंने यह भी कहा कि इस योजना में किसी भी प्रकार की शिकायत नहीं होनी चाहिए। वही कार्यक्रम में उपस्थित दीदियों ने अपने-अपने उद्यम शुरू करने की इच्छाएं साझा कीं, जिनमें सिलाई-कढ़ाई केंद्र, खाद्य प्रसंस्करण इकाई, दुकान और ब्यूटी पार्लर शामिल रहे। इससे यह स्पष्ट हुआ कि यह योजना महिलाओं में आत्मविश्वास और नई ऊर्जा का संचार करेगी। उक्त अवसर पर दीदियों ने पटना में आयोजित मुख्य समारोह को वर्चुअल माध्यम से देखा और माननीय मुख्यमंत्री का संबोधन सुना। साथ ही अधिकारियों ने महिलाओं से अपील कर कहा कि केवल वित्तीय सहायता प्राप्त करने तक सीमित न रहकर प्रशिक्षण के अवसरों का भी पूरा लाभ उठाएं तथा अपने काम के प्रति जिम्मेदारी का समर्पण दिखाएं।

एक नजर

राम मंदिर के दर्शन के लिए अयोध्या रवाना हुए ग्रामीण

दावथ । अयोध्या में बने भव्य राम मंदिर का दर्शन करने के लिए दावथ प्रखंड क्षेत्र से सैकड़ो लोगों के लिए गाड़ियां खोली गई। दावथ प्रखंड क्षेत्र के जमसोना पंचायत के अंतर्गत अवाढी गांव से विभिन्न बसों में सवार ग्रामीणों को राष्ट्रीय लोक मोर्चा के संसदीय बोर्ड के अध्यक्ष आलोक सिंह के नेतृत्व में रवाना किया गया। इस अवसर पर जहां लोगों में खुशी देखी गई तो वही इसके आयोजनकर्ता आलोक सिंह ने बतलाया कि वैसे लोग जिन्हें अयोध्या जाने की आर्थिक स्थिति संभव नहीं है उनके लिए ही यह व्यवस्था की गई है ताकि वह विश्व प्रसिद्ध अयोध्या में बने राम मंदिर का दर्शन कर ले। आगे उन्होंने बतलाया कि ऐसी यात्रा दिनारा विधानसभा से प्रत्येक पंचायत से होने वाली है और वे लोग जिन्होंने एक मुट्ठी चावल भी राम मंदिर के निर्माण में सहयोग किया है वैसे लोगों को अयोध्या राम मंदिर का दर्शन कराया जाएगा। इस मौके पर कई एनडीए कार्यकताओं के अलावे आसपास के ग्रामीण एवं समाज सेवी भी उपस्थित रहे।

मारपीट के मामले में दोनो पक्ष के लोगों की हुई गिरफ्तारी

दावथ । दावथ थाना क्षेत्र अंतर्गत रविवार को मारपीट की एक घटना सामने आई है जिसमें दो पक्षों के लोग आपस में जमकर किये मारपीट और पुलिस को लेना पड़ा एक्शन। इसकी जानकारी देते हुए दावत थानाध्यक्ष ज्ञान प्रकाश सिंह ने बतलाया कि दो पक्षो में मारपीट के आरोप में कांड दर्ज कर सुनील कुमार पिता स्व भोला सिंह,प्रियांशु कुमार पिता सुनील सिंह,देव कुमार सिंह पिता स्व नन्द किशोर सिंह एवं तथा रंजन कुमार पिता लक्ष्मण सिंह चारो ग्राम रामनगर थाना दावथ जिला रोहतास को गिरफ्तार किया गया हैं, जिसमें प्रथम पक्ष के दो तथा द्वितीय पक्ष के दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस इस मामले में अग्रेतर कार्रवाई कर रही है।

जमुई में चौथी बार मिनी गन फैक्ट्री का खुलासा, दो गिरफ्तार, हथियार-कारतूस बरामद

जमुई। चुनाव से पहले जमुई की झाझा पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। गुप्त सूचना पर पुलिस ने छापेमारी कर मिनी गन फैक्ट्री का उद्भेदन किया है। बता दें कि जमुई में चौथी बार मिनी गन फैक्ट्री का पदार्फाश पुलिस ने किया है। पुलिस ने दो आरोपी को अरेस्ट किया है। वही मौके से भारी मात्रा में अर्धनिर्मित हथियार बरामद किया है। जिंदा कारतूस सहित हथियार बनाने के उपकरण को भी पुलिस ने जब्त किया है। पुलिस इसे बड़ी कामयाबी मान रही है। दरअसल जमुई रढ को इस संबंध में गुप्त सूचना मिली थी। जिसके बाद झाझा थानाध्यक्ष संजय कुमार के नेतृत्व में एक टीम का उन्होंने गठन किया। जिसके बाद पुलिस टीम ने बाराजोर के शाहिद आलम, इजराइल हक उर्फ छोटू अंसारी, घोरिकवा गांव निवासी मोहम्मद मोइनुद्दीन अंसारी के घर पर छापेमारी की। जिसमें पुलिस ने हथियार बनाने के कई सामान,अर्धनिर्मित हथियार,जिंदा कारतूस समेत भारी मात्रा में हथियार बनाने के उपकरणों को बरामद किया। बता दें कि इससे पूर्व में भी जमुई के गरही,कल्याणपुर व मलयपुर थानाक्षेत्र में भी छापेमारी की गयी थी। तब भी पुलिस ने मिनी गन फैक्ट्री का खुलासा कर कई आरोपियों को गिरफ्तार किया था। सूत्रों की मानें तो झाझा में संचालित मिनी गन फैक्ट्री का मुख्य आरोपी जो हथियार निर्माण का कार्य करता था, वह छापेमारी के दौरान पुलिस से बच निकला। बहरहाल इस मामले में पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार किया है, जिसमें बाराजोर के शाहिद आलम और इजराइल हक उर्फ छोटू अंसारी शामिल हैं। थानाध्यक्ष संजय कुमार ने बताया कि अन्य आरोपितों की गिरफ्तारी को लेकर पुलिस छापेमारी कर रही है।

धोखाधड़ी मामले में फरार अभियुक्त गिरफ्तार

आरा। टाउन थाना पुलिस ने धोखाधड़ी मामले में फरार अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया. उसकी गिरफ्तारी थाना क्षेत्र के गोला मुहल्ला से शनिवार की शाम की. गिरफ्तार टाउन थाना क्षेत्र के गोला मुहल्ला निवासी संतोष कुमार का पुत्र ओम प्रकाश गुप्ता है. बता दें कि बीते वर्ष 16 नवंबर को टाउन थाना क्षेत्र के शीतल टोला बस स्टैंड रोड निवासी सन्नी कुमार केसरी द्वारा 11 लाख 16 हजार रुपये धोखाधड़ी करने से संबंधित ओम प्रकाश गुप्ता सहित तीन लोगों के खिलाफ नामजद प्राथमिकी दर्ज कराई थी. उसी समय से उक्त अभियुक्त फरार चल रहा था.

यूको बैंक की एटीएम में लगी आग मची अफरा-तफरी

आरा। शहर के टाउन थाना क्षेत्र के जेल रोड स्थित यूको बैंक की एटीएम में रविवार की शाम अचानक आग लग गयी. अगलगी से लोगों के बीच अफरा-तफरी मच गयी. इसके बाद बैंक के प्रबंधक एवं स्थानीय लोगों द्वारा इसकी सूचना टाउन थाना पुलिस एवं फायर ब्रिगेड के टीम को दी गयी. सूचना पाकर फायर ब्रिगेड की टीम घटनास्थल पर पहुंची, जिसके बाद आग पर काबू पाया गया. घटना के संबंध में बताया जाता है कि रविवार की शाम अचानक यूको बैंक की एटीएम में आग लग गयी, तभी अगल-बगल के लोगों द्वारा इसकी सूचना बैंक कर्मचारी एवं फायर ब्रिगेड की टीम को दी गयी. इधर, यूको बैंक के प्रबंधक सुधांशु शेखर ने बताया कि शॉर्ट-सर्किट के कारण एटीएम में आग लग गयी थी. स्थानीय लोगों के सहयोग और समय पर फायर ब्रिगेड की टीम पहुंचने से आग पर काबू पा लिया गया. एटीएम में और आसपास के दुकानों में कोई क्षति नहीं हो पाई है. सिर्फ एटीएम के बोर्ड में जहां शॉर्ट-सर्किट हुई है वहां तार बुरी तरह जल गया है

आरा में 17 साल से फर्जी सर्टिफिकेट पर नौकरी कर रहे थे दो टीचर, एफआईआर दर्ज

आरा। निगरानी अन्वेशन ब्यूरो की टीम ने भोजपुर जिले में दो फर्जी शिक्षकों पर दो अलग-अलग थाना क्षेत्र में प्राथमिकी दर्ज की है। दोनों पर फजीर्वाड़ा कर जाली कागजात बनाकर नौकरी करने का मामला सामने आने के बाद निगरानी द्वारा यह कार्रवाई की गई है। जगदीशपुर और धनगाई थाना क्षेत्र में निगरानी के इंस्पेक्टर अरुण पासवान के द्वारा दर्ज प्राथमिकी के अनुसार जगदीशपुर थाना में माया देवी मध्य विद्यालय दलीपपुर जगदीशपुर की प्रखंड शिक्षिका हैं जो मूल रूप से ग्राम बचरी की निवासी सजल साह की पुत्री हैं। इसने वर्ष 2010 में प्रखंड शिक्षिका के रूप में नौकरी प्राप्त करते समय इंटर का जो अंक पत्र जमा किया था वह पूरी तरह से जांच में फर्जी निकला है। बिहार विद्यालय परीक्षा समिति को इसका रोल नंबर 30259 जांच के लिए भेजा गया था। परीक्षा समिति ने बताया कि 30070 से ज्यादा का मेरे यहां कोई रोल नंबर नहीं है। इस तरह से माया देवी ने फर्जी ढंग से 30259 रोल नंबर के कागजात बनाकर जमा किए थे।

1232 एकड़ जमीन पर दो फेज में विकसित की गई

भारत का सबसे बड़ा सोलर प्लांट बिहार में बनकर तैयार, सीएम नीतीश कुमार करेंगे उद्घाटन

एजेंसी। पटना

बिहार के लखीसराय जिले के कजरा में देश का सबसे बड़ा बैटरी आधारित सोलर बिजली घर समय से पहले बनकर तैयार हो गया है। यह परियोजना 2026 तक पूरी करने का लक्ष्य रखा गया था लेकिन अब यह सितंबर में ही चालू हो जाएगी। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार इसी महीने इसका उद्घाटन करेंगे। यह बिहार की पहली और देश की सबसे बड़ी सौर ऊर्जा के साथ बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली आधारित परियोजना है जो 1232 एकड़ जमीन पर दो फेज में विकसित की गई है। पहले फेज में 689 एकड़ पर 185 एमडब्ल्यू (एसी) सौर ऊर्जा उत्पादन और 254 एमडब्ल्यूएच बैटरी स्टोरेज की क्षमता

है, जो पीक आवर में 45.4 एमडब्ल्यू बिजली चार घंटे तक उपलब्ध कराएगी। इसकी लागत लगभग 1570 करोड़ रुपये है। दूसरे फेज में 400 एकड़ पर 116 टह सौर ऊर्जा और 241 एमडब्ल्यूएच बैटरी स्टोरेज होगा, जो 50.5 एमडब्ल्यू चार घंटे सप्लाई करेगा, लागत 880.27 करोड़ रुपये। कुल मिलाकर 301 एमडब्ल्यू सौर ऊर्जा और 495 एमडब्ल्यूएच बैटरी स्टोरेज से बिहार को रात के पीक आवर में विश्वसनीय बिजली मिलेगी। कंपनी अधिकारियों के अनुसार, यह प्लांट बिहार विद्युत विनियामक आयोग की अनुमति से बिजली बाजार से खरीदने की निर्भरता कम करेगा। पहले फेज का कार्य L&T द्वारा पूरा किया गया है और पूरा प्रोजेक्ट सितंबर में चालू हो जाएगा। यह परियोजना बिहार की ऊर्जा आत्मनिर्भरता और पर्यावरण संरक्षण में मील का पत्थर साबित होगी, क्योंकि यह कार्बन उत्सर्जन कम करेगी और जलवायु परिवर्तन से लड़ने में मदद करेगी। सीएम नीतीश कुमार की जल-जीवन-हरियाली अभियान के तहत यह हरित ऊर्जा को बढ़ावा देगी। प्लांट से रोजगार के अवसर पैदा होंगे और स्थानीय अर्थव्यवस्था मजबूत होगी। L&T 10 वर्ष तक इसका संचालन और रखरखाव करेगी। यह प्रोजेक्ट बिहार के नवीकरणीय ऊर्जा लक्ष्यों को पूरा करने में महत्वपूर्ण है। राज्य में सौर ऊर्जा क्षमता बढ़ाने के लिए कई परियोजनाएं चल रही हैं, लेकिन कजरा सबसे बड़ा है। उद्घाटन के बाद यह बिहार की बिजली किल्लत को कम करेगा, खासकर रात में। सरकार का दावा है कि इससे बिजली दरें सस्ती होंगी और ग्रामीण क्षेत्रों में आपूर्ति बेहतर होगी। यह भारत की हरित ऊर्जा क्रांति का हिस्सा है, जहां बैटरी स्टोरेज जैसी तकनीक से सौर ऊर्जा को रात में भी इस्तेमाल किया जा सकेगा। लखीसराय के कजरा क्षेत्र में यह प्लांट पर्यटन और स्थानीय विकास को भी बूस्ट देगा।

भागलपुर में दो सगी बहनों की डूबने से मौत, गंगा स्नान के दौरान हुआ हादसा

एजेंसी। भागलपुर

बिहार के भागलपुर जिले से गंगा नदी में डूबने की दो दर्दनाक घटनाएं सामने आई हैं। रविवार सुबह नारायणपुर प्रखंड के काली मंदिर घाट पर गंगा स्नान के दौरान दो सगी बहनों की डूबने से मौत हो गई, जबकि उनके साथ मौजूद दो अन्य बच्चियों को ग्रामीणों ने किसी तरह बचा लिया। मृत बच्चियों की पहचान नवटोलिया गांव निवासी बाबुल झा की पुत्रियां 15 वर्षीय मौसम कुमारी और 7 वर्षीय परी कुमारी के रूप में हुई है। परिजनों और ग्रामीणों के अनुसार, चारों बच्चियां सुबह गंगा स्नान के लिए गई थीं। इस दौरान एक बहन फिसल कर डूबने लगी, और उसे बचाने की कोशिश में दूसरी बहन भी गहरे पानी में चली गई। बाकी दो बच्चियां जैसे-तैसे बाहर निकलने में सफल रहीं। घटना की सूचना मिलते ही भवानीपुर थाना पुलिस और अंचल अधिकारी विशाल अग्रवाल मौके पर पहुंचे। प्रशासन की टीम और गोताखोर दोनों बहनों के शव की तलाश में जुटे हुए हैं। घाट पर भारी संख्या में ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई है। उधर, शनिवार को नाथनगर थाना क्षेत्र के अजमेरीपुर स्थित रसीदपुर पुल के पास गंगा नदी में नहाने गए तीन मासूम बच्चे नदी में डूब गए। इनमें से दो बच्चों की मौत हो गई, जबकि तीसरे बच्चे की हालत गंभीर बताई जा रही है, जिसे इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया है। डूबे बच्चे अजमेरीपुर गांव के निवासी थे। सूचना मिलते ही ग्रामीणों ने गोताखोरों की मदद से बच्चों को गंगा से बाहर निकाला।

मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना' की हुई शुरूआत

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने ऑनलाइन पोर्टल का किया शुभारंभ

एजेंसी। पटना

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने यह भी बताया कि महिलाओं की मांग पर शराबबंदी लागू की गई थी और पुलिस व अन्य सरकारी नौकरियों में 35 फीसदी आरक्षण दिया गया है। साथ ही मुख्यमंत्री कन्या उत्थान योजना, बालिका साइकिल योजना जैसी योजनाओं के जरिए महिलाओं को पढ़ाई और आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ाया गया है। बिहार की महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में राज्य सरकार ने एक और बड़ा कदम उठाया है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने राजधानी पटना स्थित 1 अणे मार्ग से 'मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना' के तहत आवेदन प्रक्रिया और नगर क्षेत्रों के लिए ऑनलाइन पोर्टल का शुभारंभ किया। इस मौके पर उन्होंने योजना से जुड़ी आवेदन प्रपत्र का विमोचन किया और 250 जागरूकता वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इन वाहनों के जरिए राज्य के चिन्हित इलाकों में 20 दिनों तक वीडियो के माध्यम से महिलाओं को योजना से जुड़ी जानकारी दी जाएगी। कार्यक्रम के दौरान महिला सशक्तिकरण पर आधारित एक लघु फिल्म भी मुख्यमंत्री को दिखाई गई।

हर परिवार की एक महिला को मिलेगा आर्थिक संबल

मुख्यमंत्री ने कहा कि योजना का उद्देश्य है कि प्रत्येक परिवार की एक महिला को रोजगार के लिए आर्थिक सहायता दी जाए। सितंबर महीने से महिलाओं को पहली किस्त के रूप में 10,000 की राशि दी जाएगी, जिससे वे अपना रोजगार शुरू कर सकें। काम शुरू करने के बाद जरूरत के मुताबिक दो लाख रुपये तक की अतिरिक्त सहायता भी प्रदान की जाएगी।

आत्मनिर्भर महिलाएं ही सशक्त समाज की नींव

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि महिलाओं को आगे बढ़ाने के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि 2006 में पंचायती राज में और 2007 में नगर निकाय चुनावों में महिलाओं को 50 फीसदी आरक्षण दिया गया। अब तक 11 लाख से ज्यादा स्वयं सहायता समूह बन चुके हैं, जिनसे 1.40 करोड़ जीविका दीदियां जुड़ी हुई हैं। शहरी इलाकों में भी अब तक 37 हजार समूह बनाए जा चुके हैं।

योजना से रोजगार, आमदनी और सम्मान

29 अगस्त 2025 को इस योजना को मंजूरी दी गई थी। सरकार का मानना है कि इससे महिलाओं को न सिर्फ रोजगार मिलेगा बल्कि परिवार की आमदनी भी बढ़ेगी। मुख्यमंत्री ने उम्मीद जताई कि इससे बिहार के लोगों को काम के लिए बाहर नहीं जाना पड़ेगा। महिलाएं स्वरोजगार से जुड़कर अपने परिवार और समाज की आर्थिक स्थिति मजबूत करेंगी।

पटना मेडिकल कॉलेज अस्पताल में नर्सों ने किया हड़ताल, मरीज बेहाल

एजेंसी। पटना

राजधानी पटना के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल पीएमसीएच (पटना मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल) में इलाज कराने पहुंचे मरीजों को शनिवार से परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। कारण यह है कि अस्पताल की नर्सों ने कार्य बहिष्कार और अनिश्चितकालीन हड़ताल। छह सितंबर से शुरू हुए आंदोलन में पीएमसीएच की नर्सें तीन प्रमुख मांगों को लेकर धरना प्रदर्शन कर रही हैं। सभी नर्स शनिवार से ही राजेंद्र सर्जिकल वार्ड में धरने पर बैठी हैं। पीएमसीएच नर्स एसोसिएशन की महामंत्री वीथिका विश्वास ने बताया कि सरकार को बार-बार ज्ञापन और पत्राचार के माध्यम से अवगत कराया गया, लेकिन कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। नर्सों का कहना है कि 24 घंटे मरीजों की सेवा के बावजूद सरकार उनकी सुध नहीं ले रही है। पुरानी पेंशन योजना की बहाली, सेवा अवधि 70 वर्ष तक बढ़ाई जाए।

दुर्गा पूजा से पहले मुख्यमंत्री का शिवहर दौरा, करोड़ों की योजनाओं का सौगात देंगे

एजेंसी। पटना

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के शिवहर आगमन को लेकर जिले में चहल-पहल तेज हो गयी है। यहां तक कि प्रशासनिक तैयारियां भी शुरू हो गयी है। शिवहर के डीएम विवेक रंजन मैत्रेय, एडीएम श्री मेघावी, एसडीएम अविनाश कुणाल, डीएसपी सुनील कुमार सिंह, ट्रैफिक डीएसपी भाई भरत कुमार समेत जिले के तमाम पदाधिकारी बागमती कार्यालय परिसर में बने हेलीपैड स्थल का निरीक्षण किया। हैलीपैड का निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने तैयारियां शुरू करने का आदेश दिया। हालांकि जिला प्रशासन की तरफ से अभी तारीखों का ऐलान नहीं किया गया है. आज से तैयारी युद्धस्तर पर शुरू कर दिया गया है. संभावना जताई जा रही है कि दुर्गा पूजा से पहले मुख्यमंत्री नीतीश कुमार शिवहर आएंगे। अब समय काफी नजदीक है, जिसे लेकर तैयारी शुरू कर दी गयी है। मुख्यमंत्री के आगमन के बाद जिले को करोड़ो की योजनाओं का सौगात मिलेगा।

बिहार में अगले 2-3 दिन बिगड़ा रहेगा मौसम, आईएमडी ने जारी की चेतावनी

एजेंसी। पटना

बिहार में भीषण गर्मी और उमस के बीच मौसम विभाग ने अब बड़ी चेतावनी जारी की है। अगले 24 घंटों के बाद मौसम में बड़ा बदलाव आने वाला है। मौसम विभाग के अनुसार, बिहार में मानसून फिर से सक्रिय होने जा रहा है, जिसके चलते अगले तीन दिनों तक राज्य के कई हिस्सों में भारी बारिश, बिजली और गरज के साथ तूफान की संभावना है। ऐसे में लोगों से सतर्क रहने और सुरक्षा के उपाय करने की अपील की गई है ताकि किसी भी तरह की अप्रिय घटना से बचा जा सके। मौसम विभाग ने बताया कि सोमवार, 8 सितंबर से बिहार के उत्तर और दक्षिण-पश्चिम क्षेत्रों के 25 जिलों में भारी बारिश हो सकती है। इसके साथ ही पूरे राज्य में बिजली गिरने का खतरा बना रहेगा,

जिसके लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है। यह मौसमी गतिविधि 10 सितंबर तक जारी रहने की संभावना है। कुछ इलाकों में जलजमाव की स्थिति भी बन सकती है। इसलिए, लोगों को खुले मैदानों, ऊंचे पेड़ों और बिजली के खंभों से दूर रहने की सलाह दी गई है। इस मौसम परिवर्तन का कारण बंगाल की खाड़ी और अरब सागर से आने वाली नमी युक्त हवाएं हैं। मौसम विभाग के अनुसार, मानसून ट्रफ लाइन बिहार के ऊपर से गुजर रही है और अगले कुछ दिनों में यह और मजबूत होगी। इससे बारिश की तीव्रता बढ़ने की संभावना है। बीते 24 घंटों में जमुई के बरहट में 28.2 मिमी बारिश दर्ज की गई, जबकि सिवान, मोतिहारी, पटना, मुजफ्फरपुर और बांका में 22 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से हवाएं चलीं हैं।

खपरेल की चाली ढहने से दो मासूमों की मौत, मां-नानी गंभीर

जमुई। जमुई जिले के गंदर पंचायत के काली पहाड़ी टोला में शनिवार देर रात एक दर्दनाक हादसा हो गया। आधी रात करीब 12 बजे खपरेल की चाली अचानक ढह गई, जिसके मलबे में दबकर दो मासूम बच्चों की मौत हो गई। मृतकों की पहचान तुलसी कुमारी और किशन कुमार के रूप में हुई है, जो चंदन तुरी और सुलेखा देवी के संतान थे।हादसे में बच्चों की मां सुलेखा देवी और नानी गंभीर रूप से घायल हो गईं। सुलेखा देवी ने बताया कि पूरा परिवार खाना खाकर सो रहा था, तभी अचानक चाली भरभराकर गिर पड़ी। ग्रामीणों की मदद से मलबा हटाया गया और परिवार को बाहर निकाला गया, लेकिन तब तक दोनों मासूमों ने दम तोड़ दिया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को पोस्टमार्टम के लिए जमुई सदर अस्पताल भेज दिया।

राज्य की सांस्कृतिक विरासत का विश्व में बजेगा डंका

बिहार संग्रहालय और नालंदा विश्वविद्यालय के बीच हुआ ऐतिहासिक करार

एजेंसी। पटना

बिहार की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने और इसे विश्व स्तर पर पहचान दिलाने की दिशा में एक बड़ा ही महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। नालंदा विश्वविद्यालय और बिहार संग्रहालय ने एक ऐतिहासिक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं जो बिहार के गौरवशाली इतिहास और संस्कृति को न केवल सहेजेगा बल्कि इसे आधुनिक तकनीक और शैक्षणिक अनुसंधान के माध्यम से नई पीढ़ी तक भी पहुंचाएगा। इस करार के तहत दोनों संस्थाएं मिलकर दुर्लभ पांडुलिपियों के डिजिटलीकरण, शोध परियोजनाओं

और सांस्कृतिक कार्यक्रमों पर काम करेंगी। इस समझौते के तहत नालंदा विश्वविद्यालय और बिहार संग्रहालय मिलकर अमूल्य पांडुलिपियों को डिजिटल रूप में संरक्षित करेंगे। ये पांडुलिपियां बिहार के प्राचीन ज्ञान और संस्कृति का खजाना हैं, जिन्हें डिजिटल माध्यम से न केवल सुरक्षित किया जाएगा बल्कि दुनिया भर के शोधकर्ताओं और इतिहास प्रेमियों के लिए आसानी से उपलब्ध भी कराया जाएगा। इसके अलावा, दोनों संस्थान संयुक्त रूप से शैक्षणिक पाठ्यक्रम तैयार करेंगे जो छात्रों को बिहार के इतिहास, संस्कृति और पुरातत्व के बारे में गहराई से समझने का मौका देंगे। इस करार का एक और महत्वपूर्ण पहलू है सांस्कृतिक और शैक्षणिक कार्यक्रमों का आयोजन। प्रदर्शनियां, सम्मेलन और संगोष्ठियों के माध्यम से बिहार की समृद्ध परंपराओं को आम लोगों तक पहुंचाया जाएगा। साथ ही, संग्रहालय विज्ञान, पुरातत्व और इतिहास के क्षेत्र में विशेषज्ञों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम भी शुरू किए जाएंगे। इन कार्यक्रमों का उद्देश्य नई पीढ़ी में बिहार की सांस्कृतिक विरासत के प्रति जागरूकता बढ़ाना और इस क्षेत्र में कुशल पेशेवर तैयार करना है।

सुभाषितम्

बिना विश्वास के कोई काम हो ही नहीं सकता

- नारायणदास

भारत में हर तीसरी मौत दिल की बीमारियों से?

रजिस्टार जनरल ऑफ इंडिया की सैंपल रजिस्ट्रेशन सर्वे की ताजा रिपोर्ट प्रकाशित हुई है। इस रिपोर्ट में बताया गया है, वर्ष 2021 से 2023 के बीच में भारत में जितनी मौत हुई है। उनमें लगभग 31 फीसदी मौत दिल की बीमारियों के कारण हुई है। रिपोर्ट के अनुसार भारत में गैर संक्रामक रोग जैसे दिल की बीमारी, कैंसर, डायबिटीज इत्यादि से सबसे ज्यादा 56.7 फीसदी मौते हुई हैं। रिपोर्ट से यह भी जानकारी मिलती है, संक्रामकरोग, मातृ और नवजात शिशु की 23.4 फीसदी मौत दर्ज की गई हैं। कोविड से प्रभावित लोगों की मौत 2020 से 2022 के बीच में 55.7 और 24 फीसदी दर्ज की गई है। रजिस्टर जनरल ऑफ इंडिया की जो रिपोर्ट जारी हुई है। उसके अनुसार 30 साल से कम उम्र के लोगों की हार्ट की बीमारियों के कारण मौत सबसे ज्यादा हो रही हैं। 15 से 29 साल तक के युवाओं की मौत आत्महत्या के कारण हो रही हैं। युवाओं में आत्महत्या की प्रवृत्ति बड़ी तेजी के साथ बढ़ रही है। जो रिपोर्ट आई है, वह काफी चौंकाने वाली है। सांस से जुड़े संक्रमण और पाचन तंत्र की बीमारियों के कारण 5 फीसदी से अधिक लोगों की मौत हो रही हैं। सड़क हादसों में भी करने वालों की संख्या 3.7 फीसदी तक पहुंच गई है। लगातार बढ़ रही मौतों के कारण एक नई चिंता देखी जा रही है। सड़कों पर तेज रफ्तार की गाड़ियां, सड़क दुर्घटनाओं का सबसे बड़ा कारण है। तेज गति में दौड़ती गाड़ियों की जो लाइट है, वह सामने वाली गाड़ी के ड्राइवर की आंखों पर असर डालती हैं। जो दुर्घटना का सबसे बड़ा कारण है। सरकार जो भी नियम कानून बनाती है, उसमें व्यवहारिक पक्ष का ध्यान नहीं रखती है। जिसके कारण सड़क दुर्घटनाओं में लगातार मौत की संख्या बढ़ती ही जा रही हैं। इसी तरह से कोविड महामारी के बाद जिस तरह से युवाओं में हार्ट अटैक के कारण मौत हो रही हैं। वह चिंता का सबसे बड़ा कारण बना हुआ है। कोविड के बाद जो वैक्सीन लगी है। सभी को उसके दुष्परिणामों को लेकर सरकार अपने आप को बचाना चाहती है। जिसके कारण जिन युवाओं की साइलेंट अटैक से मौत हो रही है। उसके बारे में ठीक तरह से अनुसंधान नहीं होने के कारण युवाओं की मौतों को रोकने में कोई प्रयास सफल नहीं हो पा रहा है। यह चिंता का सबसे बड़ा कारण है। भारत में नकली दवाओं, फास्ट फूड का बढ़ता चलन, शारीरिक श्रम लगातार कम होने से बीमारियां बड़ी तेजी के साथ बढ़ रही हैं। बीमारियों के साथ मौतों की संख्या भी निरंतर बढ़ती जा रही है। यह स्थिति भारत जैसे देश के लिए सबसे बड़ी चिंता का कारण है। सबसे बड़ी चिंता तो अब इस बात की होने लगी है। निम्न वर्ग जो हमेशा मेहनत और मजदूरी करके हमेशा स्वस्थ जीवन जीता था। अब उनमें भी बीमारियां लगातार बढ़ रही हैं। निम्न वर्ग में खाने-पीने और शारीरिक श्रम को लेकर जो बड़ा बदलाव आ रहा है। वह चिंता का सबसे बड़ा कारण है। स्वास्थ्य की दृष्टि से वर्तमान में बड़ी चिंता पैदा कर दी है। भारत में सबसे ज्यादा युवाओं की आबादी होने के बाद भी बीमार युवाओं की संख्या बढ़ती जा रही है। कहा जाता है, शारीरिक रूप से स्वस्थ रहने पर ही मानव जीवन को बेहतर तरीके से जिया जा सकता है। जिस तरह से बीमारियां अब सभी उम्र के लोगों के बीच में देखने को मिल रही है। यह चिंता का सबसे बड़ा कारण बन गया है। आर्थिक कारणों से आत्महत्या लगातार बढ़ती जा रही है। बेरोजगारी, महंगाई, कर्ज के कारण भी बीमारियाँ लगातार बढ़ रही है। 20 से 30 फीसदी आबादी मनोरोग और मोटापे का शिकार है। ऐसी स्थिति में केन्द्र सरकार , राज्य सरकारों , धार्मिक एवं सामाजिक संगठनों को अपनी जिम्मेदारी समझना होगी। खान-पान, शारीरिक श्रम एवं सोच में बदलाव लाने के लिये सभी को संगठित रूप से प्रयास करने होंगे। सरकार के भरोसे नहीं रहा जा सकता है। भारत की युवा आबादी को शारीरिक एवं मानसिक रूप से स्वस्थ्य बनाये रखने की जिम्मेदारी सभी की है।

चिंतन-मनन

निर्णय में बदलाव पर नजर

लोगों के व्यवहार व कार्यों से या तो तुम सहमत होते हो या असहमत। परंतु इतना सदैव याद रखो कि सब कुछ परिवर्तनशील है। इसीलिए किसी भी निर्णय पर अड़े मत रहो वरना तुम्हारी धारणाएं चट्टान की तरह ठोस हो जाती हैं और तुम्हें व औरों को दुःखी करती हैं। यदि निर्णय हवा के झोंकों की तरह हल्के हों तो वे सुगंध फैलाकर आगे बढ़ जाते हैं। वे दुर्गंध भी फैलाकर जा सकते हैं-परंतु उन्हें हमेशा वहीं नहीं रहना है। निर्णय इतने सूक्ष्म होते हैं कि तुम्हें उनके होने का आभास भी नहीं होता। किसी को निणार्यात्मक ठहराना या समझना भी एक निर्णय है। केवल जब तुम सत्ता के साथ होते हो, प्रेम और अनुकम्पा से पूर्ण, केवल तभी तुम निर्णयों से मुक्त हो सकते हो। पर यह संसार फैसलों के बिना आगे नहीं बढ़ सकता। जब तक तुम अच्छा या बुरे का निर्णय नहीं ले लेते, तुम किसी कार्य को नहीं कर पाते। यदि कोई तुमसे दस बार झूठ कहे तो तुम सोचते हो अगली बार भी शायद वह झूठ ही कहेगा। निर्णय स्वतः ही हो जाता है। परंतु इस संभावना को सदा ध्यान में रखो कि व्यक्ति व वस्तु कभी भी बदल सकते हैं और अपने फैसलों पर अड़े मत रहो। हां, अपनी संगति पर तुम्हें निर्णय करना आवश्यक है। तुम्हारी संगत तुम्हें ऊपर भी ले जा सकती है और नीचे भी खींच सकती है। जो संगत तुम्हें संदेह, निरुत्साह, शिकायत, प्रोध, भ्रम और कामना की तरफ नीचे खींचती है, वह कुसंगत है। जो संगति तुम्हें आनंद, उत्साह, सेवा, प्रेम, विश्वास और ज्ञान की तरफ ऊपर खींचती है, वह अच्छी संगत है। जब कोई शिकायत करता है, पहले तुम सुनते हो। फिर उसकी हां में हां मिलाते हो, फिर उसके साथ सहानुभूति दिखाते हो; फिर तुम भी शिकायत करने लगते हो। बस, याद रखो, अपने निर्णयों को पक्का मत होने दो।

वैज्ञानिक-हेरोल्ड अमोस का माइक्रोबायोलॉजी में अहम योगदान

-संजय गोस्वामी

हेरोल्ड अमोस का जन्म 7 सितंबर, 1918 को पेन्सौकेन, न्यू जर्सी में हुआ था। वे हॉवर्ड आर. अमोस सीनियर और इओला जॉनसन के नौ बच्चों में दूसरे थे। हेरोल्ड अमोस (1918-2003), पेनसॉकेन, न्यू जर्सी, माइक्रोबायोलॉजी और आणविक आनुवंशिकी के मौड और लिलियन प्रेस्ली प्रोफेसर थे, साथ ही हार्वर्ड मेडिकल स्कूल, बोस्टन, मैसाचुसेट्स में माइक्रोबायोलॉजी और आणविक आनुवंशिकी विभाग के अध्यक्ष और चिकित्सा विज्ञान प्रभाग के अध्यक्ष थे ।उन्होंने 1936 में न्यू जर्सी के कैमडेन हाई स्कूल से अपनी कक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त किया और स्प्रिंगफील्ड कॉलेज, स्प्रिंगफील्ड, मैसाचुसेट्स से स्नातक की पढ़ाई पूरी की। 1941 में जीव विज्ञान में मुख्य और रसायन विज्ञान में गौण विषय के साथ सर्वोच्च सम्मान के साथ स्नातक की उपाधि प्राप्त की। अमोस स्प्रिंगफील्ड कॉलेज के जीव विज्ञान विभाग में स्नातक सहायक थे, जब तक कि उन्हें संयुक्त राज्य अमेरिका की सेना के क्वार्टरमास्टर कोर (1942) में भर्ती नहीं कर लिया गया। उन्होंने द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान सैनिकों को गैसोलीन की आपूर्ति करने वाली एक बटालियन में वारंट अधिकारी के रूप में कार्य किया; उन्होंने अपनी सेवामुक्ति (1946) तक फ्रांस और पूर्व चेकोस्लोवाकिया में सेवा करने से पहले दो साल इंग्लैंड में बिताए। अमोस ने 1946 में हार्वर्ड मेडिकल स्कूल के चिकित्सा विज्ञान विभाग में जैविक विज्ञान के स्नातक कार्यक्रम में दाखिला लिया और 1947 में अपनी मास्टर डिग्री पूरी की। 1952 में वे हार्वर्ड मेडिकल स्कूल के चिकित्सा विज्ञान विभाग से डॉक्टरेट की डिग्री हासिल करने वाले पहले अफ्रीकी अमेरिकी बने। वे 1952 में हार्वर्ड मेडिकल स्कूल के चिकित्सा विज्ञान प्रभाग के पहले अफ्रीकी अमेरिकी डॉक्टरेट स्नातक थे, और हार्वर्ड मेडिकल स्कूल में किसी विभाग के अध्यक्ष के रूप में सेवा करने वाले पहले अफ्रीकी अमेरिकी थे। अमोस जीवाणु चयापचय और पशु एवं जीवाणु विषाणु विज्ञान में अपने शोध के लिए जाने जाते हैं, जिसमें उच्च कोशिका प्रोटीन संश्लेषण, एंजाइम प्रेरण, इंसुलिन, सीरम, तापमान प्रभाव, राइबोसोम, फॉस्फोप्रोटीन, आरएनए चयापचय, साथ ही ग्लूकोज और ग्लिसरॉल और हेक्सोज चयापचय को प्रोग्राम करने के लिए जीवाणु आरएनए का उपयोग शामिल है। अमोस को फुलब्राइट फेलोशिप मिली और उन्होंने पेरिस, फ्रांस में इंस्टीट्यूट पाश्चर में जॉर्जेस कोहेन की प्रयोगशाला में एस्चेरिचिया कोली के थ्रेओनीन म्यूटेंट के साथ काम किया (1951-1952)। अमोस फिर 1954 में हार्वर्ड मेडिकल स्कूल में जीवाणु विज्ञान और प्रतिरक्षा विज्ञान विभाग में प्रशिक्षक के रूप में लौट आए। 1969 में वे पूर्ण प्रोफेसर के पद तक पहुंचे। उन्होंने दो बार (1971-1975, 1978-1988) चिकित्सा विज्ञान विभाग के अध्यक्ष के रूप में भी कार्य किया। 1975 में, वे माइक्रोबायोलॉजी और आणविक आनुवंशिकी के मौड और लिलियन प्रेस्ली प्रोफेसर बने और 1988 में प्रोफेसर एमेरिटस बनने तक इस पद पर बने रहे। सेवानिवृत्ति के बाद, वे रॉबर्ट वुड जॉनसन फाउंडेशन की अल्पसंख्यक चिकित्सा संकाय विकास कार्यक्रम सलाहकार समिति के एक सक्रिय सदस्य बने और अपनी मृत्यु तक बोस्टन विश्वविद्यालय में जैक मर्फी की प्रयोगशाला में काम करते रहे। अमोस का अधिकांश शोध जीवाणु चयापचय और पशु एवं जीवाणु विषाणु विज्ञान पर केंद्रित है, हालाँकि उनका प्रारंभिक ध्यान एस्चेरिचिया कोलाई और उसके फेज पर था, जिसमें 1958 में एस्चेरिचिया कोलाई में 5-मिथाइलसाइटोसिन की खोज भी शामिल है, जिसकी पुष्टि दशकों बाद हुई। हार्वर्ड मेडिकल स्कूल में अपने कार्यकाल के दौरान, अमोस ने उच्च कोशिका प्रोटीन संश्लेषण, एंजाइम प्रेरण, इंसुलिन, सीरम, तापमान प्रभाव, राइबोसोम, फॉस्फोप्रोटीन, आरएनए चयापचय, साथ ही ग्लूकोज भुखमरी और ग्लिसरॉल एवं हेक्सोज चयापचय को प्रोग्राम करने के लिए जीवाणु आरएनए के उपयोग का अध्ययन किया। उन्होंने अल्पसंख्यक छात्रों और संकाय सदस्यों पर ध्यान केंद्रित किया। वे जोशिया मैसी जूनियर फाउंडेशन के निदेशक मंडल और रॉबर्ट वुड जॉनसन फाउंडेशन की अल्पसंख्यक चिकित्सा संकाय विकास कार्यक्रम सलाहकार समिति के सदस्य थे। वे राष्ट्रीय कैंसर सोसायटी सलाहकार बोर्ड और राष्ट्रपति के रद्दीकरण पैनल में भी शामिल थे। वे अमेरिकन कैंसर सोसायटी के मैसाचुसेट्स डिवीजन के अध्यक्ष और अमेरिकन कैंसर सोसायटी की स्वयंसेवी शासी निकाय, नेशनल अमेरिकन कैंसर सोसायटी असेंबली के आजीवन प्रतिनिधि थे। अपने पूरे करियर के दौरान, अमोस अल्पसंख्यक कॉलेज के छात्रों के लिए राष्ट्रीय स्वास्थ्य संस्थान और फेडरेशन ऑफ अमेरिकन सोसायटी फॉर एक्सपेरिमेंटल बायोलॉजी कार्यक्रमों के समर्थक रहे ।अमोस को हॉवर्ड विश्वविद्यालय (1989) से पहला चार्ल्स ड्रू विश्व चिकित्सा पुरस्कार और राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी (1995) से लोक कल्याण पदक मिला। वे अमेरिकन एकेडमी ऑफ आर्ट्स एंड साइंसेज (1974) के लिए चुने गए और अमेरिकन एसोसिएशन फॉर द एडवांसमेंट ऑफ साइंस (1991) और इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिसिन, नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज (1991) के फेलो रहे। इसके अतिरिक्त, अमोस को विविधता में उनके योगदान के लिए पहला वार्षिक हेरोल्ड अमोस फैकल्टी डायवर्सिटी अवार्ड भी मिला। अपने विद्वत्तापूर्ण कार्य के लिए, अमोस को कई पुरस्कार मिले। उन्हें हार्वर्ड विश्वविद्यालय (1996) से मानद डॉक्टरेट की उपाधि और हार्वर्ड ग्रेजुएट स्कूल ऑफ आर्ट्स एंड साइंसेज (2000) का शताब्दी पदक मिला। हार्वर्ड विश्वविद्यालय में एमोस प्रयोगशाला उनके नाम पर रखा गया जहाँ ट्राजोलियम से संबंधित 1978 प्रयोगों के शोध नोट्स मैक्सिमाइज़िंग माइक्रोबायोलॉजी संग्रह में उपलब्ध हैं। ये नोट्स संभवतः रेडॉक्स संकेतकों के रूप में टेट्राजोलियम यौगिकों के उपयोग से संबंधित हैं, जो एक ऐसी तकनीक है जिसका उपयोग जैविक अनुसंधान में कोशिकीय व्यवहार्यता और चयापचय गतिविधि का आकलन करने के लिए आमतौर पर किया जाता है। एमिनोऑक्सीएसीटेट और डी-साइक्लोसेरीन द्वारा इंसुलिन-उत्तेजित डीएनए संश्लेषण के अवरोधन के संबंध में एमोस और ग्रोएलके द्वारा किए गए इसमें एमोस द्वारा अप्रैल 1985 में प्रकाशित शोधपत्र एमिनोऑक्सीएसीटेट द्वारा कोशिका वृद्धि का अवरोधन पर किया गया जो हार्वर्ड मेडिकल स्कूल के अपने सहयोगी केनेथ जी. मैंडेल के साथ किए गए अमोस के शोध पर आधारित एक शोधपत्र के परिणाम अनुभाग का प्रारूप, जिसका शीर्षक है संवर्धित नील हैम्स्टर फाइब्रोब्लास्ट्स के स्पष्ट संचयन में के बाकोशिकीय जल-अपघटन की भूमिका ठअऊ+ का अर्थ है निकोटिनामाइड एडेनिन डाइन्यूक्लियोटाइड, निकोटिनामाइड एडेनिन डाइन्यूक्लियोटाइड फॉस्फेट एक सह एंजाइम है जो कोशिकाओं में इलेक्ट्रॉनों के वाहक के रूप में कार्य करता है। यह निकोटिनामाइड एडेनिन डाइन्यूक्लियोटाइड का एक रूप है जिसमें एडेनोसिल भाग के C-2 स्थान पर एक अतिरिक्त फॉस्फेट समूह जुड़ा होता है। NADP+ के अपचयित रूप को NADP H कहते हैं और यह रेडॉक्स प्रतिक्रियाओं में भाग लेता है, जो इसे कोशिका वृद्धि, ऊर्जा उत्पादन और विभिन्न चयापचय मार्गों में महत्वपूर्ण बनाता है। 26 फरवरी, 2003 (आयु 84) बोस्टन, मैसाचुसेट्स में उनका निधन हो गया लेकिन माइक्रो बायोलॉजिकल के क्षेत्र में एमोस द्वारा किये गए शोध को आज भी छात्र पढ़ते हैं।

शिक्षा के माध्यम से महिलाओं का सशक्तिकरण: सावित्री बाई फुले की विरासत

-सावित्री ठाकुर

शिक्षक दिवस उन महान व्यक्तित्वों को सम्मानित करने का अवसर है, जो अपने ज्ञान और मार्गदर्शन से राष्ट्र का भविष्य संवारते हैं। इस दिन हम भारत की प्रथम महिला शिक्षिका और समाज सुधारक सावित्रीबाई फुले (1831-1897) को श्रद्धापूर्वक याद करते हैं, जिन्होंने हमारे देश में महिला शिक्षा की नींव रखने के लिए पुराने सामाजिक पूर्वाग्रहों को साहसपूर्वक चुनौती दी थी। ऐसे दौर में जब महिलाओं की शिक्षा को नापसंद किया जाता था और अक्सर हिंसक तरीके से इसका विरोध किया जाता था, सावित्रीबाई फुले ने अपने पति महात्मा ज्योतिबा फुले के साथ मिलकर 1848 में पुणे में लड़कियों के लिए स्कूल खोले। उन्होंने केवल पढ़ाया ही नहीं, बल्कि पाठ्यक्रम भी तैयार किए और महिलाओं को ज्ञान अर्जित करने के लिए प्रेरित करने हेतु कविताएँ भी लिखीं। उनका जीवन साहस का प्रमाण था—वह रोजाना एक अतिरिक्त साड़ी के साथ स्कूल जाती थीं, क्योंकि रूढ़िवादी पुरुष उन पर कीचड़ और पत्थर फेंकते थे। फिर भी वह डटी रहीं, क्योंकि वह जानती थीं कि भारत का भविष्य उसकी बेटियों की शिक्षा में निहित है। सावित्रीबाई फुले अपने संघर्ष में अकेली नहीं थीं। भारत के समाज सुधार की यात्रा को राजा राम मोहन राय जैसे महान व्यक्तित्वों ने दिशा दी, जिन्होंने सती प्रथा, बाल विवाह के खिलाफ आवाज उठाई और महिला शिक्षा का समर्थन किया। ईश्वरचंद्र विद्यासागर ने विधवा पुनर्विवाह और बालिका शिक्षा की वकालत की। आगे चलकर महात्मा गांधी ने भी इस बात पर जोर दिया कि महिलाओं की शिक्षा सामाजिक परिवर्तन का सबसे शक्तिशाली माध्यम है। इन सभी सुधारकों का मानना था कि जब तक महिलाएँ शिक्षा से सशक्त नहीं होंगी, भारत को सच्चे अर्थों में स्वतंत्रता नहीं मिल सकती। यह विरासत आज भी आधुनिक भारत की आकांक्षाओं को दिशा दे रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अक्सर इस बात पर जोर दिया है कि भारत की विकास यात्रा महिलाओं के नेतृत्व वाले विकास से आगे बढ़ेगी। विकसित भारत@2047 का विजन भी इसी सोच पर आधारित है, जिसमें महिलाओं को राष्ट्र निर्माण का समान भागीदार बनाया गया है, और इस सशक्तिकरण की नींव शिक्षा है। स्वतंत्रता के बाद से इस दिशा में हुई प्रगति उल्लेखनीय रही है। महिला साक्षरता, जो 1951 में मुश्किल से 8.86 प्रतिशत थी, आज बढ़कर 65.46 प्रतिशत (2011 की जनगणना के अनुसार) हो चुकी है और हाल के सर्वेक्षणों से स्कूलों में लड़कियों के बढ़ते नामांकन यह इंगित करते हैं कि इसमें लगातार सुधार हो रहा है ।एकीकृत जिला शिक्षा सूचनाप्रणाली (यूडीआईएसई+) 2021-22 के अनुसार, प्राथमिक स्तर पर लड़कियों का सकल नामांकन अनुपात (जीईआर) अब लड़कों की तुलना में अधिक है। मोदी सरकार ने 2015 में बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ योजना शुरू की, जिसने समाज की सोच बदली, बाल लिंगानुपात में सुधार किया और स्कूली शिक्षा के हर स्तर पर लड़कियों के नामांकन को बढ़ाया। पोषण अभियान, मिशन शक्ति और सामर्थ्य जैसी पहल मिलकर ऐसा ढांचा तैयार करती हैं, जिसमें शिक्षा को पोषण, सुरक्षा और अवसर का सहारा मिलता है। यूडीआईएसई+ 2024-25 के आँकड़े बताते हैं कि पहली बार भारत में महिला शिक्षकों की संख्या कुल स्कूली शिक्षकों का 54.2 प्रतिशत हो गई है, जो 2014-15 के 46.9 प्रतिशत से कहीं अधिक है। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने एक ऐतिहासिक कदम उठाते हुए, राष्ट्रीय जन सहयोग एवं बाल विकास संस्थान का नाम बदलकर सावित्रीबाई फुले राष्ट्रीय महिला एवं बाल विकास संस्थान कर दिया है ।यह संस्थान महिलाओं और बच्चों से संबंधित कार्यक्रमों को मजबूत बनाने के लिए क्षमता निर्माण, प्रशिक्षण और अनुसंधान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है और यह सुनिश्चित करता है कि नीतियाँ जमीनी स्तर पर प्रभावी रूप से क्रियान्वित हों। सावित्रीबाई फुले के नाम के साथ, यह संस्थान शिक्षा और सुधार के माध्यम से महिला सशक्तिकरण के उनके विजन के प्रति जीवंत श्रद्धांजलि है। फिर भी कुछ चुनौतियाँ बनी हुई हैं। कम उम्र में विवाह, सुरक्षा की चिंता और आर्थिक कारणों से कई लड़कियाँ माध्यमिक स्तर पर पढ़ाई छोड़ देती हैं। सरकार इन चुनौतियों को दूर करने के लिए छात्रवृत्ति, आवासीय सुविधा, मासिक धर्म स्वच्छता पहल और डिजिटल शिक्षा के अवसर उपलब्ध करा रही है, ताकि हर लड़की बिना रुकावट अपनी पढ़ाई पूरी कर सके। महिला शिक्षकों की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है। वे केवल पढ़ाने का काम नहीं करतीं, बल्कि लाखों बालिकाओं के लिए प्रेरणा और आदर्श भी बनती हैं। इसी तरह वे सावित्रीबाई फुले की मशाल को आगे बढ़ा रही हैं। अध्ययन बताते हैं कि ग्रामीण क्षेत्रों में महिला शिक्षकों की उपस्थिति से लड़कियों का स्कूल में नामांकन और पढ़ाई जारी रखने की संभावना बढ़ जाती है। गरीबी के चक्र को तोड़ने और परिवारों को बेहतर भविष्य का सपना दिखाने में उनका योगदान बेहद अहम है। विकसित भारत की ओर जैसे-जैसे भारत 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने के लक्ष्य की ओर अग्रसर है, शिक्षा विकास का प्रमुख वाहक बनी हुई है। विशेषकर महिलाओं की शिक्षा, इसके प्रभाव को कई गुना बढ़ा देती है: शिक्षित महिलाएँ बेहतर स्वास्थ्य सेवा, कम शिशु मृत्युदर, उच्च पारिवारिक आय और मजबूत समुदाय सुनिश्चित करती हैं। यूनेस्को के अनुसार, एक लड़की की स्कूली शिक्षा का प्रत्येक अतिरिक्त वर्ष उसकी भविष्य की आय में 10-20 प्रतिशत की वृद्धि करता है।

सरकारों में विदेशी फार्मों से लोकतांत्रिक शासन में नीतिगत जोखिम

-डॉ दीपक द्विवेदी

भारत, एक लोकतांत्रिक राष्ट्र होने के नाते, नीति निर्माण और प्रशासनिक निर्णयों में जनहित, पारदर्शिता और राष्ट्रीय स्वायत्तता को सर्वोच्च प्राथमिकता देता है। हाल के वर्षों में, केंद्र और राज्य सरकारों ने विभिन्न परियोजनाओं और विभागों में वैश्विक परामर्शदाता फर्मों को शामिल करना शुरू कर दिया है। इन फर्मों से सरकारों को मानव संसाधन, आधुनिक प्रबंधन पद्धतियों, अनुभव और तकनीकी विशेषज्ञता का लाभ लेना है लेकिन इनकी भागीदारी ने कई गंभीर नीतिगत और लोकतांत्रिक जोखिम उत्पन्न किये हैं। आज-कल वित्तीय मैनेजमेंट, व्यवस्था प्रबंधन, डिजिटल गवर्नेंस, शहरी विकास, ऊर्जा और आईटी इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं की संवेदनशील प्रोजेक्ट स्ट्रेटेजी एवं अन्य जानकारियां न केवल प्रशासनिक दृष्टि से बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा और आर्थिक संप्रभुता के दृष्टिकोण से संवेदनशील डाटा सीधे इन विदेशी फर्मों को मिल रहा है। क्योंकि सिविल सेवा के अधिकारियों की भ्रष्ट कार्यप्रणाली ने इन विदेशी फर्मों को प्रशासनिक लाभ देते हुए शासन के अंदर पैठ बनाने मे महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। सरकारों के स्वयं के संस्थों जैसे सुशासन आयोग, नीति आयोग, लोक सेवा प्रबंधन जैसी संस्थाओं के होते हुये आउट सोर्स और ईआरपी के द्वारा इन बहुराष्ट्रीय कंपनियों ने सरकारों को आंकड़ों की बाजीगरी कर जकड़ना शुरू कर दिया है। कई वरिष्ठ सिविल सेवा के अधिकारी सेवानिवृत या नौकरी छोड़ इन्ही विदेशी फार्मों के लिये काम कर रहे है और अपने प्रभाव का उपयोग कर सरकारों में विदेशी फार्मों की इंट्री करवा रहे है। विदेशी फर्में नीति निर्माण और रणनीतिक निर्णयों में प्रभाव डालती हैं। उनका दृष्टिकोण सामान्यतः वैश्विक कॉर्पोरेट मानकों पर आधारित होता है, जो हमेशा भारतीय परिस्थितियों और सामाजिक-सांस्कृतिक आवश्यकताओं के अनुरूप नहीं होता। परिणामस्वरूप, नीति निर्माण पर विदेशी निवेशकों और बहुराष्ट्रीय कंपनियों का अप्रत्यक्ष प्रभाव बढ़ता है। लोकतंत्र का मूल सिद्धांत है कि नीतियाँ जनता और उनके निर्वाचित प्रतिनिधियों के माध्यम से बनें। विदेशी परामर्शदाता का हस्तक्षेप इस प्रक्रिया में जनप्रतिनिधियों की भूमिका को सीमित करता है। इसके अतिरिक्त, जवाबदेही की समस्या भी उत्पन्न होती है। परामर्शदाता फर्में सीधे जनता के प्रति उत्तरदायी नहीं होतीं, जिससे नीति निर्माण में पारदर्शिता और लोकतांत्रिक जवाबदेही कमजोर हो सकती है विदेशी फर्मों से नीतिगत उपनिवेशवाद को ही बढ़ावा मिल रहा जिसमें नीतियां विदेशी दृष्टिकोण और वैश्विक हितों पर आधारित होती हैं। स्थानीय विशेषज्ञता और क्षमता निर्माण को हीन भावना से देखने के कारण स्वयं की स्वतंत्रता और आत्मनिर्भरता प्रभावित होती है और स्थानीय थिंक टैंक, अकादमिक संस्थान और भारतीय विचारों के अवसर सीमित हो रहे हैं। भारत में सरकारी तथा स्वशासी, अनेक योग्य संस्थान और शोध संगठन उपलब्ध हैं, जो नीति परामर्श में सक्षम हैं। निजी क्षेत्र में कई भारतीय परामर्शदाता कंपनियां और स्टार्टअप्स किफायती, स्थानीय दृष्टिकोण वाली और प्रभावी सेवाएँ प्रदान कर सकते हैं। विदेशी परामर्शदाता फर्मों की विशेषज्ञता उपयोगी हो सकती है। किंतु लोकतांत्रिक और राष्ट्रीय दृष्टि से स्वदेशी कंपनियों और संस्थाओं को प्राथमिकता देना अधिक तार्किक और सुरक्षित है। मध्य प्रदेश ही नहीं, पूरे भारत में नीति निर्माण का आधार स्थानीय आकांक्षाएं, राष्ट्रीय हित और स्वदेशी विशेषज्ञता होना चाहिए। यही मार्ग सुरक्षित, आत्मनिर्भर और लोकतांत्रिक भारत की दिशा में सही कदम है।

आज का राशिफल

मेष आज आपको अपने कार्यक्षेत्र में कुछ नए अधिकार प्राप्त हो सकते हैं, जिससे मन प्रसन्न रहेगा।

तुला आज व्यापार के मामले में आपकी कुछ नए लोगों से मुलाकात हो सकती है।

वृषभ आज कारोबार के मामले में दिन अच्छा रहने वाला है और आपको अपनी मेहनत का शुभ फल प्राप्त होगा।

वृश्चिक बिजनेस के मामले में किसी अनुभवी व्यक्ति की सलाह लेने की जरूरत पड़ सकती है।

मिथुन आज समाज में आपके मान-सम्मान में वृद्धि हो सकती है और कार्यक्षेत्र में भी प्रभाव बढ़ेगा।

धनु कार्यक्षेत्र में किसी महत्वपूर्ण मीटिंग या चर्चा में सभी आपके सुझावों को गंभीरता से लेंगे।

कर्क कोई उत्तम संपत्ति का सुख प्राप्त हो सकता है और लंबे समय से कहीं धन रुका हुआ था, वह मिलेगा।

मकर आज कामकाज के सिलसिले में आपको किसी यात्रा पर जाना पड़ सकता है।

सिंह आज कार्यक्षेत्र में आपको अपने मित्रों और अन्य सहकर्मियों की भावनाओं को समझना होगा।

कुंभ दिन सामान्य से बेहतर रहने वाला है क्षेत्र से जुड़े लोगों को बड़ी सफलता प्राप्त हो सकती है।

कन्या सावधान रहने की जरूरत है, इस समय आपको अधिक खर्चों का सामना करना पड़ सकता है।

मीन आपको अपना कहीं रुका या खोया हुआ पैसा अब वापस मिल सकता है, जिससे मन प्रसन्न रहेगा।

विशेष

बंगाल विधानसभा में लगे वोट चोरी के नारे

पश्चिम बंगाल की विधानसभा में गुरुवार को जमकर हगामां हुआ। वोट चोर गद्दी छोड के नारे लगे। भाजपा के विधायकों ने विरोध, हंगामा किया। मार्शल के जरिए भाजपा के विधायकों को सदन के बाहर किया गया। वोट चोर का मुद्दा धीरे-धीरे बिहार से निकाल कर अन्य राज्यों तक पहुंच रहा है। भाजपा और विपक्षी दलों के बीच में सदन के अंदर सदन के बाहर सड़कों पर अब वोट चोरी के आरोप में भाजपा को घेरा जा रहा है। चुनाव आयोग और न्यायपालिका भी अब जनता जनार्दन के निशाने पर है। लोग कहने लगे हैं, कि जो बांग्लादेश में हुआ था। कहीं वह भारत में ना हो जाए। इस तरह की आशंकाएं बढ़ती जा रही हैं।

देश की राजधानी दिल्ली बाढ में डूबी

देश की राजधानी नई दिल्ली इन दिनों पानी में डूबी हुई है। सड़कों पर पानी भरा हुआ है। सचिवालय, केंद्र सरकार और राज्य सरकार के कार्यालयों में पानी भर गया है। आधी दिल्ली पानी में डूब चुकी है। सबसे ज्यादा खराब हालत यमुना नदी के किनारो मैं बनी बस्तियों की है। एक बारिश ने दिल्ली के हुक्मरानों को बता दिया है। अपने आप को भगवान मत समझो। विकास के नाम पर विनाश मत करो। एक ही बारिश ने दिल्ली में हाहाकार मचा दिया है। केंद्र और राज्य सरकार मिलकर भी कुछ नहीं कर पा रही है। अब नेताओं को समझ आने लगा है,बतोले- बाजी से कुछ होने वाला नहीं है। काम भी करना पड़ेगा। नहीं तो जनता सड़कों पर आकर सबक सिखाएगी।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1665: मुगलों और शिवाजी में पुरंधर की संधि हुई थी. 1825: दादा भाई नौरोजी का जन्म. 1887: गांधीजी कानून की शिक्षा लेने ब्रिटेन गए. 1932: फ्रांस और पोलैंड के बीच आपसी सहायता समझौता हुआ. 1959: लाओस में आपातस्थिति की घोषणा हुई. 1964: ब्रिटिश राष्ट्रकुल की फौजों ने मलाया में इंडोनेशियाई छापामारों के खिलाफ कार्यवाही शुरू की. 1975: मिस्त्र और इजरायल के प्रतिनिधियों ने जेनेवा में अंतरिम शांति समझौते पर हस्ताक्षर किए. 1987: ईरान ने इराक से युद्ध समाप्त करने के लिए राष्ट्र संघ की योजना लागू करने पर सहमति व्यक्ति की. 1990: अमरीकी राष्ट्रपति ने कांग्रेस से मिस्त्र का सात अरब डॉलर का ऋण माफ करने को कहा. 1997 लेखक धर्मवीर भारती का निधन. 2001 सुप्रीम कोर्ट ने व्यवस्था देते हुए कहा कि सात फेरों के बिना विवाह वैध.

दैनिक पंचांग

सितम्बर 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

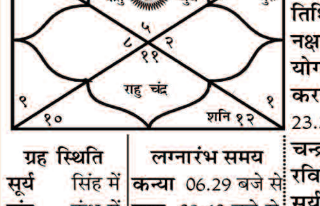

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	सिंह में	कन्या	06.29 बजे से
चंद्र	कुंभ में	तुला	08.40 बजे से
मंगल	कन्या में	वृश्चिक	10.55 ब.से
बुध	सिंह में	धनु	13.11 बजे से
गुरु	मिथुन में	मकर	15.16 बजे से
शुक्र	कर्क में	कुंभ	17.02 बजे से
शनि	मीन में	मीन	18.35 बजे से
राहु	कुंभ में	मेष	20.06 बजे से
केतु	सिंह में	वृष	21.46 बजे से
राहुकाल 4.30 से 6.00 बजे तक		मिथुन	23.44 बजे से
		कर्क	01.57 बजे से
		सिंह	04.14 बजे से

2025 वर्ष का 250 वा दिन
दिशाशूल पश्चिम **ऋतु** वर्षा।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास भाद्रपद **पक्ष** शुक्ल
तिथि पूर्णिमा 23.39 बजे को समाप्त।
नक्षत्र शतभिषा 21.42 बजे को समाप्त।
योग सुकर्मा 09.23 बजे को समाप्त।
करण विष्टि 12.44 बजे तदनन्तर बव 23.39 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 14.8 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 06° 03'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872460
जूलियन दिन 2460925.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना रवि उलावल **तारीख** 14
विशेष चंद्र ग्रहण, पूर्णिमा उपवास, पूर्णिमा श्राद्ध।

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
उद्वेग	05.56 से	07.23 बजे तक		शुभ	05.36 से	07.09 बजे तक	
चर	07.23 से	08.51 बजे तक		अमृत	07.09 से	08.41 बजे तक	
लाभ	08.51 से	10.18 बजे तक		चर	08.41 से	10.14 बजे तक	
अमृत	10.18 से	11.46 बजे तक		रोग	10.14 से	11.46 बजे तक	
काल	11.46 से	01.14 बजे तक		काल	11.46 से	01.19 बजे तक	
शुभ	01.14 से	02.41 बजे तक		लाभ	01.19 से	02.51 बजे तक	
रोग	02.41 से	04.09 बजे तक		उद्वेग	02.51 से	04.24 बजे तक	
उद्वेग	04.09 से	05.36 बजे तक		शुभ	04.24 से	05.53 बजे तक	

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

गंदगी से पटे हैं शहर के तालाब, कैसे होगा पितृ पक्ष में तर्पण

धनबाद, एजेंसी। सात सितंबर को अगस्त्य तर्पण होगा, जबकि आठ सितंबर से पितृ पक्ष शुरू हो रहा है। पितृ पक्ष में पितरों के नाम से नदी व तालाबों में तर्पण किया जाता है, लेकिन कोयलांचल के तालाब गंदगी से पटे हैं। ऐसी स्थिति में इन तालाबों में तर्पण कैसे किया जायेगा। शहर के बेकारबांध, रानीबांध, राजा तालाब, विकास नगर छठ तालाब, मटकुरिया छठ तालाब, कोयला नगर तालाब गंदगी से पटे हैं। कहीं जलकुंभी तो कहीं प्रतिमा विसर्जन का कचरा पानी में तैर रहा है। बेकारबांध में पानी साफ है, लेकिन यहां घाट की सीढियां काफी ऊंची हैं। राजा तालाब में पानी में उतरने का रास्ता ही नहीं है। इन तालाबों की सिर्फ कार्तिक माह में होनेवाले छठ महापर्व में साफ–सफाई होती है। ऐसे में पितृ पक्ष में पितरों के तर्पण के लिए घरों में ही व्यवस्था की जा रही है। दामोदर नदी में भी लोग तर्पण करने के लिए जाते हैं। सनातन धर्म में पितृपक्ष का विशेष महत्व है। पितृपक्ष आश्विन माह की प्रतिपदा से शुरू होता है, जो अमावस्या तक चलता है। पंडित गुणानंद झा ने बताया कि सात सितंबर को अगस्त्य तर्पण है। वहीं आठ सितंबर से पितृपक्ष शुरू होगा। इस बार पितृ पक्ष 14 दिनों का है। नवमी व दशमी तिथि एक ही दिन है। एक तिथि का क्षय है। पितृ पक्ष का समापन 21 सितंबर को सर्वपितृ अमावस्या के दिन होगा। पितृपक्ष के समय पूर्वजों को याद करने व उनकी आत्मा की शांति के लिए श्राद्ध, तर्पण व पिंडदान जैसे कर्मकांड किये जाते हैं। मान्यता है कि इस दौरान दान–पुण्य करने से पूर्वजों का आशीर्वाद मिलता है और पितृ दोष खत्म होता है। जिन पितरों के बच्चे पितृ पक्ष में तर्पण नहीं करते हैं। उन्हें निराशा होती है। इससे परिवार में विघ्न बाधा आती है।

खदानों की करायी जायेगी सेफ्टी ऑडिट, अवैध माइनिंग के खिलाफ चलेगा अभियान -सीएमडी

धनबाद, एजेंसी। बीसीसीएल के सीएमडी मनोज अग्रवाल ने कहा कि कंपनी के कतरास एरिया स्थित एकेडब्ल्यूएमसी परियोजना में पांच सितंबर को खदान हादसे के तुरंत बाद धनसार स्थित माइन रेस्क्यू स्टेशन (एमआरएस) की टीम ने रेस्क्यू ऑपरेशन प्रारंभ किया। इसकी निगरानी कोयला भवन स्थित कंट्रोल से कंपनी के वरिष्ठ अधिकारी लगातार करते रहे। धनबाद के उपायुक्त ने तत्काल एनडीआरएफ की सहायता सुनिश्चित की और डीजीएमएस अधिकारियों ने स्थल पर निगरानी की। उन्होंने कहा कि एनडीआरएफ और बीसीसीएल की रेस्क्यू टीम ने संयुक्त रूप से बचाव अभियान चलाया। इस अभियान में मुनीडीह के गोताखोरों का सहयोग भी उल्लेखनीय रहा। बीसीसीएल सीएमडी श्री अग्रवाल ने कहा कि हादसे में जिन सात लोगों की जान गयी है उनमें रूपक महता, राहुल रवानी, स्वरूप गोप, अमन कुमार सिंह, अमित बगाल व वैन चालक गयासुर दास शामिल है। एक शव की पहचान अभी नहीं हो सकी है। यह एक अत्यंत दु:खद और संवेदनशील घटना है। हमारी रेस्क्यू और एनडीआरएफ टीमों ने कठिन परिस्थितियों में साहस, दृढ़निश्चय और समर्पण का परिचय दिया। जिला प्रशासन, स्थानीय लोगों और श्रमिक संगठनों का सहयोग सराहनीय रहा। सभी मृतक कर्मियों के परिजनों को आउटसोर्सिंग कंपनी के द्वारा वैधानिक मुआवजा, अनुग्रह राशि तथा कॉर्पोरेट वेतन खाता बीमा योजना के अलावा अधिकतम वित्तीय सहायता देने का आश्वासन दिया गया है। साथ ही त्वरित सहायता, सामाजिक सहयोग और पुनर्वास के उपाय सुनिश्चित किये जायेंगे। सीएमडी श्री अग्रवाल ने बताया कि भविष्य में ऐसी दुर्घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए आइआइटी–आइएसएफ व सिंफर जैसे तकनीकी संस्थानों से सेफ्टी ऑडिट करायी जायेगी। साथ ही, दुर्घटना के कारणों का गहराई से विश्लेषण किया जायेगा। उन्होंने यह भी कहा कि बीसीसीएल पहले से ही अपने डंप (ओबी/कोयला) क्षेत्रों में आंतरिक एवं अंतरक्षेत्रीय सेफ्टी ऑडिट कराता है, ताकि सुरक्षा मानकों को बेहतर बनाया जा सके और संभावित जोखिमों को रोका जा सके।

आम और तरबूज में झारखंड बना आत्मनिर्भर, बिरसा हरित ग्राम योजना से 1।67 लाख परिवारों की आय में वृद्धि

रांची, एजेंसी। झारखंड आम और तरबूज के उत्पादन में आत्मनिर्भर बन चुका है। इस उपलब्धि के पीछे बिरसा हरित ग्राम योजना की अहम भूमिका है। इस योजना के पांच वर्ष पूरे हो चुके हैं और इन पांच वर्षों में बड़े पैमाने पर आम की बागवानी की गई है। झारखंड पहला राज्य है जहां किसानों को बागवानी के साथ–साथ फलदार वृक्षों की देखरेख में सरकार की ओर से मदद की जाती है और यह मदद कम से कम पांच वर्षों के लिए होती है। इन पांच वर्षों में परिवर्तन दिखने भी लगा है ।बिरसा हरित ग्राम योजना के माध्यम से झारखंड में आम और तरबूज की खेती कर ना सिर्फ किसानों की आमदनी बढ़ी बल्कि झारखंड का भी कायाकल्प हो गया है। हाल के वर्षों तक आम और तरबूज के उत्पादन को लेकर बिहार पर आश्रित रह रहा झारखंड अब दोनों फसलों के उत्पादन में आत्मनिर्भर बन गया है। इस योजना के तहत पिछले पांच वर्षों में डेढ़ करोड़ के करीब फलदार पौधे लगाए गए हैं और इनमें आम की अधिकता है। बिरसा हरित ग्राम योजना के तहत आम के पौधों को लगाने के साथ–साथ पांच वर्षों तक उसकी देखरेख की जिम्मेदारी भी विभाग ने उठाई है।

जिला परिषद : सात करोड़ की लागत से बनी 21 में 17 विवाह भवन बने डेड एसेट

धनबाद, एजेंसी। अशोक कुमार, धनबाद। करीब 15 वर्ष पूर्व जिला परिषद धनबाद ने अपनी आंतरिक आय बढ़ाने के उद्देश्य से जिले भर में 21 बहुउद्देशीय भवन और विवाह मंडपों का निर्माण कराया था। इन पर लगभग सात करोड़ रुपये की लागत आयी थी। उद्देश्य था कि ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में कम लागत पर विवाह व सामाजिक कार्यक्रमों के लिए उपयुक्त स्थान उपलब्ध कराया जाये और परिषद की आय भी बढ़े। लेकिन डेढ़ दशक गुजरने के बाद भी परिषद निर्माण लागत तक वसूल नहीं कर पायी है। आज स्थिति यह है कि 21 में से 17 विवाह भवन पूरी तरह डेड एसेट बन गये हैं। कई भवन ऐसे हैं, जिनकी आज तक एक बार भी बुकिंग नहीं हुई है।

वर्तमान में जिले के केवल चार भवन ही चालू हैं। इनमें एलसी रोड पर कला भवन के सामने स्थित बहुउद्देशीय भवन, हीरापुर झरनापाड़ा का विवाह मंडप, मुगमा निरीक्षण भवन का विवाह मंडप और गोविंदपुर निरीक्षण भवन का विवाह मंडप शामिल हैं। इसके अलावा गोल्फ ग्राउंड पानी टंकी के समीप स्थित बहुउद्देशीय भवन और खड़ेश्वरी मंदिर के पास का विवाह मंडप प्राइवेट पार्टियों ने सरेंडर कर दिया है।

जिला परिषद इन सरेंडर किये गये भवनों को लीज पर देने की दिशा में कदम बढ़ा रहा है। जानकारी के अनुसार गोल्फ ग्राउंड पानी टंकी के पास स्थित विवाह मंडप को एक एनजीओ बालिका गृह के संचालन के लिए किराये पर लेना चाहता है। वहीं खड़ेश्वरी मंदिर के बगल वाले विवाह मंडप को एक अन्य एनजीओ नशा मुक्ति केंद्र के लिए लीज पर लेने का इच्छुक है।

धनबाद प्रखंड में पांच विवाह भवन बने थे। इनमें से सिर्फ दो चालू हैं, जबकि बेकारबांध जिला परिषद कॉलोनी का भवन सालों से बिना बुकिंग बंद पड़ा है। बाघमारा प्रखंड में बने छह विवाह भवनों की भी यही स्थिति है। इनमें से एक की भी बंदोबस्ती नहीं हो पायी है। निरसा प्रखंड के तीन भवनों में दो वर्षों से बंद पड़े हैं। कलियासोल और टुंडी प्रखंडों में बने विवाह मंडप आज तक बंदोबस्ती के इंतजार में हैं। तोपचांची प्रखंड के तीन विवाह भवन भी लंबे समय से बेकार पड़े हैं। गोविंदपुर के दो भवनों में से केवल एक ही लीज पर है।

जिला परिषद अध्यक्ष शारदा सिंह का कहना है कि ग्रामीण इलाकों के विवाह भवनों की बंदोबस्ती के लिए तय न्यूनतम राशि अधिक है। इससे बुकिंग के लिए किराया इतना बढ़ जाता है कि ग्रामीण इसे देने में सक्षम नहीं होते। यही वजह है कि भवन खाली पड़े रहते हैं। इस स्थिति को सुधारने के लिए न्यूनतम राशि घटाने पर विचार हो रहा है और जल्द ही बोर्ड में प्रस्ताव लाया जायेगा। कई भवनों की मरम्मत जरूरी है, लेकिन 15वें वित्त आयोग की राशि अभी तक नहीं मिलने के कारण फंड की कमी सबसे बड़ी चुनौती है।

जिला परिषद सदस्य विकास महतो का आरोप है कि विवाह भवनों का निर्माण सही योजना और जरूरत को ध्यान में रखकर नहीं किया गया। ग्रामीण क्षेत्रों में इन्हें ऐसी जगहों पर खड़ा कर दिया गया, जहां लोगों की पहुंच और आवश्यकता दोनों सीमित थी। ऊपर से किराया भी ग्रामीणों के लिए अधिक है। यही कारण है कि कई भवनों की आज तक एक भी बुकिंग नहीं हो पायी है।

पलामू में मां द्वारा बेटे को बेचने का मामला- बच्चे को किया गया रेस्क्यू, 50 हजार में हुआ था सौदा

पलामू, एजेंसी। जिले में एक मां द्वारा बेटे को बेचे जाने के मामले में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए नवजात का रेस्क्यू कर लिया है। बच्चे को फिलहाल उसकी मां को सौंपा गया है। लेस्लीगंज पुलिस महिला को लेकर लातेहार पहुंची थी। इस पूरे मामले में आगे की कार्रवाई बाल कल्याण समिति के द्वारा की जाएगी।

दरअसल, पलामू लेस्लीगंज थाना क्षेत्र के लोटा गांव की पिंकी देवी नामक महिला ने अपने नवजात बेटे को लातेहार के एक दंपती को 50 हजार रुपये में बेच दिया था। मीडिया में खबर प्रकाशित %मां ने 50 हजार में कर दिया अपने बेटे का सौदा! जानें, क्या है पूरा मामला% होने के बाद इस मामले में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने संज्ञान लिया।

मुख्यमंत्री ने पूरे मामले में पलामू डीसी को कार्रवाई का निर्देश दिया था। इसके बाद लेस्लीगंज थाना की पुलिस ने कार्रवाई करते हुए लातेहार से बच्चे का रेस्क्यू किया है। लेस्लीगंज थाना की एक टीम पिंकी देवी को लेकर लातेहार गई थी, जिसके बाद नवजात का रेस्क्यू किया गया।

जिस दंपती के हाथों नवजात को बेचा गया था, वह निसंतान है।

शनिवार को पलामू की बाल कल्याण समिति पिंकी देवी के घर गई थी और पूरे मामले की जानकारी ली थी। बाल कल्याण समिति ने भी जिला प्रशासन को कार्यवाही का निर्देश दिया था। जिसके बाद पलामू जिला प्रशासन पूरे मामले में पिंकी देवी के घर पहुंची और पूरे हालात की जानकारी ली। लेस्लीगंज प्रखंड कार्यालय के तरफ से परिजनों को आर्थिक सहायता उपलब्ध करवाई गई।

बच्चे का रेस्क्यू किया गया है और पूरे मामले की जानकारी बाल कल्याण समिति को दी जा रही है। बच्चे को खरीदने वाली दंपती के पास कोई भी संतान नहीं है। पूरे मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई भी की जा रही है- उत्तम कुमार राय, लेस्लीगंज थाना प्रभारी

दरअसल, नवजात को बेचने वाली दंपती गरीबी और बीमारी से जूझ रही है। बच्चे को जन्म देने वाली पिंकी को स्तन कैंसर जैसी बीमारी है। पिंकी देवी के पहले से दो बेटे और दो बेटियां मौजूद है। पिंकी देवी ने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा था कि गरीबी के कारण उन्होंने बच्चे को बेच दिया है।

गुमला में सड़क हादसा: एक बच्चे की मौत:दूसरा गंभीर रिम्स रेफर किया गया, मदरसे से बिना बताए निकले थे गांव

गुमला, एजेंसी। गुमला जिले के भरनो थाना क्षेत्र के नावाटोली के पास शनिवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। हादसे में 12 साल के फरहान मिर्दाहा की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसका साथी मुर्सिल मिर्दाहा गंभीर रूप से घायल हो गया। दोनों बच्चे बेड़ों थाना क्षेत्र के हाटू मदरसे में पढ़ाई करते थे। जानकारी के अनुसार, सुबह दोनों बच्चे बिना किसी को बताए मदरसे से निकल गए थे और पैदल अपने गांव सुपा लौट रहे थे।

अज्ञात वाहन ने मारी जोरदार टक्कर

ग्रामीणों ने बताया कि बच्चे जब सड़क पार कर रहे थे, उसी दौरान तेज रफ्तार से आ रहे एक अज्ञात वाहन ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में फरहान ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। दूसरी ओर, मुर्सिल बुरी तरह घायल हो गया। स्थानीय लोगों की मदद से उसे तुरंत भरनो अस्पताल पहुंचाया गया। वहां से डॉक्टरों ने उसकी गंभीर स्थिति देखते हुए बेहतर इलाज के लिए रिम्स रांची रेफर कर दिया।

फरहान की मौत की खबर मिलते ही उसके गांव सुपा में मातम छा गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। परिजनों ने बताया कि दोनों बच्चे पढ़ाई में अच्छे थे और अक्सर साथ ही रहते थे। लेकिन अचानक हुए इस हादसे ने पूरे परिवार को गहरे सदमे में डाल दिया। ग्रामीणों ने भी घटना पर गुस्सा जताया और प्रशासन से दोषी वाहन चालक की गिरफ्तारी की मांग की।

गुस्साए ग्रामीणों ने किया एनएच जाम

घटना के बाद ग्रामीणों का आक्रोश फूट पड़ा। उन्होंने भरनो ब्लॉक चौक के पास राष्ट्रीय राजमार्ग को जाम कर दिया। ग्रामीणों की मांग थी कि मृतक के परिवार को मुआवजा दिया जाए और आरोपी वाहन चालक को जल्द से जल्द गिरफ्तार किया जाए। सड़क जाम होने से वाहनों की लंबी कतार लग गई और आम लोगों को काफी परेशानी झेलनी पड़ी।

पुलिस ने संभाली स्थिति, जांच में जुटी

सूचना मिलते ही भरनो पुलिस मौके पर पहुंची और आक्रोशित ग्रामीणों को समझाने का प्रयास किया। काफी मशक्कत के बाद जाम हटवाया गया और यातायात सामान्य किया गया। पुलिस अधिकारियों ने आश्वासन दिया कि फरार वाहन और चालक का जल्द ही पता लगाकर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है और मामले की जांच जारी है।

धनबाद में पति को मार घर में गाड़ा: जिस कमरे में दफनाया, वहां बना दिया चबूतरा

धनबाद, एजेंसी। धनबाद जिले के टुंडी थाना क्षेत्र के बरवाटांड़ पंचायत अंतर्गत तिलैयाटांड़ गांव की रहने वाली सुरजी देवी ने अपने पति सुरेश हांसदा की हत्या कर शव को घर के एक कमरे में गाड़ दिया था। 24 अगस्त से ही सुरेश लापता था और परिजन लगातार उसकी खोजबीन कर रहे थे।

इस दौरान पत्नी ने ग्रामीणों को कभी बताया कि पति काम पर गया है, तो कभी कहा कि वह पूजा में शामिल होने बाहर गया है। इसी बीच सुरेश की चाची का निधन हो गया। उनके अंतिम संस्कार में भी सुरेश के नहीं आने से परिजनों और ग्रामीणों को गहरी शंका हुई।

कमरे से दुर्गंध और खुदी मिट्टी ने खोला राज

ग्रामीणों ने सुरजी देवी से कई बार घर के बंद कमरे का ताला खोलने को कहा, लेकिन उसने इनकार कर दिया। संदेह गहराने पर पुलिस को सूचना दी गई। जब पुलिस और ग्रामीणों की मौजूदगी में कमरे का ताला तोड़ा गया, तो अंदर से मिट्टी खुदी हुई नजर आई, जिसके ऊपर चबूतरा बना हुआ था। वहां से तेज दुर्गंध भी फैल रही थी। खुदाई शुरू होने पर शव मिलने की पुष्टि हुई।

कई सालों से मारने की रच रही थी साजिश

ग्रामीणों के अनुसार सुरजी देवी कई वर्षों से पति की हत्या की साजिश रच रही थी। घटना की रात उसने पति की आंखों में फेवीक्विक डाल दिया और कुल्हाड़ी से वार कर उसकी हत्या कर दी। हत्या के बाद शव को घर में ही गाड़कर ऊपर से मिट्टी डाल दी। इसके बाद वह बच्चों के साथ घर के दूसरे कमरे में रहने लगी। पुलिस पूछताछ में सुरजी देवी ने हत्या की बात कबूल कर ली है। टुंडी थाना प्रभारी उमाशंकर ने बताया कि घर में मिट्टी खुदी होने के पुख्ता सबूत मिले हैं।

ग्रामीणों के सहयोग से पुलिस ने किया पर्दाफाश

ग्रामीणों के संदेह और शिकायत के बाद ही इस सनसनीखेज घटना का खुलासा हो सका। मृतक सुरेश हांसदा मजदूरी कर परिवार का भरण-पोषण करता था। उसके परिवार में 13 वर्षीय बेटा और 6 वर्षीय बेटी है। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर बड़ी संख्या में ग्रामीण जुट गए। पुलिस ने आरोपी पत्नी सुरजी देवी को गिरफ्तार कर थाने ले गई है और मामले की गहन जांच की जा रही है।

पति ने पत्नी को मार डाला, फिर खुद लगाई फांसी:गोड्डा में सास-ससुर को चाकू मार किया घायल, 2 बच्चियां हुई अनाथ

गोड्डा, एजेंसी। गोड्डा जिले के पौड़याहाट थाना क्षेत्र के लाठीबाड़ी गांव में घरेलू विवाद ने पूरे परिवार को उजाड़ दिया। बीती रात करीब 8 बजे पति-पत्नी के बीच हुए विवाद ने हिंसक रूप ले लिया, जिसमें पति राजेंद्र ने पत्नी रीता की हत्या कर दी। इसके बाद फांसी के फंदे से लटक कर खुद जान दे दी। पति-पत्नी के बीच हो रहे विवाद के दौरान बीच-बचाव करने आए सास-ससुर को भी चाकू मार कर घायल कर दिया। पूरी घटना लड़की के मायके में हुई।

नशे में शुरू हुआ विवाद, कर दी हत्या : घटना के बारे में बताया जा रहा है कि लाठीबाड़ी गांव के रहने वाले राजेंद्र पंडित आए दिन शराब के नशे में घर लौटता था और पत्नी रीता देवी से विवाद करता था। बीती रात भी वही हुआ। विवाद इतना बढ़ गया कि गुस्से में राजेंद्र ने चाकू से रीता देवी पर हमला कर उसकी मौके पर ही हत्या कर दी। जब सास

बिजली देवी और ससुर रामदेव पंडित बीच-बचाव करने पहुंचे तो उन पर भी चाकू से वार कर दिया, जिससे दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए।

पत्नी की हत्या के बाद राजेंद्र ने खुद को भी खत्म कर लिया। वह घर के अंदर ही फंदे से लटक गया।इधर, घायल सास-ससुर को आनन-फानन में गोड्डा सदर अस्पताल ले जाया गया, जहां उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें भागलपुर रेफर कर दिया गया। घटना की जानकारी मिलते ही पौड़ैयाहाट थाना प्रभारी विनय कुमार यादव पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया।

दंपती की दो बेटियां, अब हुई अनाथ : दोनों की शादी छह साल पहले हुई थी। दोनों की दो बेटियां हैं। बड़ी बेटी तीन साल की और छोटी बेटी एक महीने की है। मृतका के पिता रामदेव पंडित और चाचा हीरालाल पंडित ने बताया कि कई बार पंचायत में विवाद सुलझाने की कोशिश हुई थी, लेकिन राजेंद्र की शराबखोरी और हिंसक रवैये के कारण स्थिति बिगड़ती गई। अब परिवार पर दो मासूम बच्चियों की परवरिश की चिंता सता रही है।

कैसा रहेगा झारखंड का मौसम, क्या पितृपक्ष में बारिश से मिलेगी राहत?

रांची, एजेंसी। लगातार हो रही बारिश की वजह से झारखंड के लोग परेशान हैं. लोग दुआएं कर रहे हैं कि अब बारिश न हो क्योंकि फेस्टिव सीजन आ गया है और बारिश की वजह से उसकी तैयारी पर भी असर पड़ रहा है. राहत की बात है कि पिछले कुछ दिनों से दो एक दिन के अंतराल पर बादलों की लुकाछिपी के बीच धूप निकलने लगी है. अब सवाल है कि क्या सोमवार से लोगों को राहत मिलेगी, जवाब है नहीं.

दरअसल, 7 सितंबर से पितृपक्ष शुरू हो चुका है. इस दिन से पितरों की आत्मा की शांति के लिए श्राद्ध कर्म, तर्पण और पिंडदान की प्रक्रिया शुरू हो गयी है. इस बीच मौसम केंद्र ने अनुमान जताया है कि रविवार यानी सात सितंबर को गढ़वा और पलामू जिला में कहीं-कहीं हल्के से मध्यम दर्जे की बारिश होगी. इस दौरान तेज हवा के साथ वज्रपात की भी चेतावनी जारी की गई है. राहत की बात है कि झारखंड के दक्षिणी हिस्सों में बना निम्न दबाव के क्षेत्र छत्तीसगढ़ की तरफ शिफ्ट हो रहा है.

मैथन थर्मल विस्थापित समिति ने एमपीएल के समक्ष किया प्रदर्शन

धनबाद, एजेंसी। मैथन थर्मल विस्थापित एवं स्थानीय समिति ने अपने पूर्व घोषित कार्यक्रम के तहत शनिवार को प्रदर्शन करते हुए एमपीएल के मुख्य द्वार को जाम कर दिया। नेतृत्व समिति अध्यक्ष अशोक मंडल कर रहे थे। धरना प्रदर्शन के बाद मुख्य द्वार पर प्रतिनिधिमंडल ने प्रबंधन को मांग पत्र सौंपा। मंडल ने कहा कि मैथन थर्मल पावर लिमिटेड के अधीनस्थ विभिन्न कंपनियों के कार्यरत मजदूरों के वेतन में वृद्धि, प्रोन्नति, एवं दुर्गा पूजा में मजदूरों को संतोषजनक बोनस के अलावा अन्य कई मांगों को लेकर एमपीएल प्रबंधन को मांग पत्र दिया गया है। कहा कि ऐसा नहीं है कि निरसा में एमपीएल से कुछ नहीं मिला। एमपीएल के आने से निरसा की आर्थिक स्थिति में काफी सुधार आई है। सभी अपनी-अपनी राजनीतिक रोटी सेंकने में लगे हैं। निरसा के तमाम राजनीतिक पार्टी एक मंच पर आए और मैनेजमेंट से मजदूरों की हित की बात किया जाए तभी यहां पर कार्यरत मजदूरों की हक और अधिकार का पाई- पाई का हिसाब होना संभव है। मौके और कामाख्या चौधरी, राजू झा, नईम शेख, जहर चौधरी, गणेश चौबे, सच्चिदानंद तिवारी, बिमल चौधरी, समर महतो, मनोहर मंडल, विश्वजीत फौजदार सहित सैकड़ों की संख्या में लोग मौजूद थे। बाद में पत्रकारों से बातचीत करते हुए समिति सदस्यों ने कहा कि जितने भी विस्थापित थे। उसमें से एक हजार लोगों को नियोजन मिल चुका है। 300 पीईपी ने पैसा उठा लिया है। बाकी जो एक से डेढ़ सौ लोग है। वे अपने ही हिस्सेदारी के उलझन में ना नियोजन लिए हैं नहीं पैसा उठाए हैं।

धनबाद खदान हादसे में वैन में सवार सभी 6 लोगों की मौत

धनबाद, एजेंसी। बीसीसीएल एरिया 4 के अंगारपथरा ओपी क्षेत्र में संचालित अंबे आउटसोर्सिंग खदान में शुक्रवार को हुए भीषण हादसे में 6 मजदूरों की मौत हो गई। खदान में पत्थरों के स्खलन के बाद एक सर्विस वैन सैकड़ों फीट गहरी खाई में गिर गई थी। वैन में सवार छह मजदूरों में से तीन के शव शुक्रवार को निकाले गए थे, जबकि शनिवार को एनडीआरएफ की टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद तीन और शवों को खदान से बाहर निकाला। एक शव पत्थरों के बीच फंसा था, जबकि एक अन्य गहरे पानी में मिला।

एनडीआरफ कंपनी कमांडर कौशल कुमार ने बताया कि कल ही कुछ शव बीसीसीएल की माइंस रेस्क्यू टीम ने रिकवर कर लिया था। आज बीसीसीएल की माइंस रेस्क्यू टीम और एनडीआरएफ की ज्वाइंट रेस्क्यू में तीन शव बाहर निकाले जा चुके हैं। इलाके को सर्च किया गया, जिसमें और कुछ नहीं मिला। उन्होंने कहा कि माइनिंग एरिया होने के कारण कठिनाई थी, लेकिन हमारे लिए यह चुनौती थी। उन्होंने कहा कि जब ऑपरेशन चल रहा था, उस वक्त भी हल्की स्लाइडिंग हो रही थी। बीसीसीएल की माइंस रेस्क्यू टीम का हौसला भी काफी अच्छा था।

हादसे में मारे गए मजदूर अमन के शव को शुक्रवार को रेस्क्यू के बाद निकाला गया था। पोस्टमॉर्टम के बाद परिजन और ग्रामीण शव लेकर अंबे आउटसोर्सिंग के कार्यालय पहुंचे और मुख्य गेट पर प्रदर्शन किया। आक्रोशित लोगों ने प्रबंधन के खिलाफ नारेबाजी की और मृतकों के परिवारों के लिए उचित मुआवजे की मांग की। खबर लिखे जाने तक अमन का शव कार्यालय के मुख्य गेट के पास रखा हुआ था। बताया जा रहा है कि आउटसोर्सिंग प्रबंधन का कोई भी अधिकारी या कर्मचारी कार्यालय में मौजूद नहीं है और सभी फरार हैं।

मृतक अमन के भाई पृथ्वी सिंह ने बताया कि अमन खदान में मैकेनिक सुपरवाइजर के रूप में काम करते थे। शुक्रवार को काम खत्म कर सर्विस वैन से लौटते समय उनकी वैन खाई में गिर गई। पृथ्वी ने कहा कि अमन की दो छोटी बेटियां हैं, जिनके लालन-पालन के लिए आउटसोर्सिंग प्रबंधन को उचित व्यवस्था और मुआवजा देना होगा। उन्होंने अपने भाई के लिए न्याय की मांग की है। गिरिडीह सांसद के प्रतिनिधि सुभाष रवानी ने हादसे के लिए बीसीसीएल की लापरवाही को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा कि गलत ढंग से की जा रही माइनिंग के कारण यह हादसा हुआ। रवानी ने बीसीसीएल से मृतकों के आश्रितों को तत्काल उचित मुआवजा देने की मांग की है।

सिंचाई

गर्मियों में फसल होने के कारण फसल को 5-6 सिंचाईयों की आवश्यकता पड़ती है। क्रांतिक अवस्था जैसे शाखा बनते समय, फलियां बनते समय तथा दाना भरते समय सिंचाई करना आवश्यक होगी।

कम लागत में मूंग की खेती

खेत की तैयारी

रबी की कटाई के बाद दो–तीन बार हल चलाकर मिट्टी को भुरभुरा व नींदा रहित करें। पाटा लगाकर खेत को समतल करें।

उन्नत बीज का चुनाव, मात्रा व उपचार

शुद्ध, प्रमाणित, रोग मुक्त बीज का चलन करें। भंडारित बीज को साफ करके, अंकुरण परीक्षण करने के बाद बोने हेतु उपयोग में लायें। बोनी हेतु के. 851, पीडीएम 139, पूसा बैसाखी, पूसा विशाल, जवाहर मूंग 131 में से किसी भी एक किस्म का 12–15 किग्रा, बीज प्रति हेक्टर के मान से उपयोग करें। ग्रीष्मकालीन मूंग की बोनी का उपयुक्त समय मार्च से अप्रैल का प्रथम सप्ताह है। कतार से कतार से बीज की दूरी 10 सेमी रखें साथ ही बीज को 3–4 सेमी की गहराई पर लगाएं। बुवाई से पूर्व बीज को कार्बेन्डाजिम की 2 ग्राम मात्रा द्वारा प्रति किग्रा बीज दर से उपचार करें ताकि बीज जनित रोगों से छुटकारा मिल सके।

खाद व उर्वरक

मिट्टी परीक्षण के आधार पर उर्वरकों का उपयोग करें। यूरिया, सिंगल सुपर फास्फेट व म्यूरेट ऑफ पोटाश की 43:375:33 किग्रा प्रति हेक्टेयर के मान से उपयोग करें। 40 किग्रा डीएपी के साथ 10 किग्रा म्यूरेट ऑफ पोटाश प्रति एकड़ का उपयोग भी किया जा सकता है। बुवाई से पहले फफूंदनाशक से उपचारित बीज को राइजोबियम व पीएसबी कल्चर से निवेशित करें चाहिए। इस हेतु 5 ग्राम कल्चर प्रति किग्रा बीज के मान से उपयोग किया जा सकता है।

पौध संरक्षण

मूंग की फसल में कई बार पत्तियों पर भूरे रंग के धब्बे बनते हैं जो फैलकर पूरे पौधे को झुलसा देती है। साथ ही भभूतिया रोग का प्रकोप होता है। इस रोग में पत्तियों पर सफेद चूर्ण जमा हुआ दिखता है। दोनों ही रोगों के नियंत्रण के लिए कार्बेन्डाजिम की एक ग्राम मात्रा प्रति लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करें।

मूंग की फसल पर फली बीटल, सफेद मक्खी, थ्रिप्स, फली छेदक कीटों का प्रकोप होता है। इनके नियंत्रण हेतु प्रोफेनोफॉस 400 मिली 200 लीटर पानी में घोल बनाकर प्रति एकड़ के मान से छिड़काव करें।

उपज

मूंग की फलियां गुच्छों में लगती है तथा अधिकांश प्रजातियों में फल्लियां एक साथ नहीं पकती अतः 2–3 बार तोड़ाई पर पूरी फसल की फलियां तोड़ ली जाती हैं। मूंग के दानों को बैल चलाकर या डंडे से पीटकर अलग किया जाता है। भूसे से मूंग के दानों को हवा द्वारा अलग करके अच्छी तरह साफ कर सुखाने के बाद ही भंडारण करते हैं।

उन्नत शस्य क्रियाएं व पौध संरक्षण अपनाने पर 7–8 क्विंटल मूंग प्रति हेक्टेयर प्राप्त होती है। तथा एक एकड़ क्षेत्र में 4000–5000 रुपये लागत आने पर 15000 रुपये की आय होती है।

जायद में मूंगफली

> तिलहनी फसलों के मुकाबले मूंगफली एक ऐसी फसल है, जो भारत के 40 प्रतिशत क्षेत्र में उगाई जाती है। मूंगफली के बीज में 45 प्रतिशत तेल तथा 26 प्रतिशत प्रोटीन की मात्रा पायी जाती है।

भूमि का चयन एवं तैयारी

मूंगफली की खेती के लिये दोमट, बलुआर दोमट या हल्की दोमट मिट्टी उपयुक्त रहती है। गर्मियों में मूंगफली, आलू, मटर, सब्जी मटर तथा राई की कटाई के बाद खाली खेतों में सफलतापूर्वक की जा सकती है। मूंगफली के लिये भारी दोमट मिट्टी का चयन न करें। खेत की तैयारी अच्छी प्रकार से कर लें 2–3 जुताई कल्टीवेटर से कर मिट्टी को भुरभुरा बना लें तथा जुताई के बाद पाटा लगाकर खेत समतल कर लें। इसके बाद कम अवधि में पकने वाली गुच्छेदार प्रजातियों का चयन करें जिसमें डीएच 86, आर–9251, आर 8808 आदि किस्मों का चयन किया जा सकता है। ध्यान रखें बीज का चयन रोग रहित उगायी गई फसल से करें। ग्रीष्मकालीन मूंगफली के लिये 95–100 किग्रा की दर से बीज दर प्रति हेक्टेयर उपयोग करें।

बीजोपचार

बीज को बोने से पूर्व थायरम 2 ग्राम+ कार्बेन्डाजिम 1 ग्राम प्रति किलो बीजदर से उपचारित कर लें। फफूंदनाशक दवा से उपचार के बाद 1 पैकेट राइजोबियम कल्चर को 10 किग्रा बीज में मिलाकर उपचार करें।

बुवाई की विधि

खेत में पर्याप्त नमी के लिये पलेवा देकर जायद में मूंगफली की बुवाई करें। यदि खेत में नमी उचित नहीं होगी तो मूंगफली का जमाव अच्छा नहीं होगा। गुच्छेदार प्रजातियां खेती के लिये उपयुक्त रहती हैं। इसलिये बुवाई 25–30 सेमी की दूरी पर देशी हल से खोले गये कूंडों में 8–10 सेमी की दूरी कर करें। बुवाई के बाद खेत में क्रास लगाकर पाटा लगा दें।

बुवाई का समय

5 मार्च से 15 मार्च। देरी से बुवाई करने पर वर्षा प्रारंभ होने की दशा में खुदाई के बाद फल्लियों की सुखाई में कठिनाई होती है।

खाद एवं सिंचाई

यूरिया 43 किलो, सिंगल सुपरफास्फेट 155 किलो व म्यूरेट ऑफ पोटाश 66 किलो प्रति हेक्टेयर की दर से उपयोग करें। मूंगफली में नत्रजन की अधिक मात्रा का उपयोग न करें अन्यथा यह मूंगफली की पकने की अवधि बढ़ा देगा। पलेवा देकर बुवाई के बाद पहली सिंचाई 20 दिन बाद करें। दूसरी सिंचाई 30–35 दिन पर तीसरी सिंचाई 50–55 दिन पर करें।

खुदाई व भण्डारण

खुदाई तभी करें जब मूंगफली के छिलके के ऊपर नसें उभर आयें, भीतरी भाग कत्थई रंग का हो जाये व मूंगफली का दाना गुलाबी रंग का हो जाये। खुदाई के बाद फलियों को छाया में सुखाकर रखें।

भारत-रूस को लेकर आपस में भिड़ गए ट्रंप के 'राइट' और 'लेफ्ट' हैंड

● बौखला रहा है अमेरिका?

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और रूस के बीच हो रहे व्यापार को देख अमेरिका का खाना हजम नहीं हो रहा है। भारत पर 50 फीसदी टैरिफ लगाने के बाद भी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के करीबी भारत पर लगातार हमला कर रहे हैं। अब भारत को लेकर ट्रंप के व्यापार और निर्माण मामलों के सलाहकार पीटर नवारो और दुनिया के सबसे अमीर शख्स व अमेरिकी कारोबारी एलन मस्क के बीच 'झगड़ा' शुरू हो गया है। यह झगड़ा तब हुआ जब मस्क के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर भारत द्वारा रूसी तेल खरीदने के बारे में एक पोस्ट को नवारो ने गलत बताया गया। बता दें कि नवारो को ट्रंप का राइट हैंड माना जाता है। वहीं मस्क भी कभी ट्रंप के लेफ्ट हैंड रह चुके हैं। हालांकि अब मस्क और ट्रंप की राहें अलग हो चुकी हैं।

नवारो ने मस्क की पोस्ट को बकवास बताया। उन्होंने आरोप लगाया कि एलन मस्क 'प्रचार' को बढ़ावा दे रहे हैं। नवारो ने फिर से कहा कि भारत रूसी तेल सिर्फ मुनाफा कमाने के लिए खरीद रहा है। साथ ही नवारो ने अपनी पोस्ट में भारत पर आरोप लगाया कि वह अमेरिका के लोगों की नौकरियां छीन रहा है। नवारो ने कुछ समय

पहले एक्स पर पोस्ट की थी। अपनी उस पोस्ट में भारत पर रूसी तेल से मुनाफा कमाने का आरोप लगाया था। साथ ही, उन्होंने यह भी कहा था कि भारत के टैरिफ से अमेरिकियों की नौकरियां जा रही हैं। नवारो ने ये बातें वाशिंगटन पोस्ट के एक लेख के जवाब में कहीं।. उस लेख में ट्रंप प्रशासन के भारत के साथ संबंधों को सुधारने के प्रयासों में विरोधाभास के बारे में बताया गया था। इसके बाद नवारो की पोस्ट पर एलन मस्क की कंपनी एक्स ने प्रतिक्रिया दी। एक्स ने लिखा, 'भारत का रूस से तेल खरीदना सिर्फ मुनाफे के लिए नहीं, बल्कि ऊर्जा सुरक्षा के लिए है। यह किसी भी प्रतिबंध का उल्लंघन नहीं करता है। भारत में कुछ टैरिफ हैं, लेकिन अमेरिका का भारत के साथ सेवाओं में व्यापार अधिशेष (सरप्लस) है। अमेरिका भी रूस से कुछ चीजें आयात करता है, जो कि ढोंग है।' पिछले कुछ दिनों में, व्हाइट हाउस के व्यापार सलाहकार पीटर नवारो सहित ट्रंप प्रशासन के कई अधिकारियों ने भारत के खिलाफ अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल किया है।

नवारो ने क्या दी प्रतिक्रिया?

एक्स की इस पोस्ट ने नवारो भड़क गए। उन्होंने एक्स की इस पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए लिखा, 'वाह! लोगों की पोस्ट में प्रचार आने दे रहे हैं। नीचे दी गई टिप्पणी बिल्कुल बकवास है। भारत रूस से तेल सिर्फ मुनाफा कमाने के लिए खरीदता है। यूक्रेन पर रूस के आक्रमण से पहले भारत ने कोई तेल नहीं खरीदा था। भारतीय सरकार की प्रचार मशीन तेजी से काम कर रही है। यूक्रेनियों को मारना बंद करो। अमेरिकियों की नौकरियां छीनना बंद करो।'

डीएमआर हाइड्रोइंजीनियरिंग एंड इंफ्रास्ट्रक्चर मिला 3,00,00,000 रुपये का काम

नई दिल्ली, एजेंसी। निवेशकों को 8 बोनस शेयर देने वाली कंपनी डीएमआर हाइड्रोइंजीनियरिंग एंड इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड के शेयर फोकस में हैं। कंपनी को एक बड़ा प्रोजेक्ट हाथ लगा है। बीएसई के डाटा के अनुसार कंपनी को 3 करोड़ रुपये का काम मिला है। कंपनी ने इस वर्क ऑर्डर की जानकारी 5 सितंबर 2025 को दी गई है। एक्सचेंज को दी जानकारी में कंपनी ने बताया कि उन्हें कामलांग लघु जल विद्युत परियोजना में इंजीनियरिंग कंसल्टेंसी सर्विसेज का काम मिला है। कंपनी को यह काम 36 महीने में पूरा करना है। इस वर्क ऑर्डर की वैल्यू 3,00,00,000 रुपये की है।

मोदी सरकार बांट रही क्रेडिट कार्ड और 50 हजार तक लोन

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार ने कई ऐसी योजनाएं शुरू की हैं जिसके तहत लोन लेकर आप अपना काम शुरू कर सकते हैं। ऐसी ही योजना- प्रधानमंत्री स्ट्रीट वेंडर्स आत्मनिर्भर निधि (पीएम स्वनिधि) है। स्ट्रीट वेंडर्स के लिए शुरू की गई इस योजना के तहत ना सिर्फ लोन दिया जाता है बल्कि अब क्रेडिट कार्ड भी दिया जाएगा। आइए योजना के बारे में विस्तार से जान लेते हैं। बीते दिनों केंद्र सरकार ने प्रधानमंत्री स्ट्रीट वेंडर्स आत्मनिर्भर निधि (पीएम स्वनिधि) योजना के तहत लोन की लिमिट बढ़ाई थी। सरकार ने पहली किस्त की लोन लिमिट 10,000 रुपये से बढ़ाकर 15,000 रुपये और दूसरी किस्त 20,000 रुपये से बढ़ाकर 25,000 रुपये कर दी थी। वहीं, तीसरी किस्त 50,000 रुपये बनी रहेगी। सरकारी बयान में बताया गया था कि समय पर अपना दूसरा कर्ज चुकाने वाले रेहड़ी-पटरी वाले आकस्मिक व्यावसायिक और व्यक्तिगत जरूरतों को पूरा करने के लिए यूपीआई से जुड़े रुपे क्रेडिट कार्ड के लिए पात्र होंगे। इसके साथ ही, खुदरा और थोक लेनदेन के लिए डिजिटल भुगतान का विकल्प चुनने वाले विक्रेताओं को 1,600 रुपये तक का प्रोत्साहन भी दिया जाएगा। व्यय के साथ रेहड़ी-पटरी वालों के लिए पीएम स्वनिधि योजना के पुनर्गठन और विस्तार को 31 मार्च, 2030 तक के लिए मंजूरी दे दी। पुनर्गठित योजना का लक्ष्य 50 लाख नए रेहड़ी-पटरी वालों सहित 1.15 करोड़ लाभार्थियों को लाभ पहुंचाना है।

सिर्फ 50,000 से 7 करोड़ का साम्राज्य...

● 2011 में शुरू की पहली कंपनी ● बेटे के जन्म के साथ आया बड़ा टर्न

नई दिल्ली, एजेंसी।
रिद्धि शर्मा गुजरात के जामनगर शहर से हैं। उन्होंने गजब की सफलता हासिल की है। वह आईटी इंजीनियर से उद्यमी बनी हैं। उन्होंने पहले अपने पति के साथ मिलकर एक आईटी कंपनी 'वेबपिक्सल टेक्नोलॉजीज' शुरू की। फिर अपने बेटे के जन्म के बाद आयुर्वेदिक ब्रांड 'बेबीऑर्गेनो' की शुरुआत की। शिशुओं के लिए सुरक्षित उत्पादों की कमी को देखते हुए उन्होंने 2020 में इस ब्रांड की नींव रखी थी। रिद्धि शर्मा ने सिर्फ 50,000 रुपये की शुरुआती पूंजी से अब करोड़ों का साम्राज्य बना दिया है। उनकी यह यात्रा साबित करती है कि जुनून और कड़ी मेहनत से कुछ भी संभव है। आइए, यहां रिद्धि शर्मा की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं।

जागनगर की रिद्धि शर्मा कॉलेज के दिनों में पढ़ाई से ज्यादा खेल में दिलचस्पी रखती थीं। उन्होंने जी एच पटेल कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, विद्यानगर से बीई आईटी की डिग्री हासिल की है। रिद्धि राज्य स्तर पर वॉलीबॉल, बैडमिंटन और टेबल टेनिस की खिलाड़ी थीं। इंजीनियरिंग के बाद उन्होंने एक आईटी फर्म में कोडर के तौर पर अपना करियर शुरू किया। लेकिन, मार्केटिंग में दिलचस्पी होने के कारण चार महीने बाद

ही उनका रोल बदल गया। रिद्धि टीम लीडर के तौर पर काम कर रही थीं। तभी उन्होंने अपनी नौकरी छोड़कर खुद का काम करने का फैसला किया। उन्होंने अपने पति रिपुल शर्मा के साथ मिलकर अपने सपनों को हकीकत में बदला। 2011 में सिर्फ 50,000 रुपये की बचत से उन्होंने अपनी पहली कंपनी 'वेबपिक्सल टेक्नोलॉजीज' शुरू की। शुरुआत में दोनों अपनी नौकरी के साथ इस व्यवसाय को भी संभाल रहे थे। वे रात-रात भर जागकर काम करते थे। उन्हें मुश्किल से 3-4 घंटे की नींद मिलती थी। रिद्धि शर्मा के जीवन में एक बड़ा मोड़ तब आया जब उनका बेटा पैदा हुआ। एक मां के रूप में उन्हें शिशुओं के लिए सुरक्षित और आयुर्वेदिक उत्पादों की कमी महसूस हुई। उनकी दादी ने उनके बेटे के लिए घर पर ही आयुर्वेदिक उबटन और तेल बनाए। इनसे उनके बच्चे को काफी फायदा हुआ। दादी के घर लौटने के बाद रिद्धि को महसूस हुआ कि बाजार में ऐसे विश्वसनीय उत्पादों की कमी है। इसी कमी को उन्होंने एक अवसर के रूप में देखा और मार्च 2020 में उन्होंने अपने घर से ही 'बेबीऑर्गानो' नाम से एक आयुर्वेदिक हेल्थ और वेलनेस ब्रांड शुरू किया। इसमें उन्होंने 2 लाख रुपये का शुरुआती निवेश किया।

अब करोड़ों का कारोबार

'बेबीऑर्गेनो' की शुरुआत 'हींग रोल-ऑन' जैसे उत्पादों से हुई। पहले 6 महीनों में रिद्धि को सिर्फ 10,000 रुपये महीने का रेवेन्यू मिला, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी। जल्द ही उनके उत्पादों की क्वालिटी को लोगों ने पसंद किया और उनकी बिक्री बढ़ने लगी। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी का रेवेन्यू 2 करोड़ रुपये तक पहुंच गया। अब यह बढ़कर 7 करोड़ रुपये तक हो गया है। आज उनकी 90 प्रतिशत बिक्री उनकी अपनी वेबसाइट से होती है, जबकि बाकी 10 प्रतिशत अमेजन और फिलपकार्ट जैसे ऑनलाइन प्लेटफॉर्म से आती है।

संतूर और लाइफबॉय के बीच शुरू हुई जंग

नई दिल्ली, एजेंसी। अजीम प्रेमजी की कंपनी विप्रो कंज्यूमर केयर एंड लाइटिंग को पूरा भरोसा है कि उनकी कंपनी का साबुन ब्रांड 'संतूर', हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड के 'लाइफबॉय' को पीछे छोड़ देगा। कंपनी के एक बड़े अधिकारी ने यह बात कही है। उनका कहना है कि संतूर अब साबुन और पर्सनल केयर के बाजार में नंबर 1 बन जाएगा। संतूर ब्रांड अब 2,700 करोड़ रुपये से ज्यादा का हो गया है। यह अब लिक्विड हैंड वॉश और बॉडी लोशन जैसे दूसरे प्रोडक्ट में भी आ गया है।

विप्रो कंज्यूमर केयर एंड लाइटिंग के सीईओ विनीत अग्रवाल ने कहा, 'हमें नहीं पता कि हम अभी नंबर 1 हैं या नहीं। लाइफबॉय कितना बड़ा है, यह भी नहीं पता। लेकिन हम जल्द ही नंबर 1 बन जाएंगे।' उन्होंने यह बात संतूर ब्रांड और उसके भविष्य के बारे में पूछे जाने पर कही। उन्होंने आगे कहा, 'हमने कुछ साल पहले ही लक्स को पीछे छोड़ दिया था। मुझे पूरा विश्वास है कि हम एक साल में लाइफबॉय को भी पीछे छोड़ देंगे।'

पीटीआई के मुताबिक लाइफबॉय भी 2,000 करोड़ रुपये से ज्यादा का ब्रांड है। यह हाइजीन (सफाई) के सामान बनाता है। संतूर की तरह, लाइफबॉय भी अब हैंडवॉश जैसे दूसरे उत्पादों में आ गया है। विप्रो ने वित्तीय वर्ष 2024-25 में 7.5 प्रतिशत से ज्यादा की वृद्धि दर्ज की है। यह वृद्धि बाजार में चुनौतियों और महंगाई के बावजूद हुई है। कंपनी पर्सनल केयर से लेकर खाने-पीने के सामान तक कई चीजें बनाती है। इसके लिए उसने कई कंपनियों को खरीदा है।

अग्रवाल ने कहा, 'मुझे लगता है कि हमने जिन कंपनियों को खरीदा है, उनमें से ज्यादातर ने अच्छा प्रदर्शन किया है। उदाहरण के लिए, हमने साल 2004 में चंद्रिका को खरीदा था। यह केरल में एक छोटा ब्रांड था। अब यह बहुत बढ़ गया है। हमने साल 2009 में यार्डली को भारत में खरीदा था। तब यह भारत में सिर्फ 18 करोड़ रुपये का था। अब यह 300 करोड़ रुपये से ज्यादा का हो गया है।' विप्रो ने विदेश में भी कई ब्रांड खरीदे हैं।

लागू हो रहा जीएसटी स्लैब का नया स्ट्रक्चर, पेट्रोल-डीजल के दाम पर भी दिखेगा असर

● आम लोगों को राहत देने के लिए वित्त मंत्री क्या बोलीं

ई दिल्ली, एजेंसी।
ीएसटी स्ट्रक्चर में हुए ऐतिहासिक बदलाव के ागू होते ही रोजमर्रा के कई सामान सस्ते हो ाएंगे। ये हम इसलिए कह रहे हैं क्योंकि ्यादातर कंपनियां आम लोगों को इसका ायदा पहुंचाने के लिए तैयार हैं। वहीं, पेट्रोल- ीजल को लेकर कई लोगों के मन में संशय । अब वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने इस पर क अहम बयान दिया है।

निर्मला सीतारमण ने यह स्पष्ट कर दिया है क पेट्रोलियम उत्पाद और अल्कोहल निकट विष्य में वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) के ायरे से बाहर रहेंगे। एक इंटरव्यू में वित्त मंत्री कहा कि निकट भविष्य में पेट्रोलियम या ल्कोहल को जीएसटी के दायरे में लाने का ोई प्रस्ताव नहीं है। मतलब ये हुआ कि ट्रोल और डीजल के दाम पहले की तरह ंगे। इसमें बदलाव तेल कंपनियां या सरकार अपने हिसाब से करेंगी।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने पीटीआई-भाषा को दिये साक्षात्कार में कहा कि हम दरों में कटौती का लाभ आम लोगों को देने के लिए उद्योग से बातचीत कर रहे हैं और 22 सितंबर से (जीएसटी दरों में कटौती के लागू होने की तिथि) हमारा पूरा ध्यान इसी पर होगा कि लोगों का इसका लाभ मिले।

केंद्र और राज्यों के वित्त मंत्रियों की भागीदारी वाली जीएसटी परिषद ने बुधवार को जीएसटी के चार स्लैब की जगह दो स्लैब करने का फैसला किया। अब टैक्स की दरें पांच और 18 प्रतिशत होंगी जबकि विलासिता एवं सिगरेट जैसी अहितकर वस्तुओं पर 40 प्रतिशत की विशेष दर लागू होगी। सिगरेट, तंबाकू और अन्य संबंधित

वस्तुओं को छोड़कर नई कर दरें 22 सितंबर से प्रभावी हो जाएंगी। दरों को युक्तिसंगत बनाये जाने के तहत टेलीविजन एवं एयर कंडीशनर जैसे उपभोक्ता वस्तुओं के अलावा खानपान और रोजमर्रा के कई सामानों पर दरें कम की गयी हैं।

जीएसटी 2.0 का आपको कितना फायदा सरकार की वेबसाइट से चेक कीजिए बचत का हिसाब

नई दिल्ली, एजेंसी। जीएसटी स्लैब के स्ट्रक्चर में बदलाव के बाद अब इसे 22 सितंबर से लागू किया जाएगा। जीएसटी की नई दरें लागू होने का सीधा फायदा आम लोगों को मिलेगा। दरअसल, अब टैक्स स्लैब में 12 और 28 प्रतिशत को हटा दिया गया है तो 5 और 18 प्रतिशत को रखा गया है। इसके अलावा 40 प्रतिशत के नए स्लैब को बनाया गया है। इस फैसले के बाद टेलीविजन एवं एयर कंडीशनर जैसे उपभोक्ता वस्तुओं के अलावा खानपान और रोजमर्रा के कई सामान सस्ते हो जाएंगे। आगामी 22 सितंबर से आपको सामान पर कितनी राहत मिलेगी ये केंद्र सरकार की वेबसाइट पर विजिट कर पता कर सकते हैं। दरअसल, सरकार के वेबसाइट की वेबसाइट शुरू की है। इस वेबसाइट पर आप यह देख सकते हैं कि किस सामान पर कितनी बचत होगी। इसके लिए आपको किसी भी सामान को कार्ट में डालना होगा। इसके बाद कीमत तीन तरह से देख सकेंगे। ये तीन कैटेगरी- बेस प्राइस, वैट के समय की कीमत और नेक्स्ट-जेन जीएसटी के बाद की कीमत हैं। इस तरह आप जान पाएंगे कि आपको किस प्रोडक्ट पर कितनी बचत मिलेगी। वेबसाइट पर क्यूआर की सुविधा भी है। इस बीच, निर्मला सीतारमण ने कहा-जीएसटी में व्यापक बदलाव लोगों के लिए सुधार है और इस कदम से देश के 140 करोड़ लोगों पर सकारात्मक असर होगा। गरीब से गरीब लोगों पर कुछ-न-कुछ इसका सकारात्मक असर होगा।

बयान में कहा- ये रूटीन जांच का हिस्सा

एचएएल ने हेलीकॉप्टर में तकनीकी खामी की रिपोर्ट्स खारिज की

ई दिल्ली, एजेंसी।
ालिया एक मीडिया रिपोर्ट में हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड ; हेलीकॉप्टर्स में तकनीकी खामी का मामला उठाया गया था। ाब उसे लेकर कंपनी ने बयान जारी किया है और मीडिया पोर्ट को खारिज कर दिया है। एचएएल ने बयान में कहा कि ह स्पष्टीकरण 6 सितंबर 2025 को एक समाचार पत्र में काशित लेखों के संदर्भ में है। दुर्भाग्य से, ये लेख भ्रामक ्प्पणियों के साथ एकतरफा दृष्टिकोण प्रस्तुत करता है। वन-ाइम चेक (ओटीसी) एक नियमित रखरखाव प्रक्रिया है जो ल ड्राइव शाफ्ट (टीडीएस) में किसी खराबी के बाद की ाती है। एचएएल भारतीय सेना के साथ मिलकर काम कर ा है और मूल कारण का पता लगाने के लिए विशेषज्ञ टीमों ो तैनात किया गया है।

एचएएल ने कहा कि हेलीकॉप्टर्स की निरंतर उड़ान योग्यता ; लिए रखरखाव संबंधी पहलू महत्वपूर्ण हैं और इस बात पर ोर देता है कि सभी रखरखाव निर्देशों का कड़ाई से पालन िया जाना चाहिए। एएलएच ने बयान में कहा कि एचएएल ; ध्रुव हेलीकॉप्टर के बेड़े के पास 4.5 लाख घंटे से अधिक मय तक उड़ान भरने का अनुभव है और भारतीय सशस्त्र लों, तटरक्षक बल और सिविल ऑपरेटरों के साथ दो दशकों से अधिक समय से सेवा में है। इसने ऊंचाई वाले हिमालयी क्षेत्रों से लेकर तटीय वातावरणों तक, विषम इलाकों में सफल संचालन किया है। बाढ़ बचाव

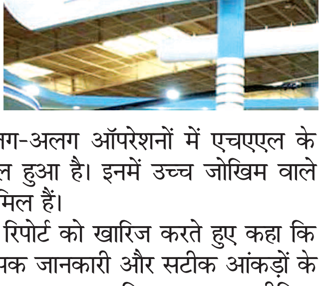

कार्यों और विभिन्न अलग-अलग ऑपरेशनों में एचएएल के हेलीकॉप्टर्स का इस्तेमाल हुआ है। इनमें उच्च जोखिम वाले बचाव अभियान भी शामिल हैं।

एचएएल ने मीडिया रिपोर्ट को खारिज करते हुए कहा कि हमारा मानना है कि व्यापक जानकारी और सटीक आंकड़ों के आधार पर निष्कर्ष निकाला जाना चाहिए। एचएएल मीडिया द्वारा सटीक रिपोर्टिंग के महत्व पर जोर देता है और सिर्फ चुनिंदा तथ्यों के आधार पर निष्कर्ष निकालना गलत है। गौरतलब है कि हालिया एक रिपोर्ट में दावा किया गया कि भारतीय सेना द्वारा संचालन के दौरान हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड के उन्नत हल्के ध्रुव हेलीकॉप्टर्स के टेल ड्राइव शाफ्ट (टीडीएस) में एक तकनीकी समस्या है।

एआई अब साइंस फिक्शन नहीं

नौकरियों के लिए बन रहा खतरा, एंथ्रोपिक सीईओ ने दी चेतावनी

नई दिल्ली, एजेंसी।
ऑर्टिफिशिय इंटेलिजेंस जल्द ही व्हाइट-कॉलर नौकरियों को खत्म कर सकता है। एआई कंपनी एंथ्रोपिक के सीईओ डारियो अमोदेई ने एक बार फिर यह चेतावनी दी है। अमोदेई ने भविष्यवाणी की कि आने वाले एक से पांच वर्षों में कानून, कंसल्टिंग, वित्त और प्रशासन जैसे क्षेत्रों में दोहराव वाले लेकिन विविध कार्य तेजी से कृत्रिम बुद्धिमत्ता के हवाले हो जाएंगे।

एंट्री-लेवल नौकरियों में एआई निभा रही बड़ी भूमिका

उन्होंने कहा कि अगर हम शुरुआती स्तर की व्हाइट-कॉलर नौकरियों को देखें, जैसे लॉ फर्म में पहले साल के सहयोगी, तो उन्हें दस्तावेजों की समीक्षा करनी पड़ती है। यह काम बहुत दोहराव वाला है, लेकिन हर उदाहरण अलग होता है। यही वह क्षेत्र है, जहां एआई काफी सक्षम साबित हो सकता है। उनके मुताबिक, एआई की तेजी से बढ़ती क्षमताएं न सिर्फ इन क्षेत्रों की

कार्यप्रणाली को बदल देंगी, बल्कि बड़े पैमाने पर नौकरियों की प्रकृति को भी प्रभावित करेंगी।

बिजनेस लीडर्स एआई को वेतन कटौती के रूप में देख रहेत्न एंथ्रोपिक के प्रमुख ने आगे कहा कि बंद दरवाजों के पीछे, कई बिजनेस लीडर्स एआई को कर्मचारियों की संख्या बढ़ाने के बजाय वेतन में कटौती करने के तरीके के रूप में ज्यादा देखते हैं। उन्होंने कहा कि सच कहूं तो, उनमें से एक बड़ा हिस्सा इसका इस्तेमाल लागत कम करने और कम लोगों को रोजगार देने के लिए करना चाहेगा। अमोदेई ने कहा कि एआई अब कोई साइंस फिक्शन मूवी नहीं रह गई है, यह तकनीक आपके सामने है। उन्होंने तर्क दिया कि शुरुआती स्तर का काम में एआई पहले से ही बहुत अच्छा है और अब यह और बेहतर हो रहा है। उन्होंने कहा कि उनका आत्मविश्वास कई मुख्य कार्यकारी अधिकारियों के साथ हुई निजी बातचीत से उपजा है। वे लोग पहले से ही एआई सिस्टम शुरू कर चुके हैं और कर्मचारियों की संख्या कम करने की अपनी योजनाओं के बारे में खुलकर बात करते हैं।

अमोदेई एआई को लेकर कई बार दे चुके हैं चेतावनी: यह पहली बार नहीं जब एंथ्रोपिक के सीईओ ने एआई को लेकर खतरे की बात न की हो। मई में उन्होंने कहा था कि एआई अगले पांच वर्षों में दफ्तरों में एंट्री-लेवल की आधी नौकरियां खत्म कर सकता है। उनके मुताबिक, इस बदलाव से बेरोजगारी दर 10 से 20 प्रतिशत तक पहुंच सकती है।

एक वर्ष के भीतर एआई पूरा कोड लिख सकता है

अमोदेई ने कहा कि यह जोखिम केवल एंट्री-लेवल की नौकरियों तक ही सीमित नहीं है। एआई तीन से छह महीनों के भीतर 90 प्रतिशत सॉफ्टवेयर कोड और एक वर्ष के भीतर पूरा कोड लिख सकता है। उन्होंने भविष्यवाणी की कि मानव इंजीनियरों को उच्च-स्तरीय डिजाइन मापदंडों को आकार देने तक सीमित कर दिया जाएगा। वहीं एआई दूसरी बारीकियों का ध्यान रखेगा। दिग्गजों के विचार अलग हैं। एनवीडिया के प्रमुख जेन्सेन हुआंग ने अमोदेई के अनुमानों को खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि वे एंथ्रोपिक प्रमुख की लगभग हर बात से असहमत हैं और भविष्यवाणी करते हैं कि एआई भूमिकाओं को मिटाने के बजाय उन्हें नया रूप देगा।

आर्चरीः

भारतीय पुरुष कम्पाउंड तीरंदाजी टीम ने रचा इतिहास

विश्व चैंपियनशिप में पहली बार जीता स्वर्ण पदक

ग्वांग्जू, एजेंसी। ऋषभ यादव, अमन सैनी और प्रथमेश फुगे की तिकड़ी ने शानदार प्रदर्शन किया और खिताबी मुकाबले में फ्रांस को 235-233 के अंतर से हराया। भारतीय पुरुष कम्पाउंड तीरंदाजी टीम ने इतिहास रच दिया है। भारतीय टीम ने विश्व चैंपियनशिप में रविवार को फ्रांस को हराकर पहली बार इस टूर्नामेंट में स्वर्ण पदक जीता। ऋषभ यादव, अमन सैनी और प्रथमेश फुगे की तिकड़ी ने शानदार प्रदर्शन किया और खिताबी मुकाबले में फ्रांस को 235-233 के अंतर से हराया। भारत ने फाइनल से पहले ऑस्ट्रेलिया, अमेरिका और तुर्किये पर भी प्रभावशाली जीत दर्ज की थी।

ज्योति-ऋषभ की मिश्रित टीम को मिला रजत पदक

इससे पहले, ज्योति सुरेखा वेनम और ऋषभ यादव की मिश्रित टीम जोड़ी को फाइनल में नीदरलैंड्स के खिलाफ 155-157 से हार का सामना कर रजत पदक से संतोष करना पड़ा था। लेकिन 23 वर्षीय ऋषभ ने इसके बाद सैनी और प्रथमेश के साथ मिलकर पुरुष कम्पाउंड टीम का खिताब अपने नाम किया। तीसरे सेट के बाद स्कोर 176-176 पर बराबर था, लेकिन दूसरी वरीयता प्राप्त भारतीय टीम ने निर्णायक दौर में 59 अंक बटोरी, जबकि फ्रांस 57 अंक ही हासिल कर सकी। इस तरह भारत ने ऐतिहासिक स्वर्ण पदक अपने नाम किया।

बीसीसीआई ने 5 सालों में की रिकॉर्डतोड़ कमाई, पिछले साल कमाए 4,193 करोड़

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड को मौजूदा समय में विश्व का सबसे अमीर क्रिकेट बोर्ड कहा जाता है। दुनिया का कोई भी क्रिकेट बोर्ड बीसीसीआई से ज्यादा पैसा नहीं कमाता है। यही वजह है कि भारतीय क्रिकेटरों को दुनियाभर में सबसे ज्यादा सैलरी मिलती है। बीसीसीआई की इनकम को लेकर एक ताजा रिपोर्ट सामने आई है, जो वाकई हैरान करने वाली है। रिपोर्ट में बताया गया है कि बीसीसीआई ने पिछले पांच सालों में बंपर कमाई की है। बीसीसीआई ने पिछले 5 सालों में 14,627 करोड़ रुपये कमाए हैं। इनमें से 4,193 करोड़ रुपये पिछले वित्तीय वर्ष में ही आए हैं। इस प्रकार बीसीसीआई का बैंक बैलेंस 20,686 करोड़ रुपये हो गया है। एक रिपोर्ट से यह जानकारी मिली है। 'क्रिकबज' की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि राज्य इकाइयों को सभी बकाया राशि का भुगतान करने के बाद भी, सामान्य कोष में भारी बढ़ोतरी दर्ज की गई और 2019 में यह कोष 3,906 करोड़ रुपये का था, जो 2024 में बढ़कर लगभग दोगुना यानी 7,988 करोड़ रुपये हो गया है। ये आंकड़े राज्य एसोसिएशन के साथ शेयर किए गए हैं।

बिहार के उमेश विक्रम ने पूरी दुनिया में लहराया परचम...

पैरा बैडमिंटन में बन गए वर्ल्ड नंबर 1

जमशेदपुर, एजेंसी। भारत के लिए पैरा बैडमिंटन में बड़ी खबर है। बिहार के सीतामढ़ी के रहने वाले और जमशेदपुर से जुड़े उमेश विक्रम कुमार दुनिया के नंबर वन खिलाड़ी बन गए हैं। बीडब्ल्यूएफ की जारी ताजा रैंकिंग में उन्हें पुरुष एकल वर्ग में विश्व नंबर 1 घोषित किया गया है। यह भारत और खासकर बिहार- झारखंड के लिए गर्व का बड़ा पल है।

पूरा साल रहा उमेश विक्रम के नाम

साल 2025 उमेश विक्रम के लिए शानदार रहा। उमेश विक्रम कुमार ने जनवरी में मिस्र की चैम्पियनशिप में उन्होंने एकल में स्वर्ण पदक और युगल में रजत पदक जीता। इसके बाद मार्च में स्पेन चैम्पियनशिप में रजत, मई में दुबई चैम्पियनशिप में एकल और युगल दोनों में रजत और जून में बहरीन चैम्पियनशिप में कांस्य पदक हासिल किया।

महिला एशिया कप 2025

भारत और जापान के बीच मैच 2-2 से ड्रॉ रहा

हांगझोउ, एजेंसी। भारतीय महिला हॉकी टीम ने हॉकी एशिया कप में दमदार प्रदर्शन करते हुए जापान के खिलाफ मैच 2-2 से ड्रॉ करा लिया। भारत के लिए रुतुजा दादासो पिसल (30वें मिनट) और नवनीत कौर (60वें मिनट) ने गोल किए। जापान के लिए हिरोका मुरायामा (10वें मिनट) और चिको फुजीबयाशी (58वें मिनट) ने गोल किए। भारतीय टीम टूर्नामेंट में अब तक अजेय है। थाईलैंड के खिलाफ पहला मैच टीम इंडिया ने 11-0 से जीता था। मैच में भारतीय टीम ने तेज शुरुआत की थी, लेकिन जापान की रक्षात्मक पंक्ति ने शानदार तरीके से भारतीय आक्रमण को रोका। जापान के लिए हिरोका मुरायामा (10वें मिनट) ने पहला गोल किया। जापान ने 1-0 की बढ़त बना ली और पहले क्वार्टर में भारत पर बढ़त बनाए रखी। ब्रेक के बाद, भारतीय टीम ने बराबरी के लिए आक्रामक रुख अपनाया। पहले हाफ के आखिरी मिनटों में रुतुजा दादासो पिसल (30वें मिनट) ने गोल किया और मुकाबला 1-1 से बराबरी पर ला दिया। ब्रेक तक दोनों टीमें 1-1 से बराबरी पर थीं। दूसरे हाफ की शुरुआत में दोनों टीमें सतर्क रुख अपनाते हुए खेलीं ताकि कोई भी बढ़त न खो दे। तीसरे क्वार्टर में दोनों टीमों ने एक-दूसरे पर जोरदार प्रहार किए लेकिन ब्रेक तक स्कोर 1-1 से बराबर रहा। अंतिम क्वार्टर में, दोनों टीमों ने निर्णायक जीत की तलाश में आक्रमण को तेज किया। जापान का दबाव शुरुआत में ही रंग लाया और उन्होंने अंतिम हूटर से कुछ मिनट पहले गोल कर दिया। चिको फुजीबयाशी (58वें मिनट) को पेनल्टी स्ट्रोक मिला और उन्होंने गोल करके स्कोर 2-1 कर दिया। भारत के लिए नवनीत कौर पेनल्टी कॉर्नर पर (60वें मिनट) गोल दागा। इस गोल से भारतीय टीम ने 2-2 से बराबरी हासिल की और मैच ड्रॉ पर समाप्त हुआ। भारत का अगला मुकाबला 8 सितंबर को भारतीय समयानुसार दोपहर 12:00 बजे सिंगापुर से होगा।

साथी खिलाड़ियों की कड़ी मेहनत देख चेहरे पर मुस्कान आ गई : सूर्यकुमार यादव

दुबई, एजेंसी। एशिया कप 2025 के लिए भारतीय टीम दुबई पहुंच चुकी है। बतौर कप्तान सूर्यकुमार यादव के लिए यह पहला बड़ा टूर्नामेंट है। इसलिए वे काफी उत्साहित हैं। भारतीय टीम एशिया कप के लिए दुबई स्थित आईसीसी अकादमी में अभ्यास शुरु कर चुकी है। फील्ड पर खिलाड़ियों को कड़ी मेहनत करता देख भारतीय कप्तान बेहद खुश हैं। सूर्यकुमार यादव ने कहा कि भारतीय टीम के शानदार खिलाड़ियों को अपने पहले अभ्यास सत्र में कड़ी मेहनत करते देखकर उनके चेहरे पर मुस्कान आ गई। बीसीसीआई टीवी पर शनिवार को पोस्ट किए गए एक वीडियो में सूर्यकुमार यादव ने कहा, अविश्वसनीय कौशल वाले इतने शानदार खिलाड़ियों को मैदान पर देखकर मेरे चेहरे पर हमेशा मुस्कान आ जाती है, वे अपना पूरा दमखम लगाते हैं और मुझे लगता है कि मैं उनसे यही चाहता हूं। उप कप्तान शुभमन गिल ने कहा, मैं बहुत उत्साहित हूं। मुझे लगता है कि यह एक बेहतरीन ग्रुप है, और जिस तरह से हम टी20 में खेल रहे हैं, वो मनोरंजक और शानदार है। टी20 विश्व कप 2024 में भारतीय टीम को चैंपियन बनाने के बाद पहली बार इस फॉर्मेट में वापसी कर रहे तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने कहा कि वह इस टूर्नामेंट में खेलने को लेकर उत्सुक हैं। उन्होंने कहा, मैं लंबे समय के बाद टी20 ग्रुप में शामिल हुआ हूं। टीम में युवा और ऊर्जावान खिलाड़ी हैं। टूर्नामेंट रोमांचक होने वाला है।

भारतीय टीम एशिया कप में ग्रुप ए में पाकिस्तान, यूएई और ओमान के साथ शामिल है। भारत अपने ग्रुप ए मैचों की शुरुआत 10 सितंबर को दुबई अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में संयुक्त अरब अमीरात के खिलाफ करेगा, जिसके बाद 14 सितंबर को उसी मैदान पर पाकिस्तान से भिड़ेगा। इसके बाद 19 सितंबर को अबू धाबी के शेख जायद क्रिकेट स्टेडियम में ओमान से मुकाबला होगा। ग्रुप की दो शीर्ष टीमें सुपर 4 में जाएंगी। ग्रुप ए की दोनों शीर्ष टीमों के बीच 21 सितंबर को मैच खेला जाना है। संभवतः यह मैच भारत और पाकिस्तान के बीच होगा। इसके बाद दोनों टीमों का सामना फाइनल में हो सकता है। 9 सितंबर से शुरू हो रहे टूर्नामेंट का फाइनल 28 सितंबर को खेला जाएगा। टूर्नामेंट टी20 फॉर्मेट में खेला जाना है।

एशिया कप हॉकी

भारत का जलवा, चीन पर 7-0 की धमाकेदार जीत से फ़ाइनल में प्रवेश

राजगीर, एजेंसी। भारत ने एशिया कप हॉकी 2025 के सुपर-4 चरण के अपने आख़िरी मैच में चीन को 7-0 से रौंदकर फ़ाइनल में धमाकेदार एंट्री कर ली है। इस जीत के साथ ही टीम इंडिया का आत्मविश्वास चरम पर पहुँच गया है। फ़ाइनल में उसका मुकाबला मेज़बान दक्षिण कोरिया से होगा। पहले हाफ़ से ही भारतीय खिलाड़ियों ने मैच पर पूरी तरह पकड़ बना ली थी। शिलानंद लाकड़ा, दिलप्रीत सिंह और मंदीप सिंह ने शानदार फील्ड गोल करते हुए भारत को 3-0 की बढ़त दिलाई। दूसरे हाफ़ में भारत का आक्रामक अंदाज़ और तेज़ हुआ। राजकुमार पाल और सुखजीत सिंह ने गोल दागे, जबकि अभिषेक नैन ने दो गोल कर चीन को पूरी तरह बैकफ़ुट पर धकेल दिया। भारत अब चौथी बार एशिया कप जीतने के इरादे से मैदान में उतरेगा। दिलचस्प बात यह है कि टीम दूसरी बार घरेलू धरती पर इस खिताब को जीतने की कोशिश करेगी।

संजू सैमसन के हाथ लगेगी निराशा...

जितेश शर्मा बने गौतम गंभीर की पहली पसंद, UAE के खिलाफ खेलना तय!

नई दिल्ली, एजेंसी। एशिया कप क्रिकेट टूर्नामेंट 2025 के लिए भारतीय टीम के खिलाड़ी दुबई पहुंच चुके हैं। टीम इंडिया अपना शुरुआती मुकाबला 10 सितंबर (बुधवार) को संयुक्त अरब अमीरात के खिलाफ दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेलेगी। इस मुकाबले से पहले सूर्यकुमार यादव की अगुवाई में भारतीय खिलाड़ी आईसीसी एकेडमी ग्राउंड में जमकर अभ्यास कर रहे हैं। अब भारतीय टीम से जुड़ी एक बड़ी खबर सामने आई है। ईएसपीएन क्रिकइंफो की रिपोर्ट के मुताबिक यूएई के खिलाफ भारत के ओपनिंग मैच में विकेटकीपर बल्लेबाज के तौर पर जितेश शर्मा खेलते नजर आ सकते हैं। उन्हें संजू सैमसन पर तव्वजो मिलने की संभावना है। शुभमन गिल के टी20 सेटअप में वापसी करने के बाद से ही सैमसन को लगातार सवाल उठ रहे हैं।

शुभमन गिल उप-कप्तान हैं और वो अभिषेक शर्मा के साथ ओपनिंग करने वाले हैं। ऐसे में संजू सैमसन के लिए प्लेइंग-11 में जगह बनाना मुश्किल है। सैमसन हालिया समय में टी20 इंटरनेशनल में ओपनिंग करते आए हैं। गिल की टी20 टीम में वापसी के बाद सैमसन को मिडिल ऑर्डर में विकेटकीपर बल्लेबाज की जगह के लिए जितेश शर्मा से टक्कर लेनी पड़ रही है। आईपीएल 2025 में छा गए थे जितेश शर्मा

ऐसा लगता है कि जितेश शर्मा टीम मैनेजमेंट की पहली पसंद बनकर उभरे हैं। इंडियन प्रीमियर लीग 2025 में जितेश ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के लिए फिनिशर की भूमिका निभाई थी। उन्होंने 11 पारियों में 37.28 की औसत और 176.35 के स्ट्राइक रेट से 261 रन बनाए थे। लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ तो जितेश ने 33 गेंदों पर नाबाद 85 रन कूटे, जिसके चलते आरसीबी ने 228 रनों का लक्ष्य हासिल किया था।

जितेश शर्मा ने भारत के लिए अपना आखिरी टी20 इंटरनेशनल मुकाबला जनवरी 2024 में अफगानिस्तान के खिलाफ खेला था। जितेश ने अब तक 7 टी20 मैचों में 100 रन बनाए हैं। उधर संजू सैमसन केरल क्रिकेट लीग 2025 में शानदार फॉर्म में रहे। उन्होंने 5 पारियों में 73.60 की औसत से 368 रन बनाए. हालांकि सैमसन ने 5 में से चार पारियों में ओपनिंग की. एक इनिंग्स में जब वो नंबर-6 पर उतरे तो 22 बॉल पर 13 रन बना सके।

यूएस ओपनः

ग्रैंडस्लैम में 100वीं जीत के साथ सबालेंका ने बरकरार रखा यूएस ओपन का खिताब, हासिल की उपलब्धियां

न्यूयॉर्क, एजेंसी। सबालेंका ने इस खिताबी के साथ कई रिकॉर्ड अपने नाम कर लिए हैं। वह ओपन एरा की तीसरी खिलाड़ी हैं जिन्होंने अपने पहले चार ग्रैंडस्लैम हार्ड कोर्ट पर जीते हैं। विश्व की नंबर एक महिला टेनिस खिलाड़ी एरिना सबालेंका ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अमांडा एनिसोवा को हराकर वर्ष के आखिरी ग्रैंडस्लैम यूएस ओपन में खिताब का सफलतापूर्वक बचाव किया। सबालेंका ने महिला एकल के फाइनल में एनिसोवा को एक घंटे 34 मिनट तक चले फाइनल मुकाबले में 6-3, 7-6(3) से हराया। सबालेंका का यह चौथा ग्रैंडस्लैम खिताब है।

नंबर एक का ताज बरकरार - सबालेंका ने फाइनल में आक्रामक खेल का प्रदर्शन किया। उन्होंने 13 विनर्स लगाए और 15 बेजा भूलें कीं। दूसरी ओर, एनिसोवा ने 29 बेजा भूलें कीं और सात डबल फॉल्ट किए। पहले सेट में कड़े संघर्ष के बाद सबालेंका ने अपने अनुभव का भरपूर इस्तेमाल किया। दूसरे सेट में भी सलाबेंका अमेरिकी युवा अनिसिमोवा से बीस साबित हुईं और उन्होंने लगातार सेटों में जीत दर्ज की। सबालेंका ने इस दौरान चार बार सर्विस गंवाई, हालांकि खिताबी जीत के साथ उन्होंने नंबर एक का ताज भी बरकरार रखा है, जबकि हार के बावजूद एनिसोवा चौथे स्थान पर पहुंच जाएंगी।

शुरुआती चार ग्रैंडस्लैम हार्ड कोर्ट पर जीते - सबालेंका ने इस खिताबी के साथ कई रिकॉर्ड अपने नाम कर लिए हैं। वह ओपन एरा की तीसरी खिलाड़ी हैं जिन्होंने अपने पहले चार ग्रैंडस्लैम हार्ड कोर्ट पर जीते हैं। इस मामले में उन्होंने नाओमी ओसाका और किम क्लीस्टर की बराबरी कर ली है। ओसाका ने अपने करियर में यूएस ओपन (2018 और 2020) तथा ऑस्ट्रेलियन ओपन (2019, 2021) जीते हैं। क्लीस्टर ने 2005, 2009 और 2010 में यूएस ओपन तथा 2011 में ऑस्ट्रेलियन ओपन का खिताब जीता था।

सेरेना विलियम्स की बराबरी पर पहुंचीं - सबालेंका ओपन एरा की दूसरी खिलाड़ी हैं जिन्होंने फाइनल में अपने ग्रैंडस्लैम करियर का 100वां मुकाबला जीता है। इससे पहले यह उपलब्धि इगा स्वियातेक ने विंबलडन के दौरान हासिल की थी। दोनों खिलाड़ियों ने फाइनल में एनिसोवा को हराकर ग्रैंडस्लैम करियर का 100वां मैच जीता। वहीं, 2012-2014 में सेरेना विलियम्स के बाद यूएस ओपन के महिला एकल वर्ग में लगातार दो खिताब जीतने वाली सबालेंका पहली खिलाड़ी हैं। सबालेंका से पहले ओपन एरा में चुनिंदा खिलाड़ियों ने ही यह उपलब्धि हासिल की है। इस सूची में सेरेना विलियम्स (2012-2014), किम क्लीस्टर (2009-2010), वीनस विलियम्स (2000-2001), मोनिका सेलेस (1991-1992), स्टेफी ग्राफ (1988-1989, 1995-1996), मार्टिना नावरातोलोवा (1983-1984, 1986-1987) और क्रिस एवर्ट (1975-1978) शामिल हैं।

पहले दौर से बाहर होने के बाद मुक्केबाज लवलीना ने ट्रेनिंग पर जताई निराशा, खड़े किए सवाल

लिवरपूल, एजेंसी। लवलीना ने पेरिस ओलंपिक और उसके बाद के मुकाबलों के लिए तैयारी के दौरान कम अनुभव मिलने पर अफसोस जताया और टोक्यो खेलों से पहले मिली सहयोग प्रणाली से तुलना की। भारत की स्टार मुक्केबाज लवलीना बोरगोहेन का प्रदर्शन विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप में अच्छा नहीं रहा था और उन्हें पहले ही दौर में हार का सामना करना पड़ा था। इसके बाद लवलीना ने ट्रेनिंग पर निराशा जताई और सवाल खड़े किए। लवलीना ने ट्रेनिंग के कम अवसर मिलने पर सवाल खड़े किए और कहा कि उन्हें हमेशा वह ट्रेनिंग नहीं मिलती जो उन्हें चाहिए होती है।

लय में नहीं दिखीं लवलीना

एक साल से अधिक समय बाद अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में वापसी करने वाली टोक्यो ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता लवलीना शनिवार को 75 किग्रा वर्ग के राउंड ऑफ 16 मुकाबले में तुर्किये की बुसरा इस्लिदार के खिलाफ 0-5 की हार के दौरान लय में नहीं दिखी। इस 27 वर्षीय भारतीय मुक्केबाज ने पेरिस ओलंपिक और उसके बाद के मुकाबलों के लिए तैयारी के दौरान कम अनुभव मिलने पर अफसोस जताया और टोक्यो खेलों से पहले मिली सहयोग प्रणाली से तुलना की।

लवलीना ने एक्स पर लिखा, एक साल बाद मैंने अपनी पहली अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में हिस्सा लिया। मैं अपने पहले ही मुकाबले में हार गई, इससे पीड़ा पहुंचती है। मुझे खेद है कि मैं इस बार ऐसा नहीं कर पाई। लेकिन सभी जानते हैं कि मैं कभी भी किसी और चीज के लिए नहीं लड़ती, सिर्फ अपनी ट्रेनिंग के लिए। मैं कभी विलासिता की चीजें नहीं मांगती। मैं सिर्फ अच्छी ट्रेनिंग मांगती हूं।

लवलीना बोलीं- बार-बार खुद को साबित करना पड़ता है

उन्होंने कहा, टोक्यो ओलंपिक से पहले हमारे पास अच्छे अंतरराष्ट्रीय शिविर थे। मैं ट्रेनिंग के लिए अंतरराष्ट्रीय स्पर्रिंग जोड़ीदार के लिए अनुरोध करती थी लेकिन पेरिस ओलंपिक से पहले मुझे बहुत कम प्रतियोगिताएं और बहुत कम अंतरराष्ट्रीय शिविर का मौका मिला। अच्छे जोड़ीदार के बिना मैं खुद को कैसे बेहतर बना सकती हूं? पेरिस ओलंपिक में भी मैं अकेली थी। मुझे खुद को बार-बार साबित करना पड़ता है। और सभी जानते हैं कि खेल में मानसिक शक्ति उतनी ही महत्वपूर्ण है जितनी शारीरिक शक्ति। फिर भी अपने देश के लिए सब कुछ देने के बाद भी मुझे हमेशा वह ट्रेनिंग या कोच नहीं मिलता जो मुझे सच में चाहिए। मैं हर लड़ाई में अकेले ही मुश्किलों का सामना करती हूं। मुझे बताओ क्या यह सही है कि मैं हमेशा अपना सिर झुकाए रखूं, सब कुछ होने के बावजूद चुपचाप ट्रेनिंग करती रहूं? लवलीना ने हालांकि स्पष्ट किया कि वह मौजूदा कोच की आलोचना नहीं कर रही हैं। उन्होंने कहा, मैं मौजूदा कोच और टीम के सदस्यों को दोष नहीं दे रही। उन्होंने हमेशा मेरा साथ दिया है और मेरी मदद करने की कोशिश की है। लेकिन हां, कुछ नया सीखने में हमेशा थोड़ा और समय लगता है।

गणपति विसर्जन के बाद अक्षय कुमार ने किया ऐसा काम

अक्षय कुमार को रविवार सुबह मुंबई के जुहू बीच पर कई लोगों के साथ देखा गया। वह गणपति विजर्सन कार्यक्रम के समापन के बाद यहां पहुंचे थे। जुहू बीच पर एक्टर ने ऐसा काम किया कि सोशल मीडिया पर उनकी वाहा-वाही हो रही है।

अक्षय कुमार सोशल मैसेज वाली फिल्मों के जरिए तो लोगों को अवेयर करते हैं। साथ ही वह समय-समय पर अपनी नैतिक जिम्मेदारी भी समाज और देश को लेकर निभाते हैं। हाल ही में गणपति विजर्सन समापन के बाद एक्टर ने जुहू बीच पर कुछ ऐसा काम किया कि सोशल मीडिया पर उनकी तारीफ होने लगी।

यूजर्स ने की खिलाड़ी कुमार की तारीफ

सोशल मीडिया पर अक्षय कुमार के इस प्रयास की सराहना हो रही है। एक यूजर ने लिखा, च्अक्षय कुमार हमेशा अच्छा काम करते हैं।' अन्य यूजर ने अक्षय के लिए हार्ट और फायर इमोजी सोशल मीडिया पर साझा किए और एक्टर की पहल को सराहा है।

जुहू बीच पर अक्षय कुमार ने की सफाई

सोशल मीडिया पर अक्षय कुमार का एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें वह गणेश विसर्जन के बाद जुहू बीच पर फैले कचरे को साफ करते हुए दिखाई दिए। महाराष्ट्र के सीएम देवेंद्र फडणवीस की पत्नी अमृता फडणवीस ने इस क्लिन अप ड्राइव को होस्ट किया है। अक्षय कुमार के साथ वायरल वीडियो में वह भी सफाई करती हुई नजर आईं।

पंजाब में आई बाढ़ से ग्रसित परिवारों की मदद करने अमृतसर पहुंचे सोनू

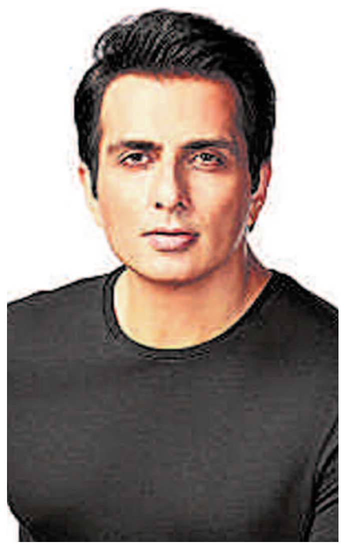

अभिनेता सोनू सूद पंजाब में आई बाढ़ प्रभावित परिवारों की प्रत्यक्ष तौर पर राहत प्रदान करने के लिए अमृतसर पहुंच गए हैं।

पंजाब इन दिनों बाढ़ की मार झेल रहा है। इस आपदा से कई परिवार प्रभावित हो चुके हैं। पंजाब की मदद के लिए कई एक्टर्स आगे आ रहे हैं और अपनी क्षमता अनुसार हर संभव प्रयास कर रहे हैं। अब बॉलीवुड अभिनेता सोनू सूद पीड़ित परिवारों की मदद के लिए अमृतसर पहुंच गए हैं।

स्थिति को लगाऊंगा पता

बात करते हुए सोनू सूद ने कहा, च्मैं बागपुर, सुल्तानपुर लोधी, फिरोजपुर, फाजिल्का, अजनाला जा रहा हूं और मैं चारों ओर जाकर स्थिति का पता लगाने की कोशिश करूंगा। मुझे लगता है कि आने वाले समय में, चूंकि पंजाब में अभी भी बारिश हो रही है। कई घर नष्ट हो गए हैं, लोगों की आजीविका बर्बाद हो गई है। इसलिए मैं पूरी मदद करने की कोशिश करूंगा और स्थानीय प्रशासन से उनकी जरूरतों की सूची लूंगा।'

अभिनेत्री निकिता घाग और उसके साथियों पर फिल्म निर्माता से बंदूक की नोक पर 10 लाख ट्रांसफर कराने का आरोप, FIR दर्ज

बॉलीवुड से जुड़े अंधेरी वेस्ट इलाके में एक सनसनीखेज घटना सामने आई है। फिल्म निर्माता कृष्णकुमार वीरसिंह मीणा उर्फ के. कुमार (48) ने आरोप लगाया है कि अभिनेत्री निकिता घाग और उसके सहयोगियों ने उन्हें बंधक बनाकर बंदूक की नोक पर 10 लाख रुपए च्बरन ट्रांसफर करवाए। इस घटना के बाद अंबोली पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज कर लिया गया है। फिल्म निर्माता कृष्णकुमार वीरसिंह मीणा उर्फ के. कुमार (48) ने मामला दर्ज कराया है। उन्होंने बताया कि 14 अगस्त की शाम निकिता घाग 10 से अधिक लोगों के साथ उनके स्टूडियो, चित्रलेखा हेरिटेज पहुंची। उस वक्त कुमार अपने केबिन में कुछ कलाकारों और दोस्तों के साथ बैठे थे। तभी अचानक 10 से 15 लोग अंदर घुसे, गाली-गलौज की और सभी को बाहर निकाल दिया। शिकायतकर्ता प्रोड्यूसर के मुताबिक, इनमें से एक युवक ने खुद को च्दादा' बताते हुए अपना नाम विवेक जगताप बताया। इसके बाद निकिता और उसके साथियों ने प्रोड्यूसर पर झूठे आरोप लगाते हुए बदनाम करने की धमकी दी और 25 लाख रुपए की मांग की। विरोध करने पर कथित तौर पर मारपीट की गई। इस दौरान एक आरोपी ने चाकू निकाला, जबकि जगताप ने कमर में रखी पिस्तौल दिखाकर डराया। धमकियों और भय के माहौल में प्रोड्यूसर को अपने मोबाइल फोन और ओटीपी वेरिफिकेशन के जरिए 10 लाख रुपए ऑनलाइन ट्रांसफर करने पड़े। इतना ही नहीं, आरोपियों ने उनके कर्मचारी से जबरन एक ईमेल भी लिखवाया, जिसमें इस रकम को निकिता घाग की एक्टिंग फीस का एडवांस बताया गया। प्रोड्यूसर ने कहा कि उन्हें करीब तीन घंटे तक स्टूडियो में बंधक बनाए रखा गया और जाते समय स्टाफ को भी धमकाया गया कि अगर पुलिस में शिकायत की गई तो गंभीर अंजाम भुगतने होंगे।

फिल्म निर्माता की शिकायत पर अंबोली पुलिस स्टेशन ने अभिनेत्री निकिता घाग, विवेक जगताप उर्फ दादा और उनके अन्य 10-15 सहयोगियों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। आरोपियों पर भारतीय न्याय संहिता की धारा 37(1)(ए), 115(2), 189(2), 190, 191(2)(3), 308(2)(6), 333, 351, आर्म्स एक्ट की धारा 25(3) और महाराष्ट्र पुलिस अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज हुई है।

सामंथा रुथ प्रभु ने की 'लोका चौप्टर 1' की तारीफ

सिनेमाघरों में इन दिनों मलयालम फिल्म 'लोका चौप्टर 1' धूम मचा रही है। कई फिल्मी सितारे इसकी तारीफ कर रहे हैं। साउथ की सुपरस्टार सामंथा रुथ प्रभु ने भी फिल्म की तारीफ की है। इस फिल्म में कल्याणी प्रियदर्शन को पहली महिला सुपरहीरो के तौर पर पेश किया गया है।

कई सितारों ने की तारीफ

डोमिनिक अरुण के निर्देशन में बनी फिल्म 'लोका चैप्टर 1' ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया है। 28 अगस्त को रिलीज हुई इस फिल्म ने अब तक 66 करोड़ रुपये कमा लिए हैं। इससे पहले, प्रियंका चोपड़ा और आलिया भट्ट ने भी इस फिल्म की सराहना की थी।

सामंथा ने फिल्म की तारीफ की

सोशल मीडिया पर सामंथा ने खुशी जाहिर करते हुए लिखा 'फिल्म लोका देखी, वाह!! अच्छा अनुभव था। विजुअल, साउंड और एक्शन हर फ्रेम जीवंत लगा। फिल्म ने मुझे अपनी तरफ खींच लिया। मेरे जेहन में एक चीज बस गई और वो थी हमारी पहली सुपरहीरो कल्याणी प्रियदर्शन। चंद्रा ने मेरे रोंगटे खड़े कर दिए। पूरी टीम को बहुत-बहुत धन्यवाद।

'अयोध्या रामलीला' में सीता बनेंगी मिस यूनिवर्स इंडिया मनिका

मिस यूनिवर्स इंडिया 2025 का खिताब अपने नाम करने वाली मनिका विश्वकर्मा 'अयोध्या रामायण' में माता जानकी का रोल अदा करेंगी। उन्होंने खुशी जताते हुए कहा कि प्रभु श्रीराम की कृपा से यह अवसर मिला है। 'मिस यूनिवर्स इंडिया 2025' का खिताब जीतने वाली मनिका विश्वकर्मा आगामी वार्षिक नाट्य समारोह 'अयोध्या रामलीला' में हिस्सा ले रही हैं। इस रामलीला में वे माता सीता की भूमिका निभाती नजर आएंगी। मालूम हो कि 'अयोध्या रामलीला' को दुनिया की सबसे बड़ी रामलीला माना जाता है। यह मौका मिलने पर मनिका बेहद खुश हैं और इसे श्रीराम की कृपा बता रही हैं।

मनिका ने फैंस से किया अनुरोध

अयोध्या की रामलीला के इंस्टाग्राम अकाउंट से एक पोस्ट शेयर किया गया है। इसमें मनिका बोलती दिख रही हैं, 'जय श्रीराम, मैं अयोध्या की रामलीला में माता सीता का किरदार अदा करने जा रही हूं। यह मेरे लिए एक सौभाग्य की बात है कि भगवान श्रीराम के आशीर्वाद, बजरंगबली के आशीर्वाद और अयोध्यावासियों के आशीर्वाद से यह किरदार अदा करूंगी। आप सभी से विनम्र अनुरोध है कि इस वर्ष की अयोध्या की रामलीला में मेरे मां सीता के किरदार को देखना न भूलें'।

सर्वश्रेष्ठ निर्देशक पुरस्कार जीतने के बाद भावुक हुई अनुपर्णा, महिलाओं को अवॉर्ड किया समर्पित

भारतीय फिल्म निर्देश अनुपर्णा रॉय ने देश का परचम लहराया है। वेनिस फिल्म फेस्टिवल में दिखाई गई एकमात्र भारतीय फिल्म-च्सॉन्स ऑफ फॉरगॉटन ट्रीज' के लिए अनुपर्णा को सर्वश्रेष्ठ निर्देशक का सम्मान दिया गहया। क्यों खास है अनुपर्णा की ये उपलब्धि? क्या है फिल्म की कहानी? जानिए सबकुछ।

इटली में आयोजित 82वें वेनिस फिल्म फेस्टिवल में भारत का डंका बजा है। पूरे देश लिए गर्व के इन लम्हों को सहेजने का श्रेय फिल्ममेकर अनुपर्णा रॉय को जाता है। उनकी फिल्म च्सॉन्स ऑफ फॉरगॉटन ट्रीज़' के लिए उन्हें ओरिज़ोंटी सेक्शन का सर्वश्रेष्ठ निर्देशक पुरस्कार प्रदान किया गया। इस पुरस्कार की घोषणा ओरिज़ोंटी जूरी की अध्यक्ष, फ्रांसीसी फिल्मकार जूलिया ड्यूकुर्नो ने समापन समारोह के दौरान की। भारतीय सिनेमा के लिए यह उपलब्धि महत्वपूर्ण मील का पत्थर मानी जा रही है।

अवॉर्ड जीतने के बाद क्या बोलीं अनुपर्णा रॉय?

इस खिताब को जीतने के बाद नम आंखों के साथ अनुपर्णा रॉय ने अवॉर्ड उन सभी महिलाओं को समर्पित किया जो अपने खिलाफ हो रहे अत्याचार के खिलाफ या किसी भी मुद्दे पर अपनी आवाज नहीं उठा पाती हैं। अनुपर्णा रॉय ने कहा, 'यह फिल्म उन हर महिलाओं को समर्पित है, जिनकी आवाज कभी दबा दी गई, जिन्हें नजरअंदाज किया गया या कम आंका गया। मेरी कामना है कि यह जीत और अधिक आवाजों और ज्यादा कहानियों और महिलाओं को सिनेमा ही नहीं बल्कि जीवन के हर क्षेत्र में और अधिक ताकत देने की प्रेरणा बने।'

प्रवासी महिलाओं की जिंदगी पर आधारित है फिल्म

अनुपर्णा रॉय की इस फिल्म से अनुराग कश्यप भी जुड़े हैं। खास बात ये भी रही कि इस वर्ष के ओरिज़ोंटी सेक्शन में शामिल होने वाली एकमात्र भारतीय फिल्म-सॉन्स ऑफ फॉरगॉटन ट्रीज़' ही रही। मुंबई में प्रवासी महिलाओं की जिंदगी पर आधारित इस फिल्म में आधी आबादी के अकेलेपन, संघर्ष और क्षणिक रिश्तों के बीच जीने का रास्ता तलाशने की जिजिविषा को दिखाया गया है।

'मां सीता के लिए कास्टिंग खराब है...

'यूज़र्स के निशाने पर आईं साई पल्लवी

साउथ की फेमस एक्ट्रेस साई पल्लवी हाल ही में एक अवॉर्ड शो में नजर आईं। उनके वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। कुछ उनकी सादगी की तारीफ कर रहे हैं तो किसी को 'रामायणम्' में माता सीता के लिए उनकी कास्टिंग पसंद नहीं आ रही है। उनके वीडियो पर सभी के मिले-जुले रिएक्शन आ रहे हैं। साई पल्लवी के वायरल वीडियो पर यूजर्स ने खूब रिएक्ट किया है। एक ने कहा, 'पुरानी रामायण बेस्ट है।' दूसरे ने कहा, 'मां सीता के लिए इससे बुरा कोई विकल्प नहीं हो सकता।' अन्य ने कहा, 'मां सीता के लिए बेजान चेहरा अच्छी पसंद नहीं है! कास्टिंग बहुत खराब है।' हालांकि, साई पल्लवी के फैंस उनके सपोर्ट में हैं। उनका कहना है कि वो बहुत प्यारी दिख रही हैं और 'रामायण' में मां सीता के रोल के लिए परफेक्ट हैं।

'रामायण' की लंबी चौड़ी कास्ट

फिल्म के बारे में बता दें कि इसका डायरेक्शन नितेश तिवारी कर रहे हैं और स्क्रिप्ट श्रीधर राघवन ने लिखा है। फिल्म में रणबीर कपूर राम के किरदार में हैं। इनके अलावा यश, रवि दुबे, सनी देओल, अमिताभ बच्चन, अरुण गोविल, लारा दत्ता, काजल अग्रवाल, रकुल प्रीत सिंह, कुणाल कपूर, शीबा चड्ढा, इंदिरा कृष्णन और शोभना हैं। इस फिल्म का बजट भारी-भरकम है। इसे 4 हजार करोड़ से 4500 करोड़ रुपये में बनाया जा रहा है। ये दो पार्ट में रिलीज होगी।

ईशा गुप्ता ने पूरी की धमाल 4 की शूटिंग, कहा -

प्योर एंटरटेनमेंट और अविस्मरणीय एनर्जी से भरा अनुभव

बॉलीवुड की सबसे ग्लैमरस और बहुमुखी अभिनेत्रियों में से एक, ईशा गुप्ता अब अपनी कॉमिक टाइमिंग और दमदार स्क्रीन प्रेज़ेन्स से दिल जीतने के लिए तैयार हैं धमाल 4 में। अजय देवगन और पूरी एनसेंबल कास्ट के साथ बड़े पैमाने पर शूटिंग करने के बाद, अभिनेत्री ने अब अपनी शूटिंग पूरी कर ली है और निर्माताओं ने आधिकारिक तौर पर इंद्र कुमार की इस बहुप्रतीक्षित कॉमेडी एक्स्ट्रावैगेंज़ा का रैप-अप घोषित कर दिया है। ईशा के लिए धमाल 4 अजय देवगन के साथ उनकी तीसरी फिल्म है, बादशाहो और टोटल धमाल के बाद। पिछले महीने अजय और ईशा को माध आइलैंड में महत्वपूर्ण सीक्केंसेज़ शूट करते हुए देखा गया था, जहां उनके साथ रितेश देशमुख, अरशद वारसी, जावेद जाफरी, रवि किशन, संजय मिश्रा और अन्य कलाकार भी शामिल थे। रैप-अप के मौके पर ईशा ने कहा धमाल जैसी दर्शकों की पसंदीदा फ्रेंचाइज़ का हिस्सा बनना मेरे लिए एकदम खुशी की बात है। इंद्र सर, अजय और पूरी टीम के साथ काम करना, टोटल धमाल के बाद एक बार फिर, अविस्मरणीय अनुभव रहा। अजय एक पावरहाउस टैलेंट हैं, और सेट पर उनकी सहजता और एनर्जी सबको और बेहतर बना देती है। सेट का माहौल हमेशा मजेदार, हंसी-खुशी और पॉज़िटिविटी से भरा रहा। मैं बेसब्री से इंतज़ार कर रही हूं कि दर्शक वो पागलपन और मस्ती देखें जो हमने क्रिएट की है। शूट खत्म करना मेरे लिए बेहद खास है क्योंकि ये फिल्म सच में प्योर एंटरटेनमेंट है और इसका हिस्सा बनकर मैं बेहद उत्साहित हूं। अपनी स्ट्राइकिंग ब्यूटी, मैग्नेटिक स्क्रीन प्रेज़ेन्स और नैचुरल परफ़ॉर्मेंस के लिए मशहूर ईशा अब एक बार फिर धमाल यूनिवर्स पर राज करने के लिए तैयार हैं। इस प्रिय फ्रेंचाइज़ में उनकी वापसी फिल्म में नया तड़का लगाएगी–ग्लैमर, स्टाइल और चार्म से भरी हुई। दर्शकों को उनकी टोटल धमाल की एंट्री आज भी याद है, जहां उन्होंने अपनी स्टाइल और बुद्धिमत्ता से सबको प्रभावित किया था। अब धमाल 4 में वे और भी बड़े, बोल्ड और महत्वपूर्ण रोल में लौट रही हैं, जो फिल्म के कॉमेडी और कैओस में चमक और गहराई दोनों जोड़ेगा। हाल ही में हनी सिंह के साथ ब्राउन आइज़ वाली और जुबिन नौटियाल के साथ इश्क मेरा जैसी हिट्स देने के बाद, ईशा अपनी विनिंग स्ट्रीक जारी रखने के लिए तैयार हैं–अपना सिग्नेचर चार्म, बेदाग़ स्टाइल और अजय देवगन के साथ गजब की केमिस्ट्री लेकर एक बार फिर फ्रेंचाइज़ को रोशन करने के लिए।

साभार एजेंसी